हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

10 मार्च, 2003 (प्रथम बैठक)

खण्ड 1, अंक 4

अधिकृत विवरण

विषय सूची

सोमवार, 10 मार्च, 2003

	पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(4)1
नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(4)17
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(4)25
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की सूचना—	(4)62
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव—	(4)62
कृषि तथा घरेलू क्षेत्रों की बिजली की सप्लाई संबंधी	(4)62
वक्तव्य—	(4)63
मुख्य संसदीय सचिव द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव संबंधी	(4)63
वैयक्तिक स्पष्टीकरण—	(4)78
चौधरी भजन लाल, एम०एल०ए० द्वारा	(4)78
शोक प्रस्ताव	(4)78

मुल्य 69

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)78
वैयक्तिक स्पष्टीकरण—	(4)78
श्री बंसी लाल, एम०एल०ए० द्वारा	(4)82
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)83
वैयक्तिक स्पष्टीकरण—	(4)88
श्री बंसी लाल, एम०एल०ए० द्वारा	(4)88
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)88
वैयक्तिक स्पष्टीकरण—	(4)90
श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, एम०एल०ए० द्वारा	(4)90
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)90
वैयक्तिक स्पष्टीकरण—	(4)92
श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, एम०एल०ए० द्वारा	(4)92
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)93
वाक आउट्स	(4)97
सदस्य का नाम लेना	(4)98
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)98
वैयक्तिक स्पष्टीकरण—	(4)102
चौधरी भजन लाल एम०एल०ए० द्वारा	(4)102
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)102
वैयक्तिक स्पष्टीकरण—	(4)107
श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, एम०एल०ए० द्वारा	(4)107
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)108
श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, एम०एल०ए० द्वारा	(4)108
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)108
वर्ष 2002-03 के लिए अनुपूरक अनुमान (द्वितीय किस्त) प्रस्तुत करना प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना।	(4)112
वर्ष 2002-03 के लिए अनुपूरक अनुमानों की मांगों (द्वितीय किस्त) पर चर्चा तथा मतदान	(4)112
सरकारी संकल्प	(4)116
बैठक का समय बढ़ाना	(4)119
सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ)	(4)120

2004 Published under the authority of ... by the Controller, Printing & Stat...

HVS/CB/9

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 10 मार्च, 2003 (प्रथम बैठक)

हरियाणा विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में प्रात: 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री सतबीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की ।

तारांकित प्रश्न एंव उतर

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बरज अब प्रश्न होंगे ।

तारांकित प्रश्न संख्या 1247

(इस समय माननीय सदस्य श्री शेर सिंह सदन में उपस्थित नहीं थे इसलिए यह प्रश्न पूछा नहीं गया ।)

वित मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : अध्यक्ष महोदय, यह तो हालात अपोजीशन के हैं। माननीय रिटायर्ड आई.जी. शेर सिंह जी का पहला प्रश्न है और वह अपने प्रश्न को पूछने के लिए सदन में उपस्थित नहीं हैं । यूं तो ये कहते हैं कि हमारे प्रश्न लगते नहीं है और अब इनके मैम्बर अपना प्रश्न पूछने के लिए सदन में उपस्थित नहीं हैं । यहीं से इनकी सीरियसनैस का पता चलता है कि ये कितने सीरियस हैं । (विघ्न)

Providing of Sewerage in Kaithal City

*1252 **Shri Lila Ram :** Will the Chief Minister be pleased to State—

(a) whether there is any proposal under the consideration of the Government to provide sewerage in the remaining part of the Kaithal City; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be implemented?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा):

(क) जी हां, श्रीमान् ।

(ख) इसके लिए कोई समय सीमा निश्चित नहीं की जा सकती क्योंकि यह भारत सरकार द्वारा घग्गर एक्शन प्लान के अन्तर्गत योजना की स्वीकृति तथा धनराशि उपलब्ध करवाने पर निर्भर करता है ।

श्री लीला राम : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सी.पी.एस. महोदय से यह पूछना चाहूंगा कि हरियाणा सरकार ने सीवरेज व्यवस्था के लिए जो शहर में स्कीमें चलाई हैं उसमें घग्गर एक्शन प्लान के तहत किन-किन शहरों को लिया गया है । इसके साथ ही मैं यह भी जानना चाहता हूं कि यमुना एक्शन प्लान के तहत किन-किन शहरों को लिया गया है । इसके साथ ही

[श्री लीला राम]

जैसे बड़े शहरों में कैथल भी आता है तो उसके लिए घग्गर एक्शन प्लान के तहत क्या वहां की सीवरेज व्यवस्था के लिए विस्तृत योजना बनाकर सैन्टर गवर्नमैंट को भेजी गई है ।

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी की बात बिल्कुल ठीक है कि जिस प्रकार से यमुना की पवित्रता को बनाए रखने के लिए यमुना एक्शन प्लान बनाया गया है ठीक उसी तरह से घग्गर को साफ रखने के लिए जो उत्तरी सीमा में बहती है की पवित्रता को भी बनाए रखने के लिए घग्गर एक्शन प्लान बनाया गया है और यह इसकी सहायक नदियों की भी पवित्रता को बनाए रखेगा। जैसे टांगरी, मारकंडा, ओमला, बंगना, कौशल्या है। इसी प्रकार से इस पर बसे हुए 21 शहरों की योजना बना करके भारत सरकार को भेजी गई है। इस योजना में कालका, पिंजौर, पंचकूला, अम्बाला शहर, अम्बाला कैंट, नारायणगढ़, सढ़ौरा, बराड़ा, पेहवा गुहला चीका, कैथल, कलायत, नरवाना, जाखल, रतिया, फतेहाबाद, सिरसा, रानिया, ऐलनाबाद, शाहबाद हैं। इन शहरों की सीवरेज व्यवस्था को ठीक करने के लिए घग्गर एक्शन प्लान बनाया गया है और भारत सरकार को इसकी एप्रूवल के लिए भेजा गया है। इसके अलावा जिन शहरों की आबादी एक लाख से ऊपर है उसका एक एक्शन प्लान बनाकर राष्ट्रीय निधि संरक्षण निदेशालय की सलाह पर भारत सरकार को भेजा गया है। अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने जो विशेष तौर से कैथल शहर के बारे में पूछा है तो इस विषय में हमने पांच शहरों के बारे में प्रोजैक्ट बनाकर भारत सरकार को भेजा है यह अम्बाला शहर, अम्बाला छावनी, कैथल, नरवाना और सिरसा है। इस प्रोजैक्ट पर 225.19 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इस पर भारत सरकार की मंजूरी के बाद घग्गर एक्शन प्लान पर काम किया जाएगा। इसके साथ ही माननीय साथी ने यमुना एक्शन प्लान के बारे में भी पूछा है कि यमुना एक्शन प्लान के तहत किन-किन शहरों में काम किया गया है। स्पीकर सर, यमुना नगर, करनाल, पानीपत, सोनीपत, फरीदाबाद और गुड़गांव में काम किया गया है। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा और भी शहर हैं जिनके बारे में प्लान बना कर के भारत सरकार को भेजा गया है। अभी तक तो छः शहरों में काम हुआ है। इसी के साथ छछरौली, रादौर, इन्द्री, घरौंडा, गोहाना और पलवल की भी योजना बनाकर भारत सरकार को भेजी है क्योंकि ये भी यमुना के किनारे पड़ते हैं। इसके बारे में भी भारत सरकार कंसीडर करे।

डा० मालिक चन्द गंभीर : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि अभी सी०पी०एस० महोदय ने अपने जवाब में कहा है कि यमुना एक्शन प्लान के तहत यमुनानगर को भी शामिल किया गया है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस प्लान के तहत काफी काम हुए हैं लेकिन मैं आपके माध्यम से सी०पी०एस० महोदय से जानना चाहूंगा कि जो एरिया अभी तक वहां पर बच गया है क्या फर्दर उसके लिए भी सरकार के पास कोई और प्लान है ताकि उस बचे हुए एरिये को भी इस यमुना एक्शन प्लान के साथ जोड़ा जा सके ?

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर साहब, यमुना एक्शन प्लान के तहत पड़ने वाले एरियाज में काफी काम हुए हैं, माननीय साथी ने भी यह बात मानी है। यमुनानगर, जगाधरी, पानीपत, सोनीपत, फरीदाबाद आदि एरियाज में बचे हुए कार्य जारी हैं। जो बाकी का ऐस्टीमेट्स बचा था वह भी इन्हीं एरियाज की डिवैल्पमैंट पर खर्च किया जा रहा है।

श्री उदय भान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सी०पी०एस० महादेय से पूछना चाहूंगा कि यमुना एक्शन प्लान के तहत जिन शहरों का नाम जो अभी लिया है उसमें होडल का नाम

इन्होंने नहीं बोला है। ये बताएं कि क्या इस प्लान में होडल का नाम भी शामिल है या नहीं क्योंकि पहले हमें बताया गया था होडल का नाम भी इसमें जोड़ा गया है ?

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, होडल का नाम तो भारत सरकार को लिखकर भेज दिया गया था लेकिन अभी होडल के नाम को मंजूरी नहीं दी गयी है। भारत सरकार से हमारी इस बारे में खतोखिताबत हुई है।

श्री बन्ताराम बाल्मीकि: अध्यक्ष महोदय, यहां पर गेहूं के भाव बढ़ाने की बात आयी है, धान के भाव बढ़ाने की भी बात यहां पर हो चुकी है। मैं आपके माध्यम से सी०पी०एस० महोदय को बताना चाहूंगा कि हमारे रादौर क्षेत्र में से यमुना नदी गुजरती है। वहां के एरिये में जहां गन्ना पैदा होता है, जहां गेहूं पैदा होता है वहां हर साल सारी की सारी जमीन ही यमुना नदी के बहाव के कारण नष्ट हो जाती है। इसलिए यहां पर तो बात फसल की भी है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सी०पी०एस० महोदय से पूछना चाहता हूं कि इस तरह से जमीन के कटाव की रोकथाम के लिए क्या कोई वहां पर स्टड या दीवार बनाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ?

श्री अध्यक्ष : बन्ता राम जी, आप इसके लिए अलग से क्वैश्चन दे दें क्योंकि आपका यह सवाल मेन सवाल से रिलेटिड नहीं है। फिर भी अगर मंत्री जी इसके लिए तैयार हों तो ये इसका जवाब दे सकते हैं।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर साहब, पहले भी इस बारे में 34वीं फ्लड कंट्रोल बोर्ड की मीटिंग हुई थी और इससे पहले भी 33वीं मीटिंग फ्लड कंट्रोल बोर्ड की हुई थी। इन मीटिंग्ज में यमुना नदी के बहाव से जमीन के कटाव को रोकने के लिए वहां पर स्टड बनाने के लिए प्रोविजन किया गया है। मैं इनको बताना चाहूंगा कि पहले भी इस तरह के स्टड बनाये गये हैं। रादौर के साथ लगते हुए क्षेत्रों में जहां जहां जरूरत थी सर्वे करवाकर इस तरह के स्टड बनवाये गये हैं। इसके अलावा अगर माननीय साथी कहीं पर इस तरह से स्टड बनवाने के लिए हमें बताएंगे तो हम सर्वे करवा लेंगे। स्पीकर साहब, जैसा ये बता रहे हैं कि वहां पर यमुना नदी के बहाव से जमीन कट जाती है तो वास्तव में वहां पर पानी टकराता होगा लेकिन मैं इनको बताना चाहूंगा कि इस बहाव से जमीन को बचाने के लिए पर्याप्त प्रबन्ध किए जाएंगे।

डा० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सी०पी०एस० महोदय से जानना चाहूंगा कि डबवाली एवं कालांवाली मंडी के अंदर सीवरेज व्यवस्था सुधारने का क्या कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ?

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर साहब, यह स्पैसिफिक प्रश्न कैथल का था। डबवाली एवं कालांवाली के सीवरेज के मामले में ये अलग से नोटिस दे दें उसका जवाब दे दिया जाएगा।

श्री लीला राम : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सी०पी०एस० महोदय से जानना चाहूंगा कि अब तक कैथल शहर में सीवरेज व्यवस्था के सुधारने के लिए कितने काम हो चुके हैं और निकट भविष्य में जल्दी ही सरकार द्वारा क्या कोई और कार्य करने के लिए कैथल शहर में और पैसा लगाने की योजना है ?

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर साहब, कैथल शहर की जनगणना 2001 के मुताबिक 1,17,234 है और कैथल शहर में 42 किलोमीटर की सीवरेज लाईन बिछाई हुई है इस तरह से

[श्री राम पाल माजरा]

कैथल शहर में 63 प्रतिशत सीवरेज व्यवस्था है। इन्होंने जानना चाहा है कि और क्या काम वहां पर किए जा रहे हैं। मैं इनको बताना चाहूंगा कि कैथल शहर में सीवरेज सुधार और बढ़ोतरी के लिए अनुमानित 55.40 लाख रुपये की व्यवस्था की गयी है इसमें से 40.75 लाख रुपया खर्च करके 60 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया है। कैथल शहर की चिरंजीव एवं राजीव कालोनी में सीवरेज की सुविधा प्रदान करने के लिए 14.87 लाख रुपये का प्रावधान किया गया था जिसमें से 7.26 लाख रुपये खर्च करके 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। कैथल के नये माडल टाउन में सीवरेज व्यवस्था प्रदान करने के लिए अनुमानित लागत 25.40 लाख रुपये थी जिसमें 18.64 लाख रुपये खर्च करके 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

इसी प्रकार से कैथल नगर के नेहरू गार्डन में सीवरेज की सुविधायें प्रदान करने के लिए 26 लाख 17 हजार का ऐस्टीमेट था उसमें से 12 लाख 1 हजार रुपये खर्च करके 65 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। कैथल की ही बैंक कालोनी और रजनी कालोनी में सीवरेज सुविधायें प्रदान करने के लिए 13 लाख 97 हजार रुपये का ऐस्टीमेट था और 2 लाख 52 हजार रुपये खर्च करके 65 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। कैथल नगर में ही सुभाष नगर क्षेत्र में सीवरेज सुविधायें प्रदान करने के लिए 21 लाख 90 हजार रुपये का ऐस्टीमेट था उसमें से 3 लाख 99 हजार रुपये खर्च हुए हैं। इसी प्रकार से कैथल नगर के रामनगर में सीवरेज सुविधायें प्रदान करने लिए 6 लाख 50 हजार रुपये का ऐस्टीमेट था जिसमें से 4 लाख रुपया खर्च करके कार्य शुरू कर दिया गया है। कैथल नगर की बहुत सी गलियों में सीवरेज सुविधाये प्रदान करने के लिए 19 लाख 23 हजार का ऐस्टीमेट था उसमें से 19 लाख 6 हजार रुपये खर्च करके 75 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है। कैथल की अग्रवाल धर्मशाला के नजदीक सीवरेज सुविधायें प्रदान करने के लिए 4 लाख 5 हजार का ऐस्टीमेट था उसमें से 4 लाख रुपया खर्च करके 85 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया है। इस प्रकार से अब तक 1 करोड़ 88 लाख के ऐस्टीमेट में से 1 करोड़ 8 लाख रुपये खर्च करके बहुत सा कार्य किया गया है।

Providing of Sewerage in Ambala Cantt.

***1265. Shri Anil Vij :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to provide sewerage in the remaining part of the Ambala Cantt. Under Ghaggar Action Plan; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be materialized ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा) :

(क) जी हां, श्रीमान्।

(ख) इसके लिए कोई समय सीमा निश्चित नहीं की जा सकती क्योंकि यह योजना भारत सरकार द्वारा विचाराधीन है।

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, अभी पिछले क्वैश्चन में घग्गर एक्शन प्लान के अन्तर्गत ही सी०पी०एस० महोदय काफी विस्तार से जानकारी दे चुके हैं। मैं यह जानना चाहता हूं कि घग्गर

एक्शन प्लान के तहत अम्बाला छावनी के तहत जो योजना बनाई गई है वह कितनी राशि की बनाई गई है और क्या उसमें ट्रीटमैंट प्लांट लगाने की योजना शामिल है ?

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो यमुना एक्शन प्लान के बारे में बहुत सी बातें कह दी गई हैं। माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि अम्बाला छावनी के लिए 49.76 करोड़ रुपये का ऐस्टीमेट बनाकर के भारत सरकार को भेजा है। भारत सरकार के ऐडवाइजर्स और ऐक्सपर्ट्स ने कहा था कि जिन शहरों की जनसंख्या 1 लाख से ऊपर है उनको हम प्रायरिटि बेसिस पर इस वर्ष में मंजूरी देना चाहते हैं इसलिए विस्तृत रिपोर्ट भेजें, ऐस्टीमेट्स भेजें। उनके कहे मुताबिक पांच शहरों का विस्तृत ऐस्टीमेट बनाकर और प्रोजैक्ट बनाकर भारत सरकार को भेजा गया है। माननीय साथी ने ट्रीटमैंट प्लांट लगाने के बारे में पूछा है इसमें जहां पर ऐक्शन प्लान बनाया गया है उसको ध्यान में रखते हुए 354.35 करोड़ रुपये की पूर्व योजना जिसमें अवरोधन व दिशा परिवर्तन, सीवरेज, मल उपचार संयंत्र, अल्प लागत स्वच्छ शौचालय, लकड़ी पर आधारित उन्नत शव दाह गृह, ठोस उपशिष्ट उपचार प्रबंधन सोलिड वेस्ट मैनेजमैंट इत्यादि के कार्य शामिल हैं।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, सरकार इस योजना को परस्यू कर रही है, यह हरियाणा के लिए बहुत हर्ष का विषय है। मैं दूसरा प्रश्न यह पूछना चाहता हूं कि अंबाला छावनी जो कि हरियाणा का एक सबसे व्यवस्थित शहर है, के पुराने शहर में 20-25 वर्ष पूर्व एक सीवरेज योजना 1 करोड़ 60 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत की गई थी लेकिन आज तक भी वह पूरी तरह से फंक्शनल नहीं हो पाई है उसमें कई जगहों पर ब्रोकन लिंक्स जोड़े नहीं जा सके। लोग उस योजना की पूरी सुविधाओं का लाभ नहीं उठा सके। उसकी ब्रांच लाइन नहीं डाली गई है। सी०पी०एस० साहब 49.76 करोड़ रुपये की लागत से नयी योजना तो बना चुके हैं उसके लिए मैं उनका आभारी हूं लेकिन जो पुरानी योजना है वह कब तक पूरी कर ली जायेगी क्या उसके लिए किसी प्रकार के फंड्स की कोई एलोकेशन की गई है क्या कोई लोन वगैरह लेकर के उसको मौजूदा प्लान में पूरा किया जायेगा या फिर उसके लिए फरदर फण्ड एलोकेट किये जायेंगे ताकि लोग उसका पूरा फायदा उठा सकें। अगर सीवरेज डाला गया है तो लोग कनैक्शन भी लेना चाहते हैं जब तक उसकी ब्रान्च लाइनें नहीं डालेंगे और ब्रोकन लाइनें कनैक्ट नहीं करेंगे तब तक लोग उसका पूरा फायदा नहीं उठा सकते। क्या यह योजना सरकार के विचाराधीन है ?

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, अम्बाला छावनी की जनसंख्या 2001 की जनगणना के मुताबिक 106378 है। उसमें 32.50 किलोमीटर की सीवरेज लाईन बिछाई गई है। इस समय नगर के 40 प्रतिशत क्षेत्र में सीवरेज सुविधा उपलब्ध है। अम्बाला छावनी में उस समय मल निकास की सुविधा का 1,34,08,000/- रुपये का एस्टीमेट बनाया गया था। जिसमें से 1,36,32,000/- रुपये खर्च करके कार्य पूरा कर लिया गया है। इस बात को मध्यनजर रखते हुए जिस प्रकार यमुना एक्शन प्लान बनाई गई है उसी तर्ज पर घग्घर एक्शन प्लान बनाई गई है ताकि घग्घर के साथ लगते सारे शहरों को साफ-सुथरा रखा जा सके। इस योजना में अम्बाला छावनी और अम्बाला शहर को भी शामिल किया गया है। अगर भारत सरकार की मंजूरी मिल जाती है तो एस्टीमेट के मुताबिक सारे काम पूरे कर लिये जायेंगे। इसी प्रकार अम्बाला शहर के मॉडल टाउन के सीवरेज पर दस लाख रुपये के एस्टीमेट में से 3.40 लाख रुपये लगाकर उसमें से 30 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया है।

श्री अध्यक्ष : कृष्ण लाल पंवार।

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, (विघ्न)।

श्री अध्यक्ष : नहीं आप बैठिये, अब तो नाम बोल दिया है।

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, मेरा प्रश्न अधूरा रह गया है। मेरे कहने का मतलब यह है कि मौजूद स्कीम पूरी तरह से फंक्शनल नहीं हुई है। It is a welcome step to make it functional. मौजूदा स्कीम को फंक्शनल करना चाहिए, उसमें ब्रान्च लाईनें डालनी चाहिएं, ब्रोकन लाइनें डालकर उसमें से लिंक करके कनैक्शन जोड़ने चाहिएं। क्या इसके लिए इस योजना को पूरा करने का मामला सरकार के विचाराधीन है।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, वैसे तो जो प्रश्न था वह घग्घर एक्शन प्लान के बारे में था। अगर माननीय सदस्य को इसमें कुछ शार्टकमिंग लगती हैं तो ये अलग से लिखकर दे दें उनको ठीक करवा देंगे।

श्री कृष्ण लाल पंवार : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो मेरा प्रश्न इस प्रश्न से संबंधित नहीं है लेकिन मैं आपके माध्यम से माजरा जी से पूछना चाहता हूं कि असंध में 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत माननीय मुख्यमंत्री जी ने सीवरेज सिस्टम लगाने की घोषणा की थी। उसका क्राइटेरिया तो यह है कि जिस शहर में 125 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन जहां पानी उपलब्ध होता है वहां पर यह सिस्टम लगाया जाता है। लेकिन असन्ध में 75 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पानी उपलब्ध था लेकिन अब माननीय मुख्यमंत्री जी ने अढ़ाई करोड़ रुपये की लागत का एस्टीमेट लगाकर 125 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के हिसाब से पानी की उपलब्धता चालू कर दी है। मैं माजरा जी से पूछना चाहूंगा कि क्या असंध में सीवरेज सिस्टम लगाने की सरकार की कोई योजना है।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, वैसे तो माननीय सदस्य का प्रश्न घग्घर एक्शन प्लान से संबंधित था। लेकिन मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि उन्होंने असंध के बारे में स्पैशल तौर पर पूछा है। 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत जो प्रोग्राम अनांउस किए जाते हैं वे सभी प्राथमिकता के आधार पर पूरे किये जाते हैं। अगर असंध में 125 लीटर प्रति दिन प्रति व्यक्ति पानी उपलब्ध है तो वहां पर सीवरेज सिस्टम जरूर लगाया जायेगा।

श्री धर्मवीर सिंह : स्पीकर सर, सीवरेज के मामले में जहां-जहां सरकार तकरीबन करोड़ों रुपये खर्च करती है जैसे तोशाम, सीवानी और बवानीखेड़ा क्षेत्र में जो सीवरेज की लाईनें बिछाई गई हैं उनको कब तक चालू किया जायेगा।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, वैसे तो माननीय सदस्य विज साहब का प्रश्न घग्घर एक्शन प्लान से संबंधित था। लेकिन माननीय साथी ने जो प्रश्न पूछा है मैं उनको बताना चाहूंगा कि सरकार इस बात के प्रति कंसर्न है कि किसी भी तरह से इसको पूरा करवाया जायेगा।

श्री धर्मवीर सिंह : स्पीकर सर, यह तो कोई जवाब नहीं कि पूरा किया जायेगा। विशेष तौर पर कैसे और किस प्रकार से पैसे का प्रबन्ध करेंगे उसका जवाब दें।

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : अध्यक्ष महोदय, अन्डरटेकिंग भी देनी पड़ती है कि स्टेट गवर्नमैंट इसमें 30 परसैंट खर्च करे उसको हमने एग्री कर लिया है कि 30 परसैंट इस पर खर्च करने के लिए हम तैयार हैं इसलिए माननीय सदस्यों को मैं बताना चाहूंगा कि एक्शन प्लान मन्जूर होने के बाद जितने शहर आयें हैं पहले यमुना शहर हो रहा है उसके बाद बग्गर के शहर आ जायेंगे फिर टांगरी, मारकण्डा और सरस्वती आदि जितनी रिलीजियस रीवर्ज हैं उन सबके बारे में सरकार चिन्तित है कि कहीं से किसी भी प्लान के तहत पैसा लिया जा सके ताकि शहर सुन्दर बन सकें, सीवरेज सिस्टम अच्छा हो सके। हमारी जितनी रिलीजियस रीवर्स हैं वे अच्छी और सुन्दर हो सकें और उनमें किसी प्रकार का पोल्यूशन न आये। (शोर एवं व्यवधान) धर्मबीर जी, आपको तो पीने के पानी की चिंता है आपको सीवरेज वाली प्रोब्लम कहां से आ गई।

Centrally Sponsored Schemes

***1422 Shri Puran Singh Dabra :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether the State Government has incurred any expenditure under important Centrally Sponsored rural development scheme, like Jawahar Gram Samridhi Yojna, Employment Assurance Scheme, Indira Awaas Yojna and Sawarnjayanti Gram Swarozgar Yojna during the year 2001-2002; if so, the scheme-wise details thereof. Whether the State had received any additional assistance?

(b) whether it is a fact that the Haryana State is getting wheat free of cost from the Government of India during the period referred to in part 'a' above under Sampooran Grameen Rozgar Yojna (SGRY); if so, the district wise quantity allocated and utilized thereof ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा) :

(क) हाँ, श्रीमान् जी, वर्ष 2001-2002 के दौरान ऊपर उल्लिखित योजनाओं के अधीन हुए खर्च का ब्यौरा निम्न प्रकार है :—

योजना का नाम	वर्ष 2001-2002 के दौरान किया गया खर्च (रुपये लाखों में)
1. जवाहर ग्राम समृद्धि योजना	3006.33
2. सुनिश्चित रोजगार योजना	3148.04
3. इन्दिरा आवास योजना	1677.30
4. स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना	1480.58
कुल	9312.25

कथित वर्ष के दौरान इन योजनाओं के अधीन राज्य सरकार को 1604.88 लाख रुपये की अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता प्राप्त हुई थी। इसके आलावा वर्ष 2001-2002 के दौरान

[श्री राम पाल माजरा]

18000 मिट्रिक टन गेहूँ भी अतिरिक्त तौर पर आबंटित हुआ था।

(ख) हां, श्रीमान् जी। कथित वर्ष के दौरान इस योजना के तहत आबंटित की गई तथा उपयोग की गई मात्रा का ब्यौरा विवरणी, जो कि सदन के पटल पर रखी जाती है, में दिया गया है।

विवरणी

क्र०स०	जिला ग्रामीण विकास अभिकरण का नाम	वर्ष 2001-2002 के दौरान एस०जी०आर० वाई० के अन्तर्गत आबंटित कुल खाद्यान्न (मिट्रिक टन में)	वर्ष के दौरान उपयोग की गई मात्रा (मिट्रिक टन में)
1	2	3	4
1.	अम्बाला	3062	3062
2.	भिवानी	4999	4999
3.	फरीदाबाद	5110	5110
4.	फतेहाबाद	3154	3154
5.	गुड़गांव	5909	5881
6.	हिसार	3975	3975
7.	झज्जर	4198	4198
8.	जीन्द	4259	4259
9.	कैथल	3194	3194
10.	करनाल	3417	3417
11.	कुरुक्षेत्र	2214	2214
12.	नारनौल (महेन्द्रगढ़)	2942	2942
13.	पंचकूला	2251	2251
14.	पानीपत	2789	2789
15.	रिवाड़ी	3080	3080
16.	रोहतक	4703	4655

1	2	3	4
17.	सिरसा	4134	4134
18.	सोनीपत	3992	3992
19.	यमुनानगर	3436	3436
	कुल	70818	70742

श्री पूर्ण सिंह डाबड़ा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महादेय से जानना चाहूँगा कि इस योजना के तहत कितने लोगों ने इसका लाभ उठाया है और क्या इसके अलावा भी सरकार केन्द्र से और पैसा लेने के प्रयास कर रही है।

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, सरकार ने पूरे प्रयास किये हैं कि केन्द्र सरकार से इन योजनाओं के तहत ज्यादा से ज्यादा पैसा मिल सके बल्कि हरियाणा सरकार के मुख्यमंत्री के सुझाव पर ही जो पुरानी योजना थी 'काम के बदले अनाज की योजना' उस योजना को स्वरोजगार योजना के रूप में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला के सुझाव को भारत सरकार ने माना और इस योजना को सरकार ने नये सिरे से 'स्वरोजगार योजना' के रूप में शुरु किया। जहां तक मेरे माननीय साथी ने जानना चाहा है कि कितने लोगों को इसमें काम मिला, इन स्कीमों के तहत ज्यादा से ज्यादा रोजगार सुनिश्चित करने की व्यवस्था की जाती है। जिसमें कार्य दिवस ई०ए०एस० के तहत पूरा विवरण जिलावार इस तालिका में दिया गया है जो निम्न प्रकार है :—

तालिका

जिला	जे०जी०एस०वाई० (कार्य-दिवस लाखों में)	ई०ए०एस० (कार्य-दिवस लाखों में)	आई०ए०वाई० (निर्मित एवं सुधारीकृत मकानों की संख्या)	एस०जी०एस०वाई० (सहायता प्राप्त लाभार्थियों की संख्या)
1 2	3	4	5	6
1. अम्बाला	1.44	1.41	860	459
2. भिवानी	3.75	4.70	756	1687
3. फरीदाबाद	3.81	4.72	719	597
4. फतेहाबाद	2.09	2.90	280	548
5. गुड़गांव	4.61	5.54	523	1405
6. हिसार	2.87	3.46	704	1303
7. झज्जर	3.39	3.33	197	849
8. जींद	3.29	3.37	359	854

[श्री राम पाल माजरा]

1	2	3	4	5	6
9.	कैथल	2.60	2.81	374	588
10.	करनाल	2.17	3.14	645	694
11.	कुरुक्षेत्र	1.60	1.88	591	582
12.	महेन्द्रगढ़	2.39	2.49	278	562
13.	पंचकूला	0.78	2.03	118	420
14.	पानीपत	2.07	2.39	462	444
15.	रिवाड़ी	2.25	2.72	418	796
16.	रोहतक	0.99	1.41	500	574
17.	सिरसा	3.00	3.28	711	1343
18.	सोनीपत	3.33	3.24	229	776
19.	यमुनानगर	2.41	3.12	1115	366
	कुल	48.84	57.94	9839	14847

चौ० भजन लाल : स्पीकर सर, इनको इतनी लम्बी लिस्ट पढ़ने की क्या जरूरत है। हम इसको वैसे ही पढ़ा हुआ मान लेते ।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, मैं विपक्ष के साथियों को बताना चाहूंगा कि ये गरीबों के मकान बन रहे हैं। इन योजनाओं से गरीब लोग लाभान्वित हो रहे हैं, गरीबों को सुनिश्चित लाभ मिल रहा है। लेकिन मेरे विपक्ष के भाईयों के पेट में यूं ही दर्द हो रहा है क्योंकि इन्होंने तो कभी गरीबों की भलाई के लिए कोई कार्य किए नहीं। स्पीकर सर, ये कहते हैं कि इतना लम्बा चौड़ा जवाब दिया अगर हम किसी प्रश्न का जवाब कम देते हैं तो फिर ये कहते हैं कि प्रश्न का पूरा जवाब नहीं आया और जब पूरा जवाब देते हैं तो ये कहते हैं कि लम्बा चौड़ा जवाब दे दिया। मेरी समझ में नहीं आता कि ये क्या चाहते हैं ?

10.00 बजे **श्री राजेन्द्र सिंह बिसला :** अध्यक्ष महोदय, अभी जो पूरा विवरण माजरा साहब ने सदन को दिया और बताया कि जवाहर ग्राम समृद्धि योजना, सुनिश्चित रोजगार योजना, इन्दिरा आवास योजना और स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना के तहत जो अनाज बांटा गया है। इस बारे में मेरा कहना है कि इसमें कई योजनाएं ऐसी हैं कि कोई व्यक्ति इन्टाइटल तब होता है यानि उसको साबित करना होता है कि वह बिलो पावर्टी लाईन है। इस बारे में हमारा यह अनुभव है कि यह बिलो पावर्टी लाईन यानि गरीब लोगों के लिए खासतौर पर फरीदाबाद जिले में लापरवाही से या जल्दी में जो पीले कार्डस बनाए गए थे। वे ठीक नहीं बन पाये यानि वास्तव में जो हकदार हैं उनके पीले कार्ड नहीं बनाये गये। जैसे इन्दिरा आवास स्कीम है या दूसरी स्कीम उसके तहत गरीब आदमी के लिए कमरा बन जाता है लेकिन यह कमरा तभी बन पावेगा जब वह गरीब है, लैण्ड लैस है और उसके पास कुछ भी न हो लेकिन प्रशासन यह कहता है कि आपके पास पीला कार्ड नहीं है इसलिए कमरा नहीं बनाया जा सकता। मेरा आपसे निवेदन है कि क्या आदरणीय माजरा साहब प्रशासन को आदेश देंगे कि वे अतिशीघ्र पीले कार्डस मैरिट के आधार पर दुबारा बनवाएंगे ताकि गरीब व्यक्ति को

लाभ मिल सके। हरियाणा में काम के बदले अनाज स्कीम जो बहुत अच्छी साबित हुई है और विशेषकर गांवों के अन्दर गरीब आदमी को, मजदूरों को बड़ा भारी काम मिला है और रोजी-रोटी मिली है। गांवों के लोग अब भी हमारे पास आते हैं कि आप सरकार से और आदरणीय मुख्यमंत्री से निवेदन करें कि इस स्कीम के तहत काम करवायें ताकि ज्यादा से ज्यादा अनाज मिल सके जिससे गरीब आदमी को रोजगार मिल सके ताकि तालाब खोदे जा सकें, कहीं पर मिट्टी पड़ सके और दूसरे काम हो सकें। क्या आदरणीय माजरा साहब सदन को विश्वास दिलाएंगे कि इस पर अतिशीघ्र कार्यवाही होगी।

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, बिसला जी का प्रश्न बहुत बढ़िया प्रश्न है। बिलो पावर्टी लाईन के जो कार्डस बने हैं हम यह मानते हैं कि वे ठीक नहीं बने लेकिन यह हमारे अधिकार क्षेत्र से बाहर की बात है और अनाधिकार चेष्टा करना उपयुक्त नहीं है । जो नार्म्ज केन्द्र सरकार ने तय किये हैं उसके मुताबिक जहां किसी घर में एक बल्ब भी हो तो उसको उसका फायदा नहीं मिल सकता। अब चूंकि तमाम हरियाणा इलैक्ट्रिफाई हुआ है तो मैं नहीं समझता कि शायद कोई घर ऐसा हो जिसमें बिजली न हो। केन्द्र सरकार की योजना के तहत अगर किसी का एक भी पक्का मकान है तो वह इस स्कीम के तहत नहीं आता यानि नार्म्ज इस किस्म के बने हुए हैं जिसकी वजह से मुश्तक लोग भी उससे लाभान्वित न हो पायें लेकिन हम फिर भी प्रयास कर रहे हैं और इसके लिए हम सर्वे करवा रहे हैं और एक रैज्योल्यूशन भेज रहे हैं ताकि इसमें कोई ऐसी सुविधा दी जाये ताकि जो सही मायनों में मुश्तक लोग हैं वे लाभान्वित हो सकें। दूसरा जो प्रश्न है काम के बदले अनाज की योजना का इस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि देश में अन्न के जो भण्डार भरे पड़े हैं इसके लिए हमने निरंतर प्रयास करके केन्द्रीय सरकार को इस बात के लिए मनाया कि इस अनाज का सही उपयोग हो सके क्योंकि विदेशी खरीददार इस अनाज के कम थे और कुछ अरसे के बाद यह खराब भी हो सकता था। इसके फैंकने पर और पैसा लगता तो हमारे इस सुझाव को केन्द्र सरकार ने माना । मुझे प्रसन्नता है कि केन्द्रीय सरकार ने इस बात को मानकर यह अनाज प्रादेशिक स्तर पर लोगों को बांटा। आपको सुनकर यह भी प्रसन्नता होगी कि इसका हमने ज्यादा से ज्यादा उपयोग किया और 90.7 परसेंट तक इसमें हम कामयाब भी हुए ।

इस योजना के तहत जो अनाज मिला था उसके बदले में काम करवाने में हरियाणा पूरे हिन्दुस्तान में सब से पहले नम्बर पर है और इस मामले में हम और प्रयास कर रहे हैं कि ज्यादा से ज्यादा अनाज हमें मिले। इस स्कीम के तहत रिंग बांधों की मुरम्मत करवाई है, रास्ते ठीक करवाएं हैं और गांवों में जोहड़ खुदवाए हैं ताकि पानी रिचार्ज हो। जो नीची जगह है, जैसे स्कूल पानी से भर जाते हैं उनमें भी मिट्टी भरवाने का काम किया है। गांवों में जो पुराने गन्दे जोहड़ हैं आबादी बढ़ने की वजह से वे गांवों के बीच में आ गए हैं जिससे उनमें मक्खी-मच्छर वगैरा पैदा होते हैं और बीमारी फैलती है, हमने उन जोहड़ों को भी फूड फोर वर्क के तहत नये जोहड़ खुदवा कर उनमें मिट्टी की भरती करवा के गांवों में अच्छे पार्क बनवाने का काम किया है ताकि लोग उनमें बैठकर मनोरंजन के अपने कुछ क्षण बिता सकें। (विघ्न)

तारांकित प्रश्न संख्या : 1457

(यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि माननीय सदस्य श्री कंवर पाल इस समय सदन में उपस्थित नहीं थे।)

तारांकित प्रश्न संख्या - 1262

(यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि माननीय सदस्य श्री जरनैल सिंह इस समय सदन में उपस्थित नहीं थे।)

Opening of Engineering College in Badhra/Charkhi Dadri

***1442. Shri Ranbir Singh,** : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open any Technical Institution or Engineering College in Badhra and Charkhi Dadri ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा) : नहीं, श्रीमान जी, बाढड़ा या चरखी दादरी में तकनीकी संस्थान या इंजीनियरिंग कालेज खोलने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।

श्री रणबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, दादरी उप-मण्डल पूरे प्रदेश में सबसे बड़ा उपमण्डल है और सरकार की नई शिक्षा नीति के तहत 'स्वरोजगार योजना' के तहत शिक्षा नीति जारी की है। मैं माननीय मुख्य संसदीय सचिव महोदय से यह जानना चाहूंगा कि सरकार भविष्य में नई शिक्षा नीति के तहत रोजगारोन्मुखी शिक्षा के लिए सबसे बड़े उप मण्डल में क्या सरकार कोई आई०टी०आई० या इन्जीनियरिंग कॉलेज खोलने के बारे में सोचेगी ?

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, जहां तक भिवानी जिले का ताल्लुक है, भिवानी जिले में पहले से ही दो कॉलेज हैं। एक तो सब-इन्जीनियरिंग कॉलेज जिला भिवानी में है और इसी प्रकार टी०आई०टी०एम०एस०कॉलेज भिवानी और बी०आर०सी०कॉलेज ऑफ टैक्नोलोजी ग्राम बहल में पहले से ही है। इसी प्रकार से लोहारु में एक पोलिटैक्निक कॉलेज है और एक अन्य चीज हमारी सरकार ने दी है 'महाराणा प्रताप चैरिटेबल ट्रस्ट भिवानी'। इस प्रकार से स्पीकर सर, ये कॉलेजिज भिवानी जिले में पहले से ही हैं। हरियाणा प्रदेश में पोलिटैक्निक या इंजीरिंयग कॉलेज पहले ही काफी खुले हुए हैं उन्हीं कॉलेजों को व्यवस्थित ढंग से चलाना उन्हीं में क्वालिटी ऑफ एजुकेशन ठीक प्रकार से उपलब्ध करवाना हमारा मुख्य उद्देश्य है, क्योंकि पिछले दिनों हमारी जितनी भी सीट्स थीं उनमें से काफी सीट्स खाली रह गई थीं। कॉलेजों में 9953 तथा पोलिटैक्निक कालेजों में 6442 सीट्स हैं और कॉलेजों में करीब 1500 सीट्स खाली रह गई थीं। इसी वजह से स्पीकर सर जो कॉलेज एग्जिस्ट करते हैं उन्ही में क्वालिटी ऑफ एजुकेशन इम्प्रुव करने पर इम्फेसाईज है।

श्री भगवान सहाय रावत : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मन्त्री जी को बधाई देना चाहूंगा कि उन्होंने इन्फर्मेशन एण्ड टैक्नोलोजी तथा कम्प्यूटर इन्जीनियरिंग के दो नये कोर्सिज शुरु किए हैं वहीं पर उन्होंने मेवात में 15 करोड़ रुपये की लागत से तैयार पोलिटैक्निक कॉलेज खाली पड़ा था और वहां पर नये ट्रेडज नहीं थे। अब वहां पर आदरणीय मुख्य मन्त्री जी ने अगस्त, 2001 में इन्फर्मेशन टैक्नोलोजी तथा कम्प्यूटर इन्जीनियरिंग के कोर्सिज शुरू कर दिए हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं इसके लिए बधाई देते हुए आदरणीय मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करुंगा कि वहां पर उपलब्ध इन्फ्रास्ट्रक्चर को ध्यान में रख कर वहां पर स्टाफ भी लगाएं क्योंकि वहां पर स्टाफ की कमी है जैसे कम्प्यूटर इन्जीनियरिंग में वहां पर केवल एक लैक्चरर है। वहां पर

एच०ओ०डी० की दो पोस्ट्स, सीनियर लैक्चरर की दो पोस्टस, लैक्चरर की चार-चार, प्रोग्रामर्ज, टैक्नीशियन, लैब असिसटैंट और भी कई पोस्ट्स खाली हैं क्या उनको भरने के लिए यह सरकार विचार करेगी ताकि वहां जो आधारभूत ढांचा है और आदरणीय मुख्यमंत्री जी द्वारा नई कोशिश शुरु की गई है उससे बच्चे इन पदों के भरने से लाभान्वित हो सकें।

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, यह स्पेसिफिक प्रश्न दादरी में टैक्नीकल कालेज खोलने के बारे में था। लेकिन मेरे साथी ने स्टाफ की कमी को पूरा करने के बारे में प्रश्न पूछा है। इस बारे में मैंने पहले भी कहा था कि हम शिक्षा के अन्दर इंजीनियरिंग कॉलेज के अन्दर, पोलिटैक्निक के अन्दर क्वालिटी एजुकेशन को तभी ठीक तरह कर सकेंगे जहां पर अध्यापक होंगे और लैक्चरर होंगे। उसको एम्फेसाईज किया गया है कि पहले इस तरह का इन्फ्रास्ट्रक्चर दिया जाए तब जाकर के क्वालिटी ऑफ एजुकेशन सुधरेगी। अत्याधिक कालेजिज़ खोलने से वह ठीक ढंग से न चले और वहां पर उनके लिए कोई सुविधा न हो इस बात के लिए सरकार बहुत कंसर्न्ड है। मेरे साथी ने विशेष तौर से जो कहा है उस को प्रक्रिया के आधार पर पूरा कर दिया जाएगा।

Solving of Salinity and Flood Problem

***1357. Shri Balbir Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to remove salinity and flood problem in Central Haryana where water remained stagnant for long during floods of 1995 and 1998 ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा) : हां, श्रीमान जी।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय माजरा साहब से सवाल पूछना चाहूंगा कि हमारे क्षेत्र में जो कई ब्रांचिज़ हैं, मुख्य नहरें हैं उनके साथ-साथ एक-एक और डेढ़-डेढ़ किलोमीटर तक सेम है। उस सेम के होने की वजह से वहां पर किसान लगातार काफी समय से बिजाई नहीं कर सकते हैं। क्या सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन है कि जहां पर सेम है वहां पर ट्यूबवैल लगाकर पानी निकाला जाए और उसको नहरों में डालकर आगे भेजा जाए। इससे हमारे इलाके में सेम की समस्या खत्म होगी और आगे के लोग जो बिना पानी के हैं उनको पानी मिल जाएगा।

अध्यक्ष महोदय, मेरा दूसरा प्रश्न है कि 1995 और 1998 में सबसे ज्यादा बाढ़ से नुक्सान हमारे इलाके को हुआ है। एक-एक, डेढ़-डेढ़ साल पानी खेतों में खड़ा रहा जिसकी वजह से वहां पर खेती नहीं हो पाई। जहां पर पानी खड़ा था, क्या सरकार ने वहां पर कोई लिंक ड्रेन बनाने की योजना बनाई है। अगर ऐसी कोई योजना बनाई है तो यह कब तक बन कर तैयार हो जाएगी।

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि कुछ ड्रेनज पहले बनाई गई थीं, जो प्राकृतिक बहाव में नहीं थीं। सरकार ने इस प्रकार का सर्वे करके प्राकृतिक बहाव में ड्रेनें खोद करके उस पानी को निकालने का प्रयास किया है, जो हमारे लिए बहुत दयनीय परिस्थितियां पैदा करती थीं। ठीक इसी प्रकार से मेरे साथी ने पूछना चाहा है कि क्या इस बारे में सरकार की तरफ से कोई योजनाएं बनाई गई हैं। मैं इनको कहना चाहूंगा कि इस मामले में सरकार बहुत कन्सर्न्ड

[श्री राम पाल माजरा]

है। बास और हांसी बहुउद्देशीय चैनल नामक योजना तैयार की गई है और वह हिसार घग्गर बहुउद्देशीय चैनल में गिर जाएगी। सरकार द्वारा यह स्वीकृति दी जा चुकी है। सेम और जलमग्न के कारण जो फसलों को हानि पहुंची है, आबादी भयभीत रहती है, इस स्कीम की वजह से उनकी इन समस्याओं से उनको निजात मिलेगी। इसी प्रकार से सफीदों के क्षेत्र में बाढ़ से जलमग्नता की समस्या हेतु निजामपुर, भैरों खेड़ा, रामपली ड्रेन, मतौली टेला ड्रेन नामक दो योजनाएं हैं जिनसे इनके क्षेत्र को जोड़ने का प्रस्ताव रखा गया है। वर्तमान में पानी सुन्दर सब-ब्रांच में डाला जाता है, इसे बास हांसी बहुउद्देशीय चैनल में जोड़ा जाएगा। परिणाम-स्वरूप प्राकृतिक बहाव में वहां से पानी निकाला जाएगा और उनको उससे निजात मिलेगी । स्पीकर सर, मेरे साथी ने यह भी जानना चाहा है कि उनका क्षेत्र जो कटोरे की तरह था विशेष तौर से तबाही और बर्बादी रही है उसके लिए पूरे क्षेत्र का सर्वे किया जाएगा। उसके लिए इस प्रकार की योजना बनाई गई है जिनके द्वारा इनके क्षेत्र में निजामपुर भैरों खेड़ा-रामपली ड्रेन, मतौली-टेला ड्रेन और जिसके ऊपर स्पीकर साहब, बास और हांसी बहुद्देशीय चैनल है इससे 34 गांव लाभान्वित होंगे। ये गांव हैं बराड खेड़ा, ईगरा, जामुनी, कानी खेड़ा, बास, खरबला, सीसर, मोहला, बडछापर, रोशन खेड़ा, गढ़ी सोरखी, मेंहन्दा, बडसी, दुरजनपुर, सज्जनपुर, अलखपुरा, थुराना, उमरा, बडाला, थन्देहरी, थपाना, लाडवा, नारनौंद, माजरा खेड़ा, सुलचनी, गुज्जरबाडा, माढा, लालपुरा, ढाणी गुलबपुर, मयार और कालवा-किनाना ड्रेन के साथ लगते क्षेत्र के गांव हैं। इसी प्रकार से दूसरी जो हिसार घग्गर ड्रेन की स्कीम बनायी है उससे भी इतने ही गांव लाभान्वित होंगे। ये गांव हैं- मिरकां, कैम्भरी, डाबडा, गंगवा, आर्य नगर, शाहपुर, लुदास, भिंगनी खेड़ा, सलेमगढ़, सिसवाल, कावरेल, बगला, मोहब्बतपुर, दड़ौली, चूली बागड़ियां, न्योली खुर्द, हिंदवान, लाडवी, खाबडा खुर्द, चूली खुर्द, गदली, दड़बी कलां, जोगीवाला, थुलान शाहकरम, रामपुर बाग, तुरकावाली, लुडेसर, रिंढाना, बरकीवाली, दुरका, गुडियाखेड़ा, माधो सिंघाना, लियाल, रामपुरा, राजपुरा और रंगोई खरीफ चैनल के साथ लगने वाले गांव। इसी प्रकार से जिला जींद के बारे में भी मैंने बताया है। जिला जींद के श्यामलो कलां, भैरों और रामकली तथा जिला सोनीपत के निजामपुर भैरों, मतौली, जय जयवन्ती, खेड़ा, भक्ता, झनोसला एवं करेला आदि गांव भी लाभान्वित होंगे। अध्यक्ष महोदय, मेरे साथी ने यह भी जानना चाहा है कि कुछ और ड्रेन्ज के बारे में भी बताया जाए। मैं उनको बताना चाहूंगा कि महम लाखन माजरा ड्रेन का गांव धनाना तक जहां से वर्तमान में पानी को पम्पों से उठाकर भिवानी सब ब्रान्च में निकाला जाता है, विस्तार किया जाएगा और विस्तार के उपरान्त प्राकृतिक बहाव से जल निकासी की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी जिससे जलमग्नता की समस्या को खत्म किया जा सकेगा। इसी तरह से रोहतक व साथ लगते क्षेत्र के लिए एक सम्पर्क ड्रेन का निर्माण किया गया है जो ड्रेन नं० 8 में पानी ले जाएगी। बोर्डर क्षेत्र का ध्यान रखने के लिए खेडी साध ड्रेन का विस्तार और पाकसमा सम्पर्क ड्रेन का पुनर्वास किया जा रहा है जोकि अतिरिक्त ड्रेन के माध्यम से यमुना नदी में गिरेगी । अध्यक्ष महोदय, मेरे साथी ने लवणता तथा बाढ़ की समस्या से निपटने के लिए पिछले तीन वर्षों के बारे में यह भी जानना चाहा है कि कितनी और स्कीम्ज बनायी गयी है मैं उनको बताना चाहूंगा कि रोढी घग्गर ड्रेन की आर०डी० 62243 से लेकर 130750 टेल तक का पुनर्वास किया गया है जिस पर 57.32 लाख रुपये खर्च हुए हैं, सुरतीया सब लिंक ड्रेन नं० 1,2,3 का निर्माण करना और सुरतीया लिंक ड्रेन की आर०डी० 0 से लेकर 75000 तक का पुनर्वास किया गया है जिस पर 21.07 लाख रुपये खर्च किये गये हैं, रोढी घग्गर ड्रेन की आर०डी० 0 से लेकर

130750 का आधुनिकीकरण किया गया है जिस पर 38.65 लाख रुपये खर्च हुए हैं, दडवा घग्गर ड्रेन की आर०डी० 0 से लेकर 109000 तक का निर्माण किया गया है जिस पर 515.85 लाख रुपये खर्च हुए हैं, दड़बा ड्रेन जो बारूवाली डिस्ट्रीब्यूटरी में आर०डी० 28897 दाएं पर गिरेगी, का निर्माण किया गया है जिस पर 3.02 लाख रुपये खर्च किये गये हैं, हिसार ड्रेन पर अतिरिक्त आउटफाल प्रदान करने के लिए और आर.डी 23900 से बाएं पर कबीर माईनर से जोड़ने पर 13.37 लाख रुपया खर्च किया गया है, बास खरबला ड्रेन आर०डी० 0 से लेकर 21 तक जो सुन्दर सब ब्रान्च की आर०डी० 157 दाएं पर गिरेगी, पर 96.36 लाख रुपया खर्च किया गया है, डिच ड्रेन की आर०डी० 23,37,44,47 सिवानी फीडर जो न्यू सिवानी फीडर की आर०डी० 37000 बाएं गिरेगी, को बनाया गया है, गांव खाण्डा में साईफन ड्रेन के निर्माण पर 5.22 लाख रुपये खर्च किये गये हैं, पेटवाड़ डिस्ट्रीब्यूटरी की आर०डी० 107 से 112 तक के समानान्तर डिच ड्रेन को डिजाईन में लाने के लिए जो पेटवाड़ डिस्ट्रीब्यूटरी की आर०डी० 112 पर गिरेगी, के निर्माण पर 3.98 लाख रुपये खर्च किये गये हैं, ककराला इनियात लिंक ड्रेन की आर०डी० 0 से 16900 तक के निर्माण पर 9 लाख रुपये खर्च हुए हैं, गांव गोरखपुर में पैरीफेरी ड्रेन जोकि फतेहाबाद ब्रान्च की आर०डी० 139258 बाएं पर गिरेगी, के निर्माण पर 3.23 लाख रुपये खर्च किए गए हैं, गोकलगढ़ ड्रेन के निर्माण पर 1.46 लाख रुपये खर्च किये गये हैं, जोधा नाला की आर०डी० 0 से लेकर 30700 तक की क्षमता को बढ़ाने के लिए 19.66 लाख रुपये खर्च किये गये हैं। महेश नगर ड्रेन की आर०डी० 48 हजार दायें से लिंक ड्रेन 0 से 2540 तक का निर्माण करने में 53 लाख 50 हजार रुपये खर्च हुए। इसी तरह से नारनौंद लिंक ड्रेन का पुनर्वास करने में 7 लाख 37 हजार रुपये खर्च हुए इसके अतिरिक्त किरधान आर०डी० 0 से 1000 तक लिंक ड्रेन का निर्माण करने में 20 लाख 55 हजार रुपये खर्च हुए। भट्ठू ड्रेन के निर्माण पर 0 से लेकर 8 हजार तक का निर्माण करने में 36 लाख 62 हजार रुपये खर्च हुए। सरहिन्द चो ड्रेन 0 से 8200 तक तल के डिजाइन के अनुरूप करने में 6.97 लाख रुपये खर्च हुए हैं। इसके अलावा उगीनल ड्रेन को डिजाइन के अनुरूप लाने में 47.54 लाख रुपये खर्च हुए हैं। बलियाना लिंक ड्रेन का 0 से लेकर 18 हजार 850 तक का निर्माण हुआ है और इस पर 29 लाख 17 हजार रुपये खर्च हुए हैं। महम लाखनमाजरा ड्रेन पर 23 लाख 17 हजार रुपये खर्च हुए हैं। रोहतक लिंक ड्रेन पर 1 करोड़ 60 लाख 13 हजार रुपये खर्च हुए हैं पुण्डरी ड्रेन नं.1 आर०डी० 55 हजार से 89 हजार तक अमीन ड्रेन में गिरेगी उसके निर्माण पर 1 करोड़ 25 लाख 25 हजार रुपये खर्च हुए हैं। इसी प्रकार कोला खां लिंक ड्रेन जो भाना ब्राह्मण 18 हजार दायें पर गिरेगी उसका निर्माण (शोर एवं व्यवधान) 6 करोड़ 10 लाख रुपये में हुआ है। धंदोरी लिंक ड्रेन का आर०डी० 0 से 2000 तक का निर्माण करने पर 1 करोड़ 30 लाख रुपये खर्च हुए । किशोरपुर लिंक ड्रेन का आर०डी० 0 से 5000 तक निर्माण करने पर 23 करोड़ 48 लाख रुपये खर्च हुए हैं। (विघ्न)

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, जो इनसे पूछा जाता है वह तो बताते नहीं हैं और ये यहां फिगर्ज देकर सदन का समय नष्ट कर रहे हैं । हम मानते हैं कि ये काबिल वजीर हैं लेकिन जो सवाल पूछा जाए उसका भी जवाब देना चाहिए।

श्री राम पाल माजरा : जो जो स्कीमें बनाई हैं मैं वही तो बता रहा हूं।

वित्त मंत्री (प्रो० संपत सिंह) : क्या क्या काम सरकार ने किए हैं यह सुनकर इनको तकलीफ हो रही है।

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, मुझे मेरे सम्मानित दोस्तों पर बड़ा तरस आता है कि न तो ये प्रश्न पूछते हैं और न उत्तर सुनते हैं एक सवाल आज सुबह इनका था, उसमें ये व इनके साथी पहुंचे नहीं। प्रश्न पूछते नहीं हैं। सप्लीमैंट्री पूछना जानते नहीं हैं। जवाब कोई दे वह इनकी सुनने की क्षमता नहीं है। विकास के काम जो हुए हैं अगर उनकी उपलब्धियों का ब्यौरा कोई गिनाए तो इनको उसमें पीड़ा होती है। अध्यक्ष महोदय, आपकी फिराखदिली की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है कि आपने गवर्नर महोदय के अभिभाषण पर इनको खुले मन से खुलकर बोलने का अवसर दिया लेकिन विपक्ष का नेता यह कहकर के चला जाए कि मैं नहीं बोलूंगा इससे ज्यादा और शर्म की बात क्या हो सकती है। विपक्ष के नेता को तो बोलना चाहिए।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : मैं तो बजट पर बोलूंगा। विपक्ष के नेता होने के नाते मेरी जिम्मेदारी बनती है कि किसको बुलवाना है किसको किस पर बुलवाना है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : इस पर बोलने में क्या दिक्कत थी। आप इस सदन के सम्मानित सदस्य हैं और दुर्भाग्य से विपक्ष के नेता भी हैं। लेकिन यह अधिकार स्पीकर का है। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि **********

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश की कोई बात रिकार्ड न की जाए। (शोर एवं व्यवधान) आप लोग बैठ जाएं। सभी सदस्यों से मेरी प्रार्थना है कि बैठ जाएं। (शोर) सदन की मर्यादा बनाये रखें अदरवाईज मुझे कोई एक्शन लेना पड़ेगा। (विघ्न)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, हमारा भी बोलने का अधिकार है।

श्री अध्यक्ष : यह कोई पोलिटीकल स्टेज नहीं है आप बैठ जाइये। आपके मैम्बर्ज तो आपकी बात मानते नहीं हैं आप खुद तो बैठ गये लेकिन उनको भी तो समझाइये। आप बैठ जाइये।

चौ० जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, यह कोई बात हुई। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये मेरी बात से शत-प्रतिशत सहमत हैं कि अगर चौधरी भजन लाल जी विपक्ष के नेता के तौर पर इस्तीफा नहीं देते, अगर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष नहीं बनते, तो दुर्भाग्य से ये विपक्ष के नेता नहीं बनते। यह असलियत है ये क्यों नहीं मान रहे।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, हमारा भी बोलने का अधिकार है। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो इनकी पार्टी का आंतरिक मामला है मुझे कोई दखल देने की अनथक चेष्टा नहीं है। लेकिन यह तथ्य से प्रेरित है कि विपक्ष के नेता के चुनाव के समय वोटिंग में चौधरी भजन लाल जी को वोट ज्यादा मिले और हुड्डा साहब रह गये थे। चौधरी भजन लाल जी ने इस्तीफा दे दिया और हुड्डा साहब का दाव लग गया ये बदकिस्मती से या दुर्भाग्य से है या कैसे है, ये पता नहीं ये सही बात को मानते क्यों नहीं। (विघ्न)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, ये किस वास्ते बैठे हैं ये विकास के लिए बैठे हैं। (विघ्न) यह हमारी पार्टी का आंतरिक मामला है।

श्री अध्यक्ष : बैठ जाईये, किसी की कोई बात रिकार्ड न की जाये। (विघ्न)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, कैप्टन की तकलीफ तो जायज है कि जब नेता ने इस्तीफा दिया तो उप-नेता का नम्बर आना चाहिए था। इन दूसरों को क्या तकलीफ हो रही है। अगर इनका आंतरिक मामला है तो ये मानते क्यों नहीं । (विघ्न)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, ****

श्री अध्यक्ष : बैठ जाईये, किसी की कोई बात रिकार्ड न की जाये। (विघ्न) माजरा साहब, आप कंटीन्यू कीजिए।

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, शेखपुरा लिंक ड्रेन का आर०डी० 0 से 2100 तक निर्माणकरना 3.63 लाख रुपये, भटगांव नकलोई लिंक ड्रेन का आर०डी० 0 से 1100 तक निर्माण करना 0.29 लाख रुपये, माहरा ड्रेन का आर०डी० 67000 से 68250 तक विस्तार करना 11.20 लाख रुपये, बी.एस.बी. के साथ डिच ड्रेन का निर्माण करना 7.11 लाख रुपये, लाखन माजरा ड्रेन का आर०डी० 1196000 से 136000 तक विस्तार करना 53.91 लाख रुपये, नन्दगढ़ सिरसा खेड़ी ड्रेन का निर्माण करना 23.19 लाख रुपये, निजामपुर - भैरों - रामकली ड्रेन का आर०डी० 0 से 47000 तक 115.76 लाख रुपये, गतौली करेला ड्रेन का आर०डी० 0 से 39700 तक निर्माण करना 118.72 लाख रुपये, कालवा किनाना ड्रेन का आर०डी० 0 से 102000 तक निर्माण करना 771.00 लाख रुपये, बुडानी लिंक ड्रेन का निर्माण करना, 32.49 लाख रुपये, हाडवा सब ड्रेन का आर०डी० 0 से 5100 तक निर्माण करना । अध्यक्ष महोदय, जयपुर लिंक ड्रेन के निर्माण पर एक लाख 90 हजार रुपये, लजवाना खुर्द ड्रेन की आर०डी० से 92500 तक जो सुन्दर सब ब्रांच की आर०डी० 85000 बाएं पर गिरेगी के निर्माण पर 20 लाख रुपये, डिच ड्रेन की आर०डी० 0 से 3250 तक के निर्माण पर 3 लाख 24 हजार रुपये, गगसीना ड्रेन के निर्माण पर 4 लाख 11 हजार रुपये, लिंक चैनल की आर०डी० 9000 से 13550 तक बाएं व दाएं सिपेज ड्रेन जोकि लोहारू नहर की आर०डी०13550 बाएं व दाएं गिरेगी पर 7 लाख रुपये खर्च किया गया ।

श्री अध्यक्ष : प्रश्नकाल समाप्त होता है।

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Upgradation of Veterinary Hospital, Chautala

*** 1306. Shri Sita Ram :** Will the Minister of State for Animal Husbandry be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the veterinary Hospital, village Chautala; if so, the details thereof ?

पशुपालन राज्य मंत्री (चौ० मोहम्मद इलियास) : जी नहीं श्रीमान । गांव चौटाला में पशु अस्पताल एवं प्रजनन केन्द्र पूर्वत: ही वर्ष 1977-78 से कार्यरत है।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

Reviewing of the Performance of NABARD

*** 1241. Shri Jai Parkash Gupta :** Will the Minister for Finance be pleased to state—

(a) Whether the State Government aware that the Union Government have reviewed the performance of NABARD during the last three years in State of Haryana; if so, the details thereof; and

(b) the number of projects have been got cleared by the State Government from NABARD during the period referred to in part 'a' above; if so, the details thereof, together with the number of projects still awaiting clearance?

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) :

(अ) नहीं, श्रीमान जी ।

(ब) नाबार्ड द्वारा अभी तक कुल 27 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं जिनमें से 20 परियोजनाएं वित्तीय वर्ष 1999-2000 से पिछले तीन वर्षों के दौरान स्वीकृत की गई हैं। 19 परियोजनाएं नाबार्ड के पास स्वीकृती हेतु लम्बित हैं। स्वीकृत की गई एवं लम्बित परियोजनाओं का विवरण क्रमशः तालिका I और II पर दिया गया है।

STATEMENT-I

NABARD (RIDF) Assisted Projects (Sanctioned/Cleared)

(Rs. In Crores)

Sr. No.	RIDF/Year	Name of the Project	Project Cost	NABARD Share	State Share
1	2	3	4	5	6
A.	**Irrigation Department**				
1.	I (1995-96)	Construction and Extension of Minors (15.2.96)	55.59	26.70	28.89
2.	II (1996-97)	Construction and Extension of Minors and Drainage works (19.11.96)	73.11	62.84	10.27
3.	III-I (1997-98)	Flood Protection and Irrigation Schemes (16.9.97)	49.63	44.03	5.60
4.	III-II (1997-98)	Construction of 4 Minors in two Irrigation Projects Bhakra Water System and Lift Canal System (6 April, 1998)	18.65	16.79	1.86
5.	IV(1998-99)	Rewari Lift Irrigation Project (31.12.98)	39.60	34.26	5.34
6.	V-I (1999-2000)	Constn. & Extn. of Minors under Bhakra, Yamuna & Lift Canal System (7.9.1999)	57.84	52.06	5.78
7.	V-II (1999-2000)	Constn. & Extn. of Minors under Bhakra, Yamuna & Lift Canal System (15.3.2000)	52.23	47.01	5.22

1	2	3	4	5	6
8.	VI (2000-2001)	Constn. & Extn. of Minors, Flood Protection & Drainage works under Lift Canal System	23.44	21.09	2.35
9.	VII(2001-2002)	Construction & Extension of Minors Floor Protection & Drainage works (6.9.2001)	29.53	26.40	3.13
		Sub Total	**399.62**	**331.18**	**68.44**
10.	(MITC) VII (2001-2002)	Construction & Modernisation of Water Course in Bhiwani Distt. (5.7.2001)	15.91	12.88	3.03
11.	VII(2001-2002)	Rehabilitation & Modernisation of Watercourses in Haryana (31.3.2002)	70.16	63.14	7.02
		Sub Total	**86.07**	**76.02**	**10.05**
		Total A	**485.69**	**407.20**	**78.49**
B.	**PWD (B&R)**				
12.	III (1997-98)	Rural Roads and Bridges Projects (19.9.97)	13.25	11.93	1.32
13.	IV (1998-99)	Construction of Rural Roads (25.8.98)	24.44	21.99	2.45
14.	VIII (2002-2003)	Rural Bridges (14.6.02)	21.30	19.17	2.13
		Total B	**58.99**	**53.09**	**5.90**
C.	**Public Health**				
15.	VI(2000-2001)	Augmentation of Rural Drinking Water Supply Projects in Sirsa, Rohtak & Jhajjar districts. (17.3.2001)	43.76	39.39	4.37
16.	VII(2001-2002)	Drinking Water in Kurukshetra (4.7.2001)	10.28	9.25	1.03
17.	VII (2001-2002)	Drinking Water in Jind, Bhiwani & Rewari (22.9.2001)	30.74	27.66	3.08
18.	VII (2001-2002)	Drinking Water Ambala, Kaithal, Sonipat & Gurgaon (15.2.2002)	60.65	54.58	6.07
19.	VIII (2002-2003)	Drinking Water Sirsa, Jind and Panchkula (5.9.02)	23.40	21.06	2.34
20.	VIII (2002-2003)	Rural Drinking Water Supply Scheme in Fatehabad Distt. (17.12.02)	25.77	23.19	2.58
		Total C	**194.60**	**175.13**	**19.47**

[प्रो० सम्पत सिंह]

1	2	3	4	5	6
D. Power					
21.	VI (2000-2001)	System Improvement in Power Sector projects in Haryana	7.72	6.95	0.77
22.	VII (2001-2002)	System Improvement in Power Sector Projects in Sikenderpur	3.30	2.97	0.33
23.	VII (2001-2002)	System Improvement in Power Sector projects in Mahendergarh, Rewari & Gurgaon (DHBVNL)	7.70	6.93	0.77
24.	VII (2001-2002)	System Improvement in Power Sector projects in Jind, Ambala & Yamunanagar (DHBVNL)	13.46	12.11	1.35
25.	VII (2001-2002)	System Improvement in Power Sector projects in Alfawalur, Dharmtan Sahib, Gathi & Panchkula (HVPN)	13.35	12.01	1.34
26.	VIII(2002-2003)	System Improvement in Power Sector Project in (4HBVN) Kaithal and Kurukshetra	13.89	10.42	3.47
27.	VIII (2002-2003)	System Improvement in Power Sector Projects in Bhiwani & Sirsa	10.64	7.86	2.78
		Total D	**70.06**	**59.25**	**10.81**
		GTotal A-D	**809.34**	**694.67**	**114.67**

STATEMENT-II

List of cases pending with NABARD under RIDF

Sr. No.	Department		Project Cost (Rs. in Crores)	Date of Posting
1	2		3	4
1.	PWD (B&R)	(i)	160.00	02.01.03
2.	Public Health	(i)	103.52	25.03.02
3.	Irrigation	(i)	188.83	14.11.02
		(ii)	71.11	30.11.02
	Sub-Total		**259.94**	
4.	Power	(i)	10.95	12.02.02
		(ii)	1.03	01.03.02
		(iii)	1.90	01.03.02
		(iv)	1.29	20.07.02
		(v)	1.46	20.07.02
		(vi)	12.73	23.08.02

1	2	3	4
		(vii) 1.60	12.12.02
		(viii) 12.91	12.12.02
		(ix) 0.75	07.01.03
		(x) 4.61	13.02.03
		(xi) 4.80	13.02.03
		(xii) 2.96	13.02.03
		(xiii) 1.18	13.02.03
		(xiv) 2.92	13.02.03
		(xv) 13.66	13.02.03
		Sub-Total 74.75	
		Grand Total 598.21	

Supply of Drinking Water in Villages of Bhiwani

*** 1419. Shri Dharambir Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) whether there is any village in district Bhiwani where drinking water is not available; if so, the number thereof; and

(b) whether there is any village in district Bhiwani where drinking water is being supplied from pond; if so, the number thereof ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) :

(क) नहीं, श्रीमान् ।

(ख) नहीं, श्रीमान् ।

Repair of Roads in Bawani Khera Constituency

*** 1427. Shri Ram Kishan Fauji :** Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) whether it is a fact that the roads from Bawani Khera to Village Kungar and from village Siwara to Talu is in dilapidated condition; and

(b) if so, the time by which the aforesaid roads are likely to be repaired ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) :

(क) नहीं, श्रीमान् जी, बवानी खेड़ा से कुंगड़ सड़क अच्छी स्थिति में है तथा सिवाड़ा से तालु सड़क क्षतिग्रस्त है।

(ख) सिवाड़ा से तालु सड़क की मरम्मत 2003-04 में की जाएगी।

Replacement of Power Line

* **1401. Shri Jagjit Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to replace high voltage 11000 volts power line which was laid from Atela Power House to Dudivala Feeder because it is not in the capacity to supply full capacity of power to the villages Dudivala, Nandkaran, Dhakamoji, Dudivala Kishanpura and Dokadina; and

(b) if so, the time by which it is likely to be replaced.

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) :

(क) हाँ, 11 के.वी. डुडीवाला फीडर का 132 के.वी. अटेला पावर हाऊस से गांव डुडीवाला तक का 2.3 किलो मीटर कन्डक्टर बदलने का एक प्रस्ताव है।

(ख) बदलने का कार्य 30 जून, 2003 तक पूरा होना सम्भावित है।

Supply of Un-hygenic Drinking Water

* **1273. Shri Karan Singh Dalal :** Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) whether the Government is aware of the fact that the sewerage water is mixing with the drinking water due to leakage in sewerage pipe in the following area of Palwal City in district Faridabad :—

(i) New Colony (ii) Jawahar Nagar (iii) Kasba Mohalla (iv) Khail Mohalla (v) Chaipiwala Mohalla (vi) Sheikh Pura (vii) Dev Nagar ; and

(b) if so, the steps to be taken to stop the said leakage ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) :

(क) नहीं, श्रीमान् जी।

यह सत्य नहीं है कि पलवल के इन क्षेत्रों में सीवरेज का पानी पीने के पानी में मिल रहा है।

(ख) इस तरह की सम्भावना को रोकने के लिये पूरे शहर जिसमें ये कालोनियां भी शामिल हैं दूषित कनैक्शनों की नियमित पहचान तथा शीघ्र ठीक करने हेतु कार्यवाही की जाती है।

Widening of Bridge

***1393. Smt. Veena Chhibbar :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration to widen the bridge on Ambala Hisar Road in Ambala City ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : नहीं, श्रीमान् जी।

Water Table

*** 1327. Shri Ramphal Kundu :** Will the Minister for Agriculture be pleased to state whether the State Government has formulated any plan to check the problem of depletion of water table in sweet water zone; if so, the details thereof ?

कृषि मंत्री (सरदार जसविन्दर सिंह सन्धु) : हाँ, श्रीमान् । विवरण सदन के पटल पर रखा है।

विवरण

माननीय मुख्य मंत्री हरियाणा की अध्यक्षता में जल संसाधन काउंसिल का गठन किया गया है जिनमें उन सभी विभागों के जल विकास तथा उसके प्रयोग में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप में सम्बन्धित है, शामिल किया गया है। सभी सम्बन्धित विभागों द्वारा मीठे पानी के क्षेत्र में भू-जल स्तर में गिरावट को कम करने के लिए जल संसाधनों के उचित प्रबन्ध बारे कार्य योजनायें तैयार कर ली गई।

फसल विविधीकरण, वर्षा जल भण्डारण संरचनायें (मेंढ़, बाधित बांध), फुव्वारा तथा टपका सिंचाई को बढ़ावा देना, भू-जल का कृत्रिम पुनर्भरण, भवनों की छतों से वर्षा के पानी को संचित करके भूमिगत जल का पुनर्भरण करना विभिन्न विभागों द्वारा बनाई गई कार्य योजनाओं की विशेषतायें हैं।

Upgradation of Government School, Majra and Puthi

*** 1390. Prof. Ram Bhagat :** Will the Minister of State for Education be pleased to state the time by which the Government Middle School, Majra and Government Girls School, Puthi, in district Hissar are likely to be upgraded ?

शिक्षा राज्य मंत्री (चौ० बहादुर सिंह) : राज्य सरकार द्वारा पहले ही राजकीय माध्यमिक विद्यालय, माजरा (जिला हिसार) एवं राजकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय पूठी समैन (जिला हिसार) को उच्च विद्यालय स्तर तक स्तरोन्नत करने के आदेश पहले जारी किये जा चुके हैं तथा यह विद्यालय शैक्षणिक सत्र 2003-2004 से कार्य आरम्भ कर देंगे।

Compensation provided to the Farmers due to Drought

*** 1245. Capt. Ajay Singh Yadav**
Shri Sher Singh
Shri Karan Singh Dalal
Shri Ranbir Singh Mandola
} Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) Whether any compensation has been given to the farmers in the State on account of drought during the year 2001-2002, 2002-2003 till to date; if so, the details thereof;

(b) whether the State Government has received any financial assistance from the Central Government on account of drought relief during the period referred in part 'a' above ?

नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह) :

(क) वर्ष 2001-2002 में राज्य में कोई सूखा नहीं था इसलिये सूखा राहत के लिए किसानों को कोई मुआवजा नहीं दिया गया था। फसल खरीफ 2002-2003 में आए सूखा के कारण 241.34 करोड़ रुपये राहत के लिए उपलब्ध करवाए गए जिसमें से 66.50 करोड़ रुपये किसानों को अनुदान राहत के लिए दिए गए। विवरण संलग्न सूची में दिया गया है।

(ख) जी नहीं। राज्य सरकार द्वारा आपदा राहत कोष से राहत प्रदान की गई है, जिसमें प्रत्येक वर्ष बिना कोई आपदा आए केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकार द्वारा अंशदान दिया जाता है।

Statement

1.	Funds released to Agriculture, Public Health, Health and Animal Husbandry Department.	Rs. 16.00 crores
2.	Abiana for kharif crop-2002 remitted.	Rs. 11.50 crores
3.	Waivement of interest on loans for kharif crop-2002	Rs. 70.00 crores
4.	Relief by Power utilties.	Rs. 24.00 crores
5.	Funds spent towards generating employment in rural areas (in cash and kind).	Rs. 11.54 crores
6.	Relief to paddy growers (Procurement)	Rs. 41.80 crores
7.	Gratuitous relief for framers.	Rs. 66.50 crores
	Total	**Rs. 241.34 crores**

Drinking Water for Villiage Daungra Ahir

***1395. Rao Dan Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state the name of the water works from which the drinking water is being supplied to village Daungra Ahir in district Mahendergarh togetherwith the time since when the water is being supplied ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : श्रीमान् जी, गांव दौंगड़ा अहीर को 1983 से कलवारी गांव के समीप लगे नलकूप पर आधारित, कलवारी जल वितरण योजना से जल आपूर्ति की जा रही है। गांव दौंगड़ा अहीर में लगे हुए तीन पंचायती कुएं पानी की सप्लाई में बढ़ौतरी कर रहे हैं।

Upgradation of Schools from Primary to Middle, Middle to High and High to S.S.

***1459. Shri Ram Kumar Katwal :** Will the Minister of State for Education be pleased to state the total number of schools upgraded by the present Government from Primary to Middle, Middle to High and High to Senior Secondary Schools in Rajaund Constituency ?

शिक्षा राज्य मंत्री (चौ० बहादुर सिंह) : श्रीमान् जी, वर्तमान सरकार ने राजौंद विधान सभा क्षेत्र के तीन प्राथमिक विद्यालयों का माध्यमिक तथा एक माध्यमिक विद्यालय का दर्जा उच्च किया है।

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Recruitment of Sports Persons in Police

138. Shri Karan Singh Dalal: Will the Chief Minister be pleased to state whether any recruitment for Sports persons in Police has been made in the State during the year 2001-2002; if so, the districtwise number thereof; togetherwith the achievemetns of the persons so recruited ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : श्रीमान् जी, वांछित सूचना का विवरण सदन के पटल पर रखा है।

विवरण

क्रम सं	विज्ञापित पद	भर्ती किये गये खिलाड़ियों की संख्या
(1)	114 सिपाही (पुरुष)	114
(2)	10 सिपाही (महिला)	10

भर्ती किये गये खिलाड़ियों का विवरण संलग्नक 'क' पर दिखाया गया है।

संलग्नक 'क'

भर्ती किये गये पुरुष तथा महिला खिलाड़ी (सिपाही) व्यक्तियों का विस्तृत विवरण।

भाग-I

क्रम संख्या	पद तथा नाम	नम्बर	गृह जिला	खेल का नाम	उपलब्धियां
1	2	3	4	5	6
1.	सिपाही अनिल कुमार	2/56	रोहतक	कुश्ती	1. दिसम्बर 1999 में हुए राष्ट्रीय स्कूल खेलों में द्वितीय स्थान।
					2. आल इण्डिया रूरल स्पोर्टस टूर्नामैंट 1995 में हिस्सा लिया।
2.	सिपाही दिनेश कुमार	2/170	रोहतक	बास्केट बाल	1. 42 वें राष्ट्रीय स्कूल खेल 1996 में प्रथम स्थान।
					2. 43 वें एस०एस०जी० 1997 में द्वितीय स्थान।
					3. 44 वें एस०एस०जी० 1998 में द्वितीय स्थान।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

1	2	3	4	5	6
					4. पैप्सी सीनीयर राष्ट्रीय बास्केट बाल 2000 में हिस्सा लिया।
3.	सिपाही विनोद कुमार	2/282 रोहतक	कुश्ती		1. अक्तूबर 2000 में हुए खेल उत्सव में द्वितीय स्थान
4.	सिपाही बलतान सिंह	2/372 रोहतक	हॉकी		1. दिसम्बर 1998 में हुए 29 वें आल इण्डिया रूरल स्पोर्टस टूर्नामैंट में चाँदी का मैडल प्राप्त किया।
					2. 31 वें एच०एस०एस०टी०1998 में द्वितीय स्थान।
					3. एच०एस०एम०सी० 2000 में द्वितीय स्थान।
					4. एम०डी०यू० टूर्नामैंट 1998-99 में प्रथम स्थान।
5.	सिपाही राजेश कुमार	2/452 रोहतक	कुश्ती		1. नवम्बर 2000 में हुए हरियाणा स्टेट रैस्टलींग चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान।
6.	सिपाही मनोज	2/527 रोहतक	बास्केट बाल		1. 2000 में आल इण्डिया जोन इन्टर यूनिवर्सिटी चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया।
7.	सिपाही परदीप सिंह	2/660 रोहतक	फुटबाल		1. दिसम्बर 1999 में हुए एम०डी० यूनिवर्सिटी टूर्नामैंट में प्रथम स्थान
					2. हरियाणा स्टेट फुटबाल चैम्पियनशिप 1997 में प्रथम स्थान।
					3. अप्रैल 2000 में हुए 56वें सीनीयर नेशनल चैम्पियनशिप हरियाणा स्टेट में भाग लिया।
					4. एम०डी० यूनिवर्सिटी आल इण्डिया इन्टर यूनिवर्सिटी चैम्पियनशिप में भाग लिया।
8.	सिपाही राम चन्द्र	4/863 रोहतक	वैट लिफ्टींग		1. हरियाणा स्टेट वेट लिफ्टींग चैम्पियनशिप 2001 में प्रथम स्थान प्राप्त किया
9.	सिपाही राधे श्याम	4/897 रोहतक	वैट लिफ्टींग		1. हरियाणा स्टेट वेट लिफ्टींग चैम्पियनशिप 2000 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

1	2	3	4	5	6
					2. हरियाणा स्टेट वेट लिफ्टींग चैम्पियनशिप 2001 में द्वितीय स्थान प्राप्त किया
10.	सिपाही विकास	4/770	रोहतक	बास्केट बाल	1. 2000 में हुए 51वें जूनियर नेशनल बास्केट बाल चैम्पियनशिप राष्ट्रीय में भाग लिया।
					2. 1999 में हुए 50वें गोल्डन जुबली जूनियर नेशनल बास्केट बाल चैम्पियनशिप में भाग लिया।
					3. 1998 में हुए 44वें नेशनल स्कूल गेम्ज में भाग लिया ।
					4. 1999 में हुए 15वें यूथ नेशनल बास्केट बाल चैम्पियनशिप में भाग लिया ।
					5. 1999 में हुए राजस्थान स्टेट बास्केट बाल चैम्पियनशिप में भाग लिया।
11.	सिपाही अशोक कुमार	4/616	रोहतक	बास्केट बाल	1. 1998 में हुए 44वें नेशनल स्कूल बास्केट बाल फैडरेशन आफ इण्डिया में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
					2. 1998 में हुए हरियाणा स्टेट जूनियर बास्केट बाल चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
12.	सिपाही परवीन कुमार	4/763	रोहतक	बास्केट बाल	1. 1999 में हुए 15वें हरियाणा स्टेट बास्केट बाल स्पोर्टस फेस्टिवल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
					2. 2000 में हुए हरियाणा स्टेट यूनिवर्सिटी बास्केट बाल स्पोर्टस चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
13.	सिपाही परदीप कुमार	4/513	रोहतक	हॉकी	1. 1996 में हुए 28वें आल इण्डिया रूरल स्पोर्टस टूर्नामैंट में भाग लिया।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

1	2	3	4	5	6
					2. 31 वें हरियाणा स्टेट स्कूल टूर्नामैंट में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
					3. 1997 में हुए 32वें हरियाणा स्टेट ब्वायज स्कूल टूर्नामैंट में भाग लिया ।
					4. नई दिल्ली में हुए 13वें सब जूनियर नेहरू हॉकी टूर्नामैंट में भाग लिया।
					5. 1995 में हुए 30वें एच० एस० एस० टी० में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
14. सिपाही सुनील कुमार	2/274	करनाल	हॉकी		1. 1999 में हुए 2वें नेशनल स्कूल गेम्ज चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
					2. 1999 में हुए एच०एस०एस० एण्ड यूथ वेलफेयर चैम्पियनशिप में भाग लिया।
15. सिपाही सुन्दर पाल	2/514	करनाल	ऐथलैटिक्स		1. 1999 में हुए के०यू०के० चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
					2. नवम्बर 1999 में के०यू०के० में हुए आल इण्डिया इन्टर यूनिवर्सिटी क्रोस कंटरी चैम्पियनशिप में भाग लिया।
16. सिपाही नरेश	2/571	करनाल	फुटबाल		1. 1999 में हुए 34थें एच०एस०एस०टी० में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
					2. 1997 में हुए हरियाणा स्टेट फुटबाल चैम्पियनशिप में भाग लिया।
					3. 1998 में हुए हरियाणा स्टेट फुटबाल चैम्पियनशिप में भाग लिया।

1	2	3	4	5	6
17.	सिपाही अरूण देशवाल	2/647	करनाल	बास्केट बाल	1. 1999 में हुए एच०एस० बी०बी०सी० में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 2. 1998 में हुए एच०एस० बी०बी०सी० में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
18.	सिपाही जय देव	2/316	करनाल	ऐथलेटिक्स	1. 2000 में हुए नोर्थ जोन ऐथलेटिक फेडरेशन आफ इण्डिया में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 2. 2000 में हुए 45वें एन०एस० जी०सी० में तृतीय स्थान प्राप्त किया। 3. 1998 में हुए 43वें एन०एस० जी०सी० में तृतीय स्थान प्राप्त किया। 4. 1999 में हुए एच०एस० जूनियर ऐथलेटिक चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
19.	सिपाही पंकज	2/400	करनाल	ऐथलेटिक्स	1. जनवरी 1999 में हुए 14वें इन्टर स्टेट जूनियर ऐथलेटिक्स चैम्पियनशिप में चांदी का पदक प्राप्त किया। 2. 2000 में हुए नैशनल स्कूल गेम्ज हरियाणा स्टेट में हिस्सा लिया। 3. नवम्बर 1999 में हुए एच०एस० एस०टी० में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 4. नवम्बर 1998 में हुए एच०एस०एस०टी० में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 5. दिसम्बर 1999 में हुए हरियाणा स्टेट ब्वायज चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

1	2	3	4	5	6
					6. 1997 में हुए 32वें एच०एस० एस०टी० में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
20.	सिपाही रोहित दहिया	2/748	करनाल	ऐथलेटिक्स	1. दिसम्बर 1998 में हुए 29वें आल इण्डिया रुरल स्पोर्टस टूर्नामैंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 2. नवम्बर 1998 में हुए सी० बी० एस० सी० नोर्थ जोन इन्टर स्कूल ऐथलेटिक्स में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 3. अगस्त 2000 में हुए नोर्थ जोन ऐथलेटिक्स चैम्पियनशिप में कांस्य पदक प्राप्त किया।
21.	सिपाही राजेन्द्र चौधरी	2/93	करनाल	कबड्डी	1. 1999 में हुए नोर्थ जोन आल इण्डिया इन्टर यूनिवर्सिटी कबड्डी चैम्पियनशिप में तृतीय स्थान प्राप्त किया। 2. 1997 में हुए आल इण्डिया रूरल स्पोर्टस टूर्नामैंट में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
22.	सिपाही देविन्द्र सिंह	4/477	करनाल	साईकिलिंग	1. करनाल में 27-4-2001 से 29-4-2001 में हुए 24वें हरियाणा स्टेट साईकिलिंग चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 2. सितम्बर 1999 में हुए हरियाणा स्टेट रोड साईकिलिंग चैम्पियनशिप में 5 कि० मीटर में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 3. दिसम्बर 2000 में तिवेन्द्रम में हुए नेशनल ट्रेक साईकिलिंग चैम्पियनशिप में भाग लिया। 4. दिसम्बर 2000 में कुरुक्षेत्र में हुए 4000 मीटर टीम प्रस्यूट में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

1	2	3	4	5	6
23.	सिपाही सुरजीत सिंह	4/790	करनाल	कबड्डी	1. पाक-इण्डो सीरिज 2000 में इण्डियन टीम का वाईस कैप्टन रहा। 2. इण्डिया वर्सिज पाकिस्तान 2000 में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। 3. 1996 में नेशनल सर्कल कबड्डी चैम्पियनशिप में भाग लिया। 4. 13वीं नेशनल कबड्डी चैम्पियनशिप 2000 में भाग लिया। 5. 1996 में लाहौर में हुए वर्ल्ड कप चैम्पियनशिप में भाग लिया।
24.	सिपाही सन्दीप कुमार	4/900	करनाल	वालीबाल	1. 1996 में हुए डिस्ट्रिक्ट रुरल स्पोर्टस टूर्नामेंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 2. 1996 में हुए नेशनल स्कूल गैम्ज में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 3. 2001 में हुए 49वें सीनियर नेशनल वालीबाल चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया।
25.	सिपाही सुरेन्द्र कुमार	2/784	करनाल	वाली बाल	1. 1996 में हुए 30वें हरियाणा स्टेट स्कूल टूर्नामेंट मे प्रथम स्थान प्राप्त किया। 2. 1996 में हुए हरियाणा स्कूल गैम्ज स्पोर्टस फेडरेशन टूर्नामेंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
26.	सिपाही सुनिल कुमार	4/764	करनाल	वाली बाल	1. 1996 में हुए 41वें नेशनल स्कूल गैम्ज फैडरेशन आफ इण्डिया में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 2. 1997 में हुए यूनिवर्सिटी इन्टर कालेज वाली बाल चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

1	2	3	4	5	6
					3. 1997 में हुए 32वें हरियाणा स्टेट स्कूल टूर्नामेंट में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
27.	सिपाही अनिल कुमार	4/350 करनाल	क्रॉस कन्ट्री	1.	2001 में हुए स्टेट लैवल चैम्पियनशिप में 400 मीटर रेस तथा 800 मीटर रेस में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
				2.	2000 में हुए 34वें हरियाणा स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 800 मीटर रेस में भाग लिया।
28.	सिपाही नवीन कुमार	2/301 झज्जर	कुश्ती	1.	1997 में हुए रैसटलिंग चैम्पियनशिप 50 कि०ग्राम में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
				2.	1999 में हुए दिल्ली रैस्टलिंग 50 कि०ग्राम में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
29.	सिपाही जसबीर सिंह	2/403 झज्जर	फुटबाल	1.	2001 में हुए स्टेट फुटबाल चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
				2.	2001 में हुए एम०डी०यू० के आल इण्डिया इन्टरयूनिवर्सटी में भाग लिया।
30.	सिपाही इन्द्र वेस	2/444 झज्जर	फुटबाल	1.	1998 में हुए 33वें एच० एस० एस० टी० में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
				2.	1995 में हुए 30वें एच० एस० एस० टी० में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
				3.	2001 में हुए एम०डी०यु० के इन्टर कालेज में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
				4.	2001 में हुए नोर्थ जोन इन्टर यूनिवर्सिटी में भाग लिया।
31.	सिपाही परमिन्द्र सिंह	2/541 झज्जर	हॉकी	1.	1997 मे दिल्ली में हुए 2वें हॉकी टूर्नामैंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

1	2	3	4	5	6
					2. 1999 में हुए एच० एस० एच० सी० में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
32.	सिपाही परमिन्द्र देसवाल	4/609	झज्जर	कबड्डी	1. 1998 में हुए 45वें नेशनल कबड्डी चैम्पियनशिप में कांस्य पदक प्राप्त किया।
					2. 1998 में हुए 15वें हरियाणा स्टेट स्पोर्टस फैस्टिवल में कांस्य पदक प्राप्त किया।
					3. 2001 में हुए 48वें नेशनल कबड्डी चैम्पियनशिप में भाग लिया।
33.	सिपाही सुवर्ण कुमार	2/585	सोनीपत	हॉकी	1. 2000 में हुए 60वें सीनियर नेशनल हॉकी टूर्नामैंट मे भाग लिया।
					2. 1997 में हुए 29वें जूनियर नेशनल हॉकी चैम्पियनशिप में भाग लिया।
					3. 1997 में हुए 68वें नेशनल हॉकी चैम्पियनशिप में भाग लिया।
					4. 42वें नेशनल स्कूल गैम्स में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
					5. 41वें नेशनल स्कूल गैम्स चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
					6. हरियाणा सीनियर स्टेट हॉकी चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
					7. 15वें हरियाणा स्टेट स्पोर्ट्स फैस्टिवल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
					8. 1998, 1999, 2000 में हुए आल इण्डिया इन्टरयूनिवर्सिटी चैम्पियनशिप में भाग लिया।
34.	सिपाही सुरेन्द्र सिंह	2/584	सोनीपत	कुश्ती	1. फरवरी 1998 में निडानी में हुए हरियाणा स्टेट जूनियर चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

1	2	3	4	5	6
35.	सिपाही दिनेश कुमार	2/491	सोनीपत	हॉकी	1. फरवरी 2001 में हुए 31वें जूनियर नेशनल हॉकी गेम्ज में भाग लिया। 2. दिसम्बर 1999 में हुए 14वें नेशनल स्कूल गेम्ज में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 3. 1999 में हुए 34वें एच० एस० एस० सी० में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 4. 1998 में हुए 27वें एन० एच० जे० टी० में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 5. प्री-एन० एच० एच० एस० इन्टर स्कूल हॉकी टूर्नामेंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
36.	सिपाही सन्दीप कुमार	2/710	सोनीपत	फुटबाल	1. 2000 में हुए 60वें एच० एस० एस० एफ० में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 2. 1996 में हरियाणा स्टेट में हुए 29वें आल इण्डिया रूरल स्पोर्टस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। 3. 2000 में हुए हरियाणा स्टेट चैम्पियनशिप में तृतीय स्थान प्राप्त किया। 4. 1999 में हुए आल इण्डिया नेहा फुटबाल टूर्नामेंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
37.	सिपाही अनिल कुमार	2/749	सोनीपत	फुटबाल	1. 2000 में हुए 56वें नेशनल फुटबाल चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया। 2. 1998 में हुए 21वें नेशनल फुटबाल चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया। 3. 1996 में हुए 32वें जूनियर नेशनल फुटबाल चैम्पियनशिप में भाग लिया। 4. 1996 में हुए नेशनल स्कूल गैम्ज में भाग लिया।

1	2	3	4	5	6
38.	सिपाही जयबीर सिंह	2/823	सोनीपत	कुश्ती	1. 76 कि० ग्राम रैसलिंग फैडरेशन आफ इण्डिया में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 2. 69 कि० ग्राम रैसलिंग फैडरेशन आफ इण्डिया में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 3. 55 कि० ग्राम रैसलिंग फैडरेशन आफ इण्डिया में तृतीय स्थान प्राप्त किया। 4. 70 कि० ग्राम हरियाणा स्टेट टूर्नामैंट में तृतीय स्थान प्राप्त किया। 5. 57 कि० ग्राम हरियाणा स्टेट जूनियर चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
39.	सिपाही बलराज	2/848	सोनीपत	कुश्ती	1. जनवरी 1999 में हुए हरियाणा स्टेट रैसलिंग अखाड़ा चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
40.	सिपाही बरिज पाल	2/393	सोनीपत	कुश्ती	1. 2000 में हुए सब जूनियर नेशनल चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 2. 2000 में हुए हरियाणा स्टेट रैसलिंग चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
41.	सिपाही राहुल पवार	2/512	सोनीपत	हॉकी	1. 2000 में हुए 21वें नेशनल हॉकी चैम्पियनशिप में भाग लिया। 2. 1996 में हुए 14वें सब जूनियर नेहरू हॉकी टूर्नामैंट में भाग लिया। 3. 1997 में हुए 26वें सब जूनियर नेहरू हॉकी टूर्नामैंट में भाग लिया। 4. नवम्बर 1998 में हुए 27वें आल इण्डिया रूरल स्पोर्टस चैम्पियनशिप में भाग लिया।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

1	2	3	4	5	6
42.	सिपाही नरेन्द्र सिंह	4/677	सोनीपत	कबड्डी	1. 2000 में हुए 19वें फैडरेशन कप कबड्डी चैम्पियनशिप में भाग लिया। 2. 2000 में हुए 19वें फैडरेशन कप चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। 3. 2001 में हुए 48वें कबड्डी चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया। 4. 2000 में हुए 22वें कबड्डी चैम्पियनशिप में कांस्य पदक प्राप्त किया। 5. 2000 में हुए हरियाणा स्टेट स्पोर्टस फैस्टिवल में कांस्य पदक प्राप्त किया।
43.	सिपाही जोगिन्द्र सिंह	4/516	सोनीपत	कबड्डी	1. 2000 में हुए एशियन जूनियर कप चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। 2. 2000 में हुए 46वें सर्कल कबड्डी गेम्ज में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। 3. 1998 में हुए 43वें नैशनल स्कूल गेम्ज में चाँदी पदक प्राप्त किया। 4. 1999 में हुए 26वें नैशनल कबड्डी गेम्ज में चाँदी पदक प्राप्त किया। 5. 2001 में हुए 48वें नेशनल कप चैम्पियनशिप में भाग लिया।
44.	सिपाही कुलदीप सिंह	4/890	सोनीपत	कबड्डी	1. 2000 में हुए 46वें नैशनल स्कूल गेम्ज चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। 2. 30वें हरियाणा स्टेट स्कूल टूर्नामैंट में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

1	2	3	4	5	6
					3. 1998 में हुए 44वें नेशनल स्कूल गेम्ज में कांस्य पदक प्राप्त किया।
45.	सिपाही जोगिन्द्र सिंह	4/885	सोनीपत	कबड्डी	1. नवम्बर 2000 में हुए आल इण्डिया इन्टर यूनिवर्सिटी कबड्डी टूर्नामैंट में चाँदी पदक प्राप्त किया।
					2. जनवरी 1999 में हुए 25वें नेशनल कबड्डी चैम्पियनशिप में भाग लिया।
					3. 2000 में हुए 16वें हरियाणा स्टेट स्पोर्टस फैस्टीवल में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
46.	सिपाही यशबीर सिंह	4/795	सोनीपत	कबड्डी	1. 1999 में हुए वें नेशनल सर्कल कबड्डी चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
47.	सिपाही चान्द सिंह	4/178	सोनीपत	कबड्डी	1. 1999 में हुए 45वें नेशनल स्कूल गेम्ज में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
					2. 1999 में हुए 25वें जूनियर नेशनल कबड्डी चैम्पियनशिप में चाँदी पदक प्राप्त किया।
					3. 1999 में हुए 11वें आल इण्डिया एस० बी० बी० जे० टूर्नामैंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
48.	सिपाही कुलदीप सिंह	2/706	पानीपत	कुश्ती	1. 1999 में हुए 20वें जूनियर ब्वायज (जी०आर०) स्टाईल नेशनल रैसलिंग चैम्पियनशिप में कांस्य पदक प्राप्त किया।
					2. 1999 में हुए नेशनल स्कूल गेम्ज में कांस्य पदक प्राप्त किया।
					3. 1995 में हुए नेशनल स्कूल गेम्ज में चाँदी पदक प्राप्त किया।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

1	2	3	4	5	6
49.	सिपाही सचिन बक्शी	2/799	पानीपत	फुटबाल	1. 1999 में हुए जूनियर नेशनल फुटबाल चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया। 2. 1998 में हुए 44वें नेशनल स्कूल गेम्ज में हिस्सा लिया। 3. 1997 में हुए स्टेट स्कूल टूर्नामैंट में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 4. 1995 में हुए 30वें एच० एस० एस० टी० में हिस्सा लिया।
50.	सिपाही धर्मेन्द्र	2/431	पानीपत	ऐथलेटिक्स	1. मार्च 2001 में ब्रुसल्स (बैलजियम) में हुए वर्ल्ड क्रास कन्ट्री चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया। 2. अप्रैल 2001 में इण्डिया में हुए एशियन क्रास कन्ट्री चैम्पियनशिप काठमाण्डू में हिस्सा लिया। 3. 2001 में हुए 6वें फैडरेशन कप क्रास कन्ट्री चैम्पियनशिप एण्ड अंडर स्टेट लैवल एथीवमैंट में हिस्सा लिया।
51.	सिपाही सुन्दर सिंह	2/190	पानीपत	कुश्ती	1. 1994 में हुए जूनियर नेशनल रैसलिंग चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 2. 2000 में हुए हरियाणा रैसलिंग चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 3. 1999 में हुए हरियाणा स्टेट इन्टर अखाड़ा कम्पीटीशन में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
52.	सिपाही जगबीर	2/724	पानीपत	कुश्ती	1. लखनऊ में हुए जूनियर नेशनल रैसलिंग चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया। 2. 1998 में हुए सीनियर नेशनल रैसलिंग चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया।

1	2	3	4	5	6
					3. 2000 में निडानी में हुए हरियाणा स्टेट वैसलिंग चैम्पियनशिप में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
53.	सिपाही करमबीर	4/92	पानीपत	कबड्डी	1. 1999 में हुए 45 वें नेशनल स्कूल गेम्ज में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
					2. 2001 में हुए आल इण्डिया इन्टर यूनिवर्सिटी कबड्डी चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
					3. 1997 में हुए 42वें नेशनल स्कूल गेम्ज में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
					4. 1997 में हुए 43वें नेशनल स्कूल गेम्ज में चाँदी पदक प्राप्त किया।
54.	सिपाही शमशेर सिंह	4/661	पानीपत	बोक्सिंग	1. 44वें नेशनल स्कूल गेम्ज में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
					2. 2000 में हुए 11वें स्कूल तथा 2वें जूनियर बोक्सिंग चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
					3. 2000 में हुए 45वें नेशनल स्कूल गेम्ज चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
					4. 2000 में हुए 32वें जूनियर नेशनल बोक्सिंग चैम्पियनशिप में चाँदी पदक प्राप्त किया।
					5. 2000 में हुए 6वें आल इण्डिया ए० के० मिश्रा बोक्सिंग चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
55.	सिपाही असबीर सिंह	4/665	पानीपत	जुडो	1. 2000 मे हुए सीनियर नेशनल जुडो चैम्पियनशिप में कांस्य पदक प्राप्त किया।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

1	2	3	4	5	6
					2. 1999 में हुए आल इण्डिया यूनिवर्सिटी जुडो चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
					3. 1998 मे हुए 44वें नेशनल स्कूल जुडो गेम्ज में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
					4. 2000 में हुए नेशनल स्कूल जुडो गेम्ज में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
56.	सिपाही जसबीर सिंह	4/705	पानीपत	कबड्डी	1. नेशनल कबड्डी चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया।
57.	सिपाही हंस राज	2/226	फतेहाबाद	ऐथलेटिक्स	1. 34वें हरियाणा स्टेट सीनियर ऐथलेटिक्स चैम्पियनशिप सोनीपत में हिस्सा लिया।
58.	सिपाही परवीन कुमार	2/234	भिवानी	बास्केट बाल	1. 1999 में हुए एच० एस० बी० सी० में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
					2. 1999 में हुए एच० एस० बी० सी० में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
					3. 1999 में हुए 34वें एच० एस० बी० टी० में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
59.	सिपाही विरेन्द्र सिंह	2/275	भिवानी	क्रास कन्ट्री	1. 2000 में हुए सी० बी० एस० ई० इन्टर स्कूल ऐथलेटिक्स मीट में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
60.	सिपाही अनिल कुमार	2/279	भिवानी	हॉकी	1. जनवरी 2001 में हुए आल इण्डिया इन्टर यूनिवर्सिटी चैम्पियनशिप में कांस्य पदक प्राप्त किया।
					2. 2000 में जम्मू में हुए हरियाणा स्टेट 60वें सीनियर नेशनल हॉकी चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया
					3. 2000 में हुए नोर्थ जोन इन्टर यूनिवर्सिटी चैम्पियनशिप में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
					4. दिसम्बर 1995 में हुए 41वें नेशनल स्कूल गेम्ज में चाँदी पदक प्राप्त किया।

1	2	3	4	5	6
					5. मार्च 1995 में हुए 25वें आल इण्डिया रूरल स्पोर्टस टूर्नामैंट में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
					6. नवम्बर 1997 में हुए 32वें हरियाणा स्टेट ब्वायज स्कूल टूर्नामैंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
					7. इसने पिछले 5-6 सालों से हरियाणा स्टेट टीम जैसे अन्य कई टूर्नामैंट में हिस्सा लिया।
61.	सिपाही मुखितियार सिंह	2/366	भिवानी	ऐथलेटिक्स	1. जनवरी 1999 में हुए 14वें इन्टर स्टेट जूनियर ऐथलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
					2. जनवरी 1997 में हुए 42वें नेशनल स्कूल एथलेटिक चैम्पियनशिप में चाँदी पदक प्राप्त किया।
					3. 1996 में हुए 31वें एच०एस०एस०टी० में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
					4. 1998 में हुए 33वें एच० एस० एस० टी० में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
					5. 1997 में हुए 32वें एच० एस० एस० टी० में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
62.	सिपाही प्रेम प्रकाश	2/577	भिवानी	बास्केटबाल	1. 1996-97 में हुए हरियाणा स्टेट ब्वायज टूर्नामैंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
					2. 1997-98 में हुए 32वें हरियाणा स्टेट ब्वायज टूर्नामैंट में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
63.	सिपाही विनोद कुमार	2/586	भिवानी	ऐथलेटिक्स	1. दिसम्बर 2000 में हुए 12वें आई०टी०बी० इन्टर जोन जूनियर ऐथलेटिक्स में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

1	2	3	4	5	6
					2. 2000 में हुए 16वें एच० एस० एस० एफ० में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
					3. 1999 में हुए 15वें एच० एस० एस० एफ० में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
64. सिपाही विनय कुमार		2/637 भिवानी	स्विमिंग		1. 1999 में हुए एच० एस० एम० डी० यू० इन्टर कालेज स्विमिंग (4x100 मीटर मिडले) में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
					2. एच०डी०यू० इन्टर कालेज स्विमिंग (200 मीटर बटरस्ट स्ट्रोक) में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
					3. एच०सी० जूनियर स्विमिंग चैम्पियनशिप (50 मीटर बटरफलाई) में कांस्य पदक प्राप्त किया।
65. सिपाही महाबीर सिंह		2/700 भिवानी	फुटबाल		1. 1997 में हुए 28वें आल इण्डिया रूरल हरियाणा स्टेट में भाग लिया।
					2. 1996 में हुए 31वें एच० एस० एस० टी० में भाग लिया।
66. सिपाही महेश कुमार		2/781 भिवानी	ऐथलेटिक्स		1. 1997 में हुए 42वें तथा 43वें एन०एस०एफ० में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
					2. 1999 में हुए एच०एस० जूनियर हर्डल रेस चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
					3. 1996 में हुए एच०एस० जूनियर हर्डल रेस चैम्पियनशिप में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
67. सिपाही विकास कादयान		2/803 भिवानी	स्विमिंग		1. एस०डी०यू० स्पोर्टस स्विमिंग चैम्पियनशिप (4x100मीटर मेड रैली) में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
					2. 1998 में हुए एच०एस० 32वें स्विमिंग चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

1	2	3	4	5	6
					3. एम०डी०यू० स्पोर्टस स्विमिंग चैम्पियनशिप (1500 एम० एफ० एस०) में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
68.	सिपाही चन्द्र सिंह	2/661	भिवानी	ऐथलेटिक्स	1. 2001 में हुए एम० डी० यू० यूनिवर्सिटी चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। 2. रोहतक में हुए हरियाणा स्पोर्टस फैस्टिवल में चाँदी पदक प्राप्त किया। 3. 2001 में हुए वर्ल्ड ऐथलेटिक्स डे ई० डी० एच० ओ० एन० टी० ओ० एन० में हिस्सा लिया। 4. एम०डी०यू० में हुए आल इण्डिया इन्टर यूनिवर्सिटी चैम्पियनशिप में भाग लिया।
69.	सिपाही भुकेश कुमार	2/835	भिवानी	ऐथलेटिक्स	1. फरवरी 2000 में हुए 45वें नेशनल स्कूल्स गेम्ज में तृतीय स्थान प्राप्त किया। 2. दिसम्बर 1999 में हुए 15वें एच०एस०एस०एफ० में तृतीय स्थान प्राप्त किया। 3. सितम्बर 1996 में हुए हरियाणा स्टेट चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 4. नवम्बर 1999 में हुए 34वें एच०एस०एस०टी० में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 5. 1999 में हरियाणा में हुए 14वें इन्टर स्टेट जूनियर ऐथलेटिक्स मीट में हिस्सा लिया।
70.	सिपाही रोहताश सिंह	2/171	भिवानी	ऐथलेटिक्स	1. 110 मीटर हर्डल हरियाणा स्टेट चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। 2. 1999 में हुए 11वें आल इण्डिया नोर्थ जोन जूनियर ऐथलेटिक्स चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

1	2	3	4	5	6
71.	सिपाही रजनिश	4/875	भिवानी	बॉक्सिंग	1. 1999 में हुए 14वें नेशनल बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। 2. 2001 में हुए 47वें नेशनल बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में चाँदी पदक प्राप्त किया। 3. 1999 में हुए 14वें नेशनल बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में चाँदी पदक प्राप्त किया। 4. 1997 में हुए 12वें जूनियर नेशनल बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक तथा दूसरे अन्य स्टेट लेवल तथा नेशनल लेवल टूर्नामैंट में कई पदक प्राप्त किये।
72.	सिपाही सूरज मल	4/878	भिवानी	बॉक्सिंग	1. जनवरी, 2001 में हुए 47वें नेशनल लेवल बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में कांस्य पदक प्राप्त किया। 2. 2000 में हुए आल इण्डिया इन्टर यूनिवर्सिटी बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। 3. 1999 में हुए 46वें नेशनल बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में कांस्य पदक प्राप्त किया। 4. 1998 में हुए 31वें जूनियर नेशनल बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में चाँदी पदक प्राप्त किया। 5. 1999 में हुए 7वें आल इण्डिया ए० के० मिश्रा मैमोरियाल बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। 6. 1999 में हुए 11वें सीनियर लोर्ड्स इण्डिया बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

1	2	3	4	5	6
					7. 2000 में हुए 6वें फैडरेशन कप बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में भाग लिया।
73.	सिपाही तनेज पाल	4/800	भिवानी	बॉक्सिंग	1. अक्तूबर 2000 में हुए बरांड एनबुरग कप में हिस्सा लिया। 2. जुलाई 2000 में हुए 6वें फैडरेशन कप बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। 3. 2000 में हुए 32वें जूनियर नेशनल बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
74.	सिपाही रवीन्द्र सिंह	4/811	भिवानी	बॉक्सिंग	1. 2000 में हुए आल इण्डिया इन्टर यूनिवर्सिटी मीट में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। 2. 1999 में हुए आल इण्डिया इन्टर यूनिवर्सिटी में चाँदी पदक प्राप्त किया। 3. 1999 में हुए 15वें एच० एस० एस० एफ० में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 4. 2000 में हुए आल इण्डिया इन्टर यूनिवर्सिटी बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
75.	सिपाही दलबीर सिंह	4/870	भिवानी	कबड्डी	1. जनवरी 2000 में हुए 3वें नेशनल सर्कल कबड्डी चैम्पियनशिप में चाँदी पदक प्राप्त किया। 2. दिसम्बर 1999 में हुए 15वें हरियाणा स्टेट स्पोर्टस फैस्टीवल में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। 3. जनवरी, 2000 में हुए 3वें नेशनल सर्कल कबड्डी चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

1	2	3	4	5	6
76.	सिपाही महेन्द्र सिंह	4/801	भिवानी	वालीबाल	1. 1999 में हुए आल इण्डिया इन्टर स्पोर्टस वालीबाल टूर्नामैंट में हिस्सा लिया। 2. 2000 में हुए नौर्थ जोन आल इण्डिया इन्टर यूनिवर्सिटी चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया।
77.	सिपाही बलवान सिंह	4/809	भिवानी	वालीबाल	1. 1999 में हुए 15वें एच० एस० एस० एफ० में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 2. 1997 में हुए 43वें नेशनल स्कूल्स वालीबाल चैम्पियनशिप में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
78.	सिपाही परदीप शैरान	4/802	भिवानी	वालीबाल	1. 1999 में हुए 15वें एच० एस० एस० एफ० में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 2. 1999 में हुए आल इण्डिया इन्टर स्पोर्टस होस्टल वालीबाल चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया। 3. 1999 में हुए नौर्थ जोन आल इण्डिया इन्टर यूनिवर्सिटी चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया।
79.	सिपाही सतीश कुमार	4/783	भिवानी	बास्केटबाल	1. 1997 में हुए हरियाणा स्टेट बास्केट बाल चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 2. 2000 में हुए नेशनल बास्केट बाल चैम्पियनशीप में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
80.	सिपाही जसमेर सिंह	2/619	हिसार	ऐथलेटिक्स	1. 1998 में हुए आल इण्डिया रूरल स्पोर्टस टूर्नामैंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 2. 2000 में हुए एच० एस० एस० टी० में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 3. 2001 में हुए 46वें नेशनल स्कूल ऐथलटिक्स चैम्पियनशिप में तीसरी बार हिस्सा लिया।

1	2	3	4	5	6
					4. जनवरी 2001 में हुए 46वें नेशनल स्कूल ऐथलेटिक्स चैम्पियनशिप में चौथी बार हिस्सा लिया।
					5. इसने कई अन्य टूर्नामैंट्स में हिस्सा लिया।
81.	सिपाही हबीब खान	2/691	हिसार	फुटबाल	1. 2000 में हुए आल इण्डिया नोर्थ जोन फुटबाल चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया।
					2. 2000 में यमुनानगर में हुए कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी गेम्ज और 2001 में हिसार में हुए गेम्ज में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
					3. 2001 में चण्डीगढ़ में हुए नोर्थ जोन जूनियर नेशनल गैम्ज में हिस्सा लिया।
					4. 1997 में हुए नेशनल सबरोट मुखेर्जा फुटबाल कप में हिस्सा लिया।
					5. 1999 में हुए हरियाणा स्टेट फुटबाल चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
82.	सिपाही राजेश सिहाग	2/611	हिसार	ऐथलेटिक्स	1. दिसम्बर 2000 में डेक्थलोन इवैंट में हुए 12वें आई० टी० बी० इन्टर जोनल जूनियर ऐथलेटिक्स में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
					2. 2000 में हुए 16वें हरियाणा स्टेट स्पोर्टस फैस्टिवल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
83.	सिपाही पंकज देव	2/277	हिसार	बोक्सिंग	1. 1995 में हुए हरियाणा स्टेट सब जूनियर बोक्सिंग चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
					2. 1998 में हुए हरियाणा स्टेट सब जूनियर बोक्सिंग चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

1	2	3	4	5	6
					3. 1979 में हिसार में हुए हरियाणा स्टेट स्कूल टूर्नामेंट में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
84.	सिपाही दीपक राठी	4/91	हिसार	बास्केट बाल	1. 1999 में हुए नेशनल बास्केट बाल चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
					2. 2000 में हुए 34वें हरियाणा स्टेट सीनियर बास्केट बाल चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
85.	सिपाही राम पाल	2/321	जींद	ऐथलेटिक्स	1. दिसम्बर 2000 में हुए 12वें आई०टी०सी० इन्टर जोन जूनियर नेशनल ऐथलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
					2. 1998 में हुए 33वें एच० एस० एस० टी० में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
86.	सिपाही विरेन्द्र सिंह	2/343	जींद	ऐथलेटिक्स	1. नवम्बर 1998 में हुए 33वें एच०एस०एस०टी० में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
					2. 1999 में हरियाणा में हुए 14वें इन्टर स्टेट जूनियर ऐथलेटिक में हिस्सा लिया।
					3. दिसम्बर 1999 में कुरुक्षेत्र स्पोर्टस मीट में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
87.	सिपाही राजेन्द्र सिंह	2/635	जींद	रैसलर	1. 1994 में हुए वर्ल्ड कैडिट चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया।
					2. 1997 में हुए आल इण्डिया इन्टर यूनिवर्सिटी चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
					3. 2001 में हुए इण्डियन स्टाईल 36वें नेशनल रैसलिंग चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

1	2	3	4	5	6
88.	सिपाही राजेन्द्र सिंह	4/796	जींद	बॉक्सिंग	1. 2000 में हुए 45वें नेशनल स्कूल गेम्ज में चांदी पदक प्राप्त किया। 2. 2000 में हुए 1वें नेशनल स्कूल गेम्ज में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। 3. 2000 में हुए हरियाणा स्टेट जूनियर बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
89.	सिपाही सुरेन्द्र	4/664	जींद	बॉक्सिंग	1. 31वें हरियाणा स्टेट स्कूल चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 2. 31वें हरियाणा स्टेट स्कूल चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 3. 13वें सब जूनियर चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 4. हरियाणा इन्टर कालेज चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 5. रोहतक में हुए हरियाणा फेस्टियल में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
90.	सिपाही नरेश कुमार	4/991	जींद	कबड्डी	1. 1996 में हुए 3वें जूनियर नेशनल कबड्डी चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
91.	सिपाही मनजीत सिंह	4/917	जींद	कबड्डी	1. मटलोड (पानीपत) में हुए हरियाणा स्टेट सर्कल कबड्डी चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया।
92.	सिपाही अमित धुल	4/674	जींद	वालीबाल	1. रेवा (एम०पी०) में हुए नेशनल स्कूल में हिस्सा लिया। 2. हरियाणा स्टेट वालीबाल फैडरेशन आफ इण्डिया में हिस्सा लिया। 3. जींद में रूरल स्पोर्टस टूर्नामेंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
93.	सिपाही विक्रम सिंह	4/675	जींद	बास्केट बाल	1. 1997 में हुए हरियाणा स्टेट बास्केट बाल चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

1	2	3	4	5	6
					2. 2001 में हुए सीनियर नेशनल बास्केट बाल चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया।
94.	सिपाही दलबीर सिंह	4/668	जींद	रैसलिंग	1. 1998 में हुए नेशनल एवं स्टेट रैसलिंग चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया।
95.	सिपाही विक्रम सिंह	2/271	रिवाड़ी	फुटबाल	1. 1997 में हुए 32वें एच०एस० एस०टी० में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
					2. 1998 में हुए 33वें एच०एस० एस०टी० में हिस्सा लिया।
					3. 1997 में हुए 34वें एच०एस० एस०टी० में हिस्सा लिया।
96.	सिपाही देवेन्द्र सिंह	2/355	रिवाड़ी	बास्केट बाल	1. 1999 में हुए एच०एस० जूनियर बी०बी० चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
					2. 1995 में हुए सब जूनियर नेशनल बी०बी०सी० में हिस्सा लिया।
97.	सिपाही आज़ाद सिंह	2/416	गुड़गांव	हॉकी	1. स्टेट स्कूल चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
					2. इण्डियन इन्स्टीच्यूट ऑफ टैक्नोलोजी गेम्ज में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
					3. नेशनल स्कूल हॉकी गेम्ज में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
					4. 1995 में हुए एच०एस० एस०एफ० में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
98.	सिपाही बादल	4/581	गुड़गांव	कबड्डी	1. 2000 में हुए एशियन कबड्डी चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
					2. 1998 में हुए 24वें आल इण्डिया रुरल स्पोर्टस में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
					3. 26वें जूनियर नेशनल कबड्डी चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

1	2	3	4	5	6
99.	सिपाही परवीन आर्या	2/450	कुरुक्षेत्र	हॉकी	1. 2001 में हरियाणा में हुए नेशनल हॉकी चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया। 2. दिसम्बर 2000 में हुए 60वें हॉकी चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया। 3. जनवरी 2000 में कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी टीम में हुए आल इण्डिया हॉकी टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। 4. 1993 में हुए 12वें हरियाणा स्टेट मिडिल स्कूल टूर्नामेंट में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 5. 28वें आल इण्डिया रूरल स्पोर्टस टूर्नामेंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 6. 32वें हरियाणा स्टेट ब्वायज हॉकी टूर्नामेंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 7. 5वें आल इण्डिया साई इन्टर होस्टल हॉकी टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। 8. 27वें ऑल इण्डिया रूरल स्पोर्टस टूर्नामेंट में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
100.	सिपाही भूपेन्द्र सिंह	2/739	कुरुक्षेत्र	फुटबाल	1. नवम्बर 2000 में हुए कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी में नोर्थ जोन फुटबाल में हिस्सा लिया। 2. 1998 में हरियाणा में हुए 33वें हरियाणा ब्वायज स्कूल टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। 3. 1999 में हुए 34वें हरियाणा ब्वायज स्कूल टूर्नामेंट में हिस्सा लिया।
101.	सिपाही मलकीत सिंह	2/806	कुरुक्षेत्र	हॉकी	1. 1996 में हुए 27वें आल इण्डिया रूरल स्पोर्टस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

1	2	3	4	5	6
					2. 1997 में हरियाणा में हुए 43वें नेशनल स्कूल गेम्ज में हिस्सा लिया।
					3. 1997 में हुए 33वें हरियाणा स्टेट स्कूल ब्वायज चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया।
102.	सिपाही अनिश मलिक	2/880	कुरुक्षेत्र	हॉकी	1. 2000 में हुए 16वें हरियाणा स्टेट स्पोर्टस फैस्टिवल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
					2. 1999 में हुए एच०एस० जवाहर लाल नेहरू हॉकी टूर्नामैंट में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
					3. 2000 में हुए 6वें आल इण्डिया साई इन्टर होस्टल हॉकी टूर्नामैंट में हिस्सा लिया।
103.	सिपाही परमिन्द्र सिंह	4/658	कुरुक्षेत्र	साईकलिंग	1. 31वें जूनियर नेशनल साईकलिंग चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया।
					2. 4000 मीटर रैस में हुए आल इण्डिया इन्टर यूनिवर्सिटी साईकलिंग चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
					3. 2001 में 1500 मीटर एवं 3वें स्थान में हुए 50 मीलो मीटर आल इण्डिया इन्टर यूनिवर्सिटी साईकलिंग चैम्पियनशिप में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
104.	सिपाही धनवन्त सिंह	4/836	कुरुक्षेत्र	साईकलिंग	1. हरियाणा स्टेट 4000 मीटर परस्यूट साईकलिंग चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
					2. हरियाणा स्टेट 1500 मीटर टी०टी० टरायल साईकलिंग चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

1	2	3	4	5	6
					3, हरियाणा स्टेट 10 किलो मीटर प्वायंट रेस चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
105.	सिपाही संजीव कुमार	4/898	कुरुक्षेत्र	वालीबाल	1. 1997 में हुए 43वें नेशनल स्कूल गेम्ज आफ इण्डिया में हिस्सा लिया। 2. 1999 में पंजाब में हुए 13वें नेशनल स्कूल गेम्ज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 3. 1999 में वैस्ट बंगाल में हुए 14वें नेशनल स्कूल वालीबाल चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया। 4. 2000 में हुए 27 वें जूनियर नेशनल वालीबाल चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया।
106.	सिपाही रविन्द्र सिंह	4/816	कुरुक्षेत्र	वालीबाल	1. 2000 में नोर्थ जोन एवं आल इण्डिया इन्टर यूनिवर्सिटी वालीबाल चैम्पिथनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 2. 1997 में हुए नेशनल वालीबाल चैम्पियनशिप फैडरेशन आफ इण्डिया में हिस्सा लिया। 3. 1995 में हुए स्टेट स्पोर्टस फेस्टिवल में हिस्सा लिया।
107.	सिपाही संजीव कुमार	4/814	कुरुक्षेत्र	वालीबाल	1. 2000 में हुए आल इण्डिया इन्टर यूनिवर्सिटी एवं नार्थ जोन वालीबाल चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 2. 1998 में हुए 47वें सीनियर नेशनल वालीबाल चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया। 3. 1995 में हुए 25वें आल इण्डिया रूरल स्पोर्टस टूर्नामैंट में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 4. 1999 में हुए हरियाणा स्टेट वालीबाल चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

1	2	3	4	5	6
108.	सिपाही योगेश कुमार	4/792	कुरुक्षेत्र	वालीबाल	1. नेशनल वालीबाल चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया। 2. नेशनल वालीबाल चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया। 3. कुरुक्षेत्र यूएनआई में हुए इन्टर कालेज वालीबाल चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
109.	सिपाही सुरेन्द्र कुमार	1/768	कुरुक्षेत्र	वालीबाल	1. 1998 में हुए पंजाब यूनिवर्सिटी स्पोर्टस टूर्नामैंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 2. 1997 में हुए 32वें हरियाणा स्टेट स्कूल टूर्नामैंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 3. 1998 में हुए नेशनल स्कूल गेम्ज चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
110.	सिपाही तरसेम सिंह	2/683	कैथल	ऐथलैटिक्स	1. नवम्बर 1999 में हुए 76 वें पंजाब जूनियर ऐथलैटिक्स चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 2. स्टेट आफ पंजाब में 46वें नेशनल स्कूल ऐथलैटिक्स में हिस्सा लिया। 3. 2001 में हुए चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया। 4. 2000 में 77वें पंजाब जूनियर ऐथलैटिक्स चैम्पियनशिप में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
111.	सिपाही महावीर कुमार	2/717	कैथल	हॉकी	1. 1996 में हुए 31वें एच०एस० एस०टी० में हिस्सा लिया। 2. फरवरी,1996 में हुए एच०एस० मिनी स्पोर्टस फैस्टिवल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 3. 1996 में हुए 26वें आल इण्डिया रूरल स्पोर्टस टूर्नामैंट में हिस्सा लिया।

1	2	3	4	5	6
112.	सिपाही ओम प्रकाश	4/671	कैथल	जुडो	1. 1997 में हुए 43वें नेशनल स्कूल गैम्ज में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
113.	सिपाही अकाशदीप	2/212	अम्बाला	जिमनास्टिक	1. 2000 में हुए 41वें सीनियर नेशनल जिमनास्टिक चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 2. 1997 में हुए 42वें नेशनल स्कूल जिमनास्टिक फैडरेशन आफ इण्डिया में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 3. 2000 में हुए आल इण्डिया इन्टर यूनिवर्सिटी जिमनास्टिक चैम्पियनशिप में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
114.	सिपाही सोमवीर सिंह	2/453	चुरू (राजस्थान)	ऐथलेटिक्स	1. 1998 में हुए नेशनल स्कूल शोट पुट इन में हिस्सा लिया। 2. 1998 में हुए एम०डी०एस० यूनिवर्सिटी अजमेर स्कयूर में हिस्सा लिया।

खिलाड़ी (पुरुष) सिपाहियों का जिलावार विवरण

रोहतक	13
करनाल	14
झज्जर	05
सोनीपत	15
पानीपत	09
फतेहाबाद	01
भिवानी	22
हिसार	05
जीन्द	10
रिवाड़ी	02
गुड़गांव	02
कुरुक्षेत्र	11
कैथल	03
अम्बाला	01
चुरू (राजस्थान)	01
कुल	**114**

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

भाग - II

भर्ती किये गये महिला खिलाड़ी (सिपाही) व्यक्तियों का विस्तृत विवरण।

क्रम संख्या	पद तथा नाम	गृह जिला	खेल का नाम	उपलब्धियां
1	2	3	4	5
1.	सुनिता शर्मा	हिसार	रैसलिंग	1. 1998 में हुए 2वें वुमैन नेशनल चैम्पियनशिप में चाँदी पदक प्राप्त किया।
				2. उलान बैटर मंगोलिया में हुए 15वें एशियन सीनियर फ्री स्टाईल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
				3. अगस्त 2000 में नई दिल्ली में हुए 3वें एशियन जूनियर वुमैन रैसलिंग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
				4. एफ०आई०एल०ए० डिप्लोमा होल्डर (वर्ल्ड चैम्पियनशिप)।
2.	सीमू	हिसार	रैसलिंग	1. अप्रैल 2000 में हुए 4वें सब जूनियर फ्री स्टाईल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
				2. जून 2000 में बंगलौर में हुए 21वें जूनियर नेशनल रैसलिंग चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
				3. अप्रैल, 2001 में आनन्दपुर साहिब में हुए नेशनल रैसलिंग चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
				4. जून, 2000 में बंगलौर में हुए नेशनल रैसलिंग चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
				5. जून, 2001 में भोपाल (एम०पी०) में हुए नैशनल रैसलिंग चैम्पियनशिप में चांदी पदक प्राप्त किया।
				6. मई, 1998 में नाथ द्वारा (राजस्थान) में हुए नेशनल रैसलिंग चैम्पियनशिप में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

1	2	3	4	5
3.	मोनिका दहिया	दिल्ली	रैसलिंग	1. नवम्बर, 2000 में हुए एच०डब्ल्यू० डब्ल्यू० में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
				2. दिसम्बर, 2000 में हुए 4वें वुमैन सीनियर नेशनल रैसलिंग चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
				3. जून, 2000 में हुए 3वें गर्ल्ज जूनियर नेशनल रैसलिंग चैम्पियनशिप में चाँदी पदक प्राप्त किया।
4.	मीना कुमारी	हिसार	रैसलिंग	1. जून, 2001 में हुए नेशनल, 1998 में हुए 3वें फ्री स्टाईल नेशनल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
				2. 1999 में हुए हरियाणा स्टेट स्पोर्टस फेस्टिवल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
				3. 2001 में हुए 18वें हरियाणा सब जूनियर में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
5.	विजय लक्ष्मी	हिसार	रैसलिंग	1. 15वें एच०एस०एस०एफ० 1999 में हिस्सा लिया।
				2. अक्तूबर, 2000 में फरीदाबाद में हुए 18वें हरियाणा स्टेट सब-जूनियर रैसलिंग चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
				3. अक्तूबर, 2001 में हुए 17वें हरियाणा स्टेट गेम्ज में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
6.	उषा शर्मा	हिसार	कोच (डब्ल्यू)	1. बंगलौर में हुए जूनियर नेशनल चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया।
				2. जुलाई, 2000 में इण्डियन कैम्प में कोच रही।
				3. अगस्त, 2000 में दिल्ली में हुए 3वें जूनियर एशियन चैम्पियनशिप में कोच रही।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

1	2	3	4	5
				4. जून, 2001 में इण्डियन कैम्प तथा इण्डियन टीम सीनियर एशियन चैम्पियनशिप मंगोलिया में कोच रही।
				5. अगस्त, 2001 में इण्डियन कैम्प तथा इण्डियन टीम फार वर्ल्ड चैम्पियनशिप मंगोलिया में कोच रही।
				6. कोच होते हुए इस की टैनीज मिस सुनीता शर्मा ने जून, 2001 में मंगोलिया में हुए सीनियर एशियन चैम्पियनशिप और अगस्त, 2000 में दिल्ली में हुए जूनियर एशियन चैम्पियनशिप में चाँदी पदक प्राप्त किया।
7.	सुनिल जून	झज्जर	ऐथलेटिक्स	1. दिसम्बर, 2000 में हुए 800 मीटर 26वें नेशनल स्पोर्टस फैस्टिवल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
				2. जनवरी, 2001 में हुए 1500 मीटर नेशनल स्कूल गेम्ज में द्वितीय स्थान तथा 800 मीटर नेशनल स्कूल गेम्ज में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
				3. जनवरी, 2000 में हुए नेशनल स्कूल गेम्ज में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
8.	नेस नगर	कैथल	ऐथलेटिक्स	1. 2000 में हुए 2वें नेशनल कराटे चैम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
				2. 2000 में हुए 5वें एच०एस० कराटे चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
				3. औरंगाबाद में हुए 5वें नेशनल वुमैन कराटे चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
				4. 2001 में हुए 6वें एच०एस० कराटे चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

1	2	3	4	5
				5. 1999 में हुए 21वें नेशनल ओपन टेकूर चैम्पियनशिप में चाँदी पदक प्राप्त किया।
9.	रेखा कौशिक	रिवाड़ी	ऐथलेटिक्स	1. 1998 में 2000 मीटर में हुए 9वें एन०वी०एस० नेशनल ऐथलेटिक्स मीट में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
10.	नरेश कुमारी	भिवानी	ऐथलेटिक्स	1. 2001 में 800 मीटर रेस और 1500 मीटर रेस में हुए एम०डी० यू० मीट में स्थान प्राप्त किया।

खिलाड़ी (महिला) सिपाहियों का जिलावार विवरण

हिसार	5
भिवानी	1
झज्जर	1
कैथल	1
रिवाड़ी	1
दिल्ली	1
कुल	10

Development of Residential Sector in City Palwal

139. Shri Karan Singh Dalal : Will the Minister for Town and Country Planning be pleased to state —

(a) the time by which the residential sector-2 in Palwal City is likely to be developed; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to develop more residential sectors in Palwal City in near future ?

नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह) :

(क) पलवल के सैक्टर-2 के मुख्य भाग में विकास कार्य पूरा हो चुका है और घर बनाने हेतु 1330 प्लॉटों का कब्जा अलॉटियों को दिया जा चुका है।

शेष भाग में विकास कार्य किया जा रहा है और अक्तूबर, 2003 तक पूरे हो जाने की सम्भावना है।

[श्री धीरपाल सिंह]

(ख) पलवल शहर के रिहायशी सैक्टर-10, 11 और 12 के विकास पर विचार किया जा रहा है। भूमि अधिग्रहण अधिनियम की धारा-4 और 6 के अन्तर्गत इन क्षेत्रों के लिये अभी तक किसी भूमि की अधिसूचना जारी नहीं की गई है।

Number of Widow Pensioners

140. Shri Karan Singh Dalal : Will the Minister of State for Social Welfare be pleased to state the districtwise total number of widow pensioners in the State at present ?

समाज कल्याण राज्य मंत्री (श्री रिसाल सिंह) : राज्य में इस समय के जिलावार विधवा पैंशनरों की कुल संख्या का विवरण निम्न प्रकार है :—

विवरण

क्रम संख्या	जिला	वर्तमान विधवा पैंशनरों की संख्या
1.	अम्बाला	13339
2.	पंचकूला	3951
3.	यमुनानगर	13989
4.	कुरुक्षेत्र	13474
5.	कैथल	18955
6.	करनाल	20730
7.	पानीपत	13403
8.	सोनीपत	22006
9.	फरीदाबाद	24515
10.	गुड़गांव	20099
11.	रेवाड़ी	9461
12.	नारनौल	10215
13.	जींद	20385
14.	रोहतक	13787
15.	झज्जर	12676
16.	भिवानी	23797
17.	हिसार	26784
18.	फतेहाबाद	16495
19.	सिरसा	21044
	कुल	319105

Vacant Posts of Doctors/Nurses etc.

141. Shri Karan Singh Dalal : Will the Minister of State for Health be pleased to State —

(a) the number of Doctors/Nurses/Attendant lying vacant in Primary Health Centres, Alawalpur and Dudhola in District Faridabad; and

(b) the time by which the aforesaid vacancies are likely to be filled up?

स्वास्थ्य राज्य मंत्री (डा० एम० एल० रंगा) : सूचना निम्न प्रकार से है :—

पद नाम	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अलावलपुर, जिला फरीदाबाद			प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र दुधोला, जिला फरीदाबाद		
	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	खाली पद	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	खाली पद
वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	-	-	-	1	1	-
चिकित्सा अधिकारी	2	1	- एक चिकित्सा अधिकारी का पद मैडीकल कालेज रोहतक में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु स्थानान्तरित किया हुआ है।	2	1	1
नर्स	-	-	-	-	-	-
अटैण्डैण्ट (चतुर्थ श्रेणी)	2	2	-	4	3	1

(ख) (1) चिकित्सा अधिकरियों के 150 पद भरने के लिए हरियाणा लोक सेवा आयोग को मांग पत्र भेजा हुआ है। तदानुसार आयोग में 17-2-2003 से साक्षात्कार चल रहे हैं। हरियाणा लोक सेवा आयोग से सिफारिश प्राप्त होने पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र दुधोला में चिकित्सा अधिकारी का रिक्त पद भर लिया जाएगा।

(2) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अलावलपुर तथा दुधोला, जिला फरीदाबाद में अंतरंग रोगी सुविधा नहीं है। इसलिए स्टाफ नर्स के पद स्वीकृत नहीं हैं।

(3) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, दुधोला, जिला फरीदाबाद में एक अटैण्डैन्ट (चतुर्थ श्रेणी) का रिक्त पद भरने के लिए सिविल सर्जन फरीदाबाद को लिखा जा रहा है।

Amount of Small Savings

155. Shri Ram Kishan Fauji : Will the Minister for Finance be Pleased to state the amount of loan of Small Savings Schemes which was outstanding against the Haryana Government as on 31-03-1999 and 31-01-2003 ?

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : हरियाणा सरकार के विरुद्ध अल्प बचत योजनाओं के ऋण की 31-3-1999 को 3039.27 करोड़ की राशि तथा 31.1.2003 को 5691.71 करोड़ की राशि बकाया देय है।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की सूचना

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, इससे पहले हमने भी एक कालिंग अटैंशन मोशन दिया है कि स्टेट में जौंडिस की बीमारी के फैलने से काफी लोगों की मौतें हो रही है, उस बारे में आपने क्या किया।

श्री अध्यक्ष : वह अन्डर कंसीड्रेशन है और वह आज डिसाइड हो जायेगा ।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव

कृषि तथा घरेलू क्षेत्रों की बिजली की सप्लाई संबंधी

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received a calling attention notice from Shri Ajay Singh Yadav, MLA and 10 other MLAs regarding supply of power to the agriculture sector and domestic sector. I admit it. Shri Ajay Singh Yadav, M.L.A. may read his notice.

Capt. Ajay Singh Yadav : I want to draw the attention of this august House towards a matter of great public importance and relating to an urgent matter regarding supply of power to the agriculture sector and domestic sector. The power supply is not satisfactory in the State and is causing a great inconvenience to the farming community as well as domestic consumers. The Government has totally failed in this respect.

I request the Government that adequate power supply round the clock may be made available to the farmers especially for the current Rabi crop season as the farmers have already suffered a lot on account of mal-administration, negligence and carelessness of the State Government due to drought. Moreover, the domestic supply in the villages is also disrupted and has caused a great inconvenience to the people in general and students in particular as the examinations days are very near.

I have urged that the Government should give a statement on the floor of the House and clear its stand as to what steps have been taken to remove the genuine grievance of the farming community in relation to supply of power for Rabi crop.

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, क्या हमें इस पर एक-एक सप्लीमैंटरी पूछने का मौका मिलेगा ।

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, अभी आप बैठिए ।

वक्तव्य

मुख्य संसदीय सचिव द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव संबंधी

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा) : वर्तमान सरकार के शासनकाल के पिछले साढ़े तीन वर्ष की अवधि में राज्य की बिजली आपूर्ति में अत्यधिक सुधार हुआ है। सरकार राज्य के हर बिजली उपभोक्ता को अधिक से अधिक एवं अच्छी गुणवत्ता वाली बिजली देने में सफल रही है । पिछली तीन सरकारों के समय के बिजली आपूर्ति के तुलनात्मक आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं :—

वर्ष	कुल बिजली आपूर्ति (लाख यूनिट प्रतिदिन)	ग्रामीण क्षेत्र को दी गई बिजली (लाख यूनिट प्रतिदिन)
1990-91	229	125
1991-92	268	156
1992-93	297	174
1993-94	286	164
1994-95	299	159
1995-96	334	174
1996-97	348	187
1997-98	348	174
1998-99	367	184
1999-00	415	220
2000-01	447	234
2001-02	475	244
2002-03 (जनवरी 2003 तक)	525	272

उपरलिखित आंकड़ों से स्पष्ट है कि चालू वर्ष में 1995-96 (चौधरी भजन लाल की सरकार) के मुकाबले 57 प्रतिशत और 1998-99 (चौधरी बंसी लाल की सरकार) के मुकाबले 43 प्रतिशत अधिक बिजली राज्य में दी जा रही है । अगर ग्रामीण क्षेत्र को मिलने वाली बिजली का आकलन करें तो यह बढ़ौतरी 1995-96 के मुकाबले 56 प्रतिशत और 1998-99 के मुकाबले 48 प्रतिशत अधिक है ।

पिछले खरीफ की फसल के समय सूखे के बावजूद राज्य में अच्छी फसल हुई है जिसका श्रेय उचित बिजली आपूर्ति को जाता है । वर्तमान सरकार ने बिजली की बढ़ी मांग को ध्यान में रखते हुए और किसान भाईयों को सूखे की मार से बचाने के लिए अधिक से अधिक बिजली उपलब्ध करवाई गई ।

[श्री राम पाल माजरा]

बिजली की उपलब्धता बढ़ाने के लिए जहां एक तरफ अपने बिजली घरों से उत्पादन में वृद्धि की गई वहीं पड़ौसी राज्यों से एवं उत्तरी ग्रिड से भी बिजली खरीदी गई ।

इस वर्ष खरीफ की फसल के दिनों में ग्रामीण क्षेत्र को दी गई बिजली व उसके मुकाबले वर्ष 1998-99 के आंकड़े निम्न प्रकार हैं :-

महीना	बिजली आपूर्ति के आकड़े (लाख यूनिट प्रतिदिन)		
	1998-99	2002-03	बढ़ौत्तरी
अप्रैल	156	196	40
मई	177	238	81
जून	201	283	82
जुलाई	221	344	124
अगस्त	224	360	136
सितम्बर	183	300	117

इसी प्रकार चालू रबी की फसल के दौरान भी किसानों को पिछले वर्षों के मुकाबले बहुत अधिक बिजली दी जा रही है । हालांकि दिसम्बर एवं जनवरी के महीनों में कुछ दिन फरीदाबाद गैस ताप बिजलीघर की एक इकाई के बंद रहने एवं एन०टी०पी०सी० के प्रमुख शिहंद ताप बिजली घर को जोड़ने वाली एच०वी०डी०सी० लाइन में खराबी आने के कारण बिजली की उपलब्धता में कमी रही थी फिर भी राज्य सरकार ने उत्तरी क्षेत्रीय ग्रिड से एवं अन्य स्त्रोतों से बिजली खरीद कर कृषि क्षेत्र की मांग को पूरा किया है ।

रबी की फसल के दिनों में ग्रामीण क्षेत्र को वर्ष 1998-99 के मुकाबले चालू वर्ष में दी गई बिजली के तुलनात्मक आंकड़े निम्न प्रकार हैं :—

महीना	ग्रामीण क्षेत्र को दी गई बिजली आपूर्ति के आंकड़े (लाख यूनिट प्रतिदिन)		
	1998-99	2002-03	बढ़ौत्तरी
अक्तूबर	137	280	143
नवम्बर	164	252	88
दिसम्बर	193	247	54
जनवरी	178	215	37
फरवरी	194	237	43
सालाना औसत	184	272	88

इस प्रकार यह स्पष्ट है कि मौजूदा सरकार के समय में पिछली सरकारों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्र को बहुत अधिक बिजली दी गई है । रबी की फसल के लिए कृषि क्षेत्र की सिंचाई की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, इस समय कृषि नलकूपों को पहले 8 घंटे के मुकाबले कम से

कम 10 घंटे प्रतिदिन बिजली दी जा रही है । इसके साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों को रोशनी के लिए प्रतिदिन रात को 11 से 12 घंटे बिजली दी जा रही है । इस प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू उपभोक्ताओं की यथा उचित बिजली की मांग पूरी की गई है और विधार्थियों के हितों का पूरा ख्याल रखा गया है । निगमों का प्रयास रहा है कि राज्य में कुल बिजली उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए 10 घंटे से भी अधिक नलकूपों को बिजली दी जाए । 1 मार्च 2003 से आज तक प्रतिदिन 10 से 16 घंटे तक नलकूपों को बिजली दी जा रही है ।

आजकल कृषि क्षेत्र को पिछले वर्ष के मुकाबले लगभग 10 प्रतिशत बिजली अधिक दी जा रही है। हालांकि हर दिन पिछले वर्ष के मुकाबले अधिक बिजली दी गई परन्तु बारिश की वजह से 18 से 22 फरवरी एवं 1 व 2 मार्च को इस वर्ष बिजली की खपत पिछले वर्ष के मुकाबले कम रही ।

हमें पूर्ण विश्वास है कि आने वाले समय में भी इसी प्रकार अधिक बिजली दी जा सकेगी और कृषि क्षेत्र की मांग को पूरा किया जाएगा ।

वर्तमान सरकार ने खरीफ के फसल के दिनों में सूखे की स्थिति को देखते हुए किसान भाईयों को विशेष छूट दी थी जिनमें से मुख्य निम्न प्रकार हैं :-

क. उन किसानों के, जिनकी फसल का खराबा 50% से अधिक पाया गया, उनको 1-6-2002 से 30-9-2002 की अवधि के बिजली बिलों की अदायगी बिना सरचार्ज के 6 महीने बाद यानि के अप्रैल 2003 तक करने की छूट दी गई ।

ख. साथ ही उन किसान भाईयों को जिनकी फसल का खराबा 75% से अधिक पाया जाएगा, उनके इस अवधि के बिजली बिलों की अदायगी को पूर्णत्या माफ कर दिया जाएगा ।

ग. अक्तूबर 2002 से पहले बिजली उपभोक्ताओं को अपने बकाया बिजली बिलों की अदायगी के लिए दी गई सरचार्ज माफी योजना के समय को और आगे बढ़ा दिया गया । साथ ही इस योजना को उन उपभोक्ताओं को भी उपलब्ध करवाया गया जिनके कनैक्शन स्थाई तौर पर काटे जा चुके थे ।

वर्तमान सरकार ने राज्य की बढ़ती हुई बिजली मांग को ध्यान में रखते हुए बिजली उत्पादन की नई परियोजनाओं पर ठोस कदम उठाये हैं । इन परियोजनाओं का मुख्य ब्यौरा निम्न प्रकार है :—

क. <u>पानीपत ताप इकाई - 7 व 8 (2 X 250 मैगावाट)</u>

लाऊ देवी लाल ताप बिजली घर की क्षमता वृद्धि के लिए 250-250 मैगावाट की दो इकाई लगाई जा रही हैं जिनको अक्तूबर 2004 एवं फरवरी 2005 तक पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है ।

ख. <u>पश्चिमी यमुना नहर चरण-2 (14.4 मैगावाट)</u>

इस परियोजना पर निर्माण कार्य अन्तिम चरण में है और वर्ष 2003-04 में पूरा कर लिया जाएगा ।

[श्री राम पाल माजरा]

ग. **यमुना नगर ताप बिजली घर चरण -2 (2X250 मैगावाट)**

इस परियोजना के निर्माण के लिए कई महत्वपूर्ण आरम्भिक कदम उठाए गए हैं।

घ. **पानीपत ताप इकाई -2 का नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण**

पानीपत ताप बिजली घर की 110 मैगावाट की इकाई-2 के नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण का कार्य लगभग पूरा किया जा चुका है। इस इकाई से शीघ्र ही बिजली उत्पादन शुरु हो जाएगा।

इसके अलावा ऐसी कई नई बिजली उत्पादन परियोजनाएं हैं जिनसे हरियाणा राज्य को आगामी वर्षों में बिजली उपलब्ध होगी। इन परियोजनाओं में प्रमुख हैं नाथपा झाकड़ी पन बिजली परियोजना, दुलहस्ती पन बिजली परियोजना, चमेरा पन बिजली परियोजना चरण-2, रिहन्द ताप बिजली घर चरण-2, कोलडैम पन बिजली परियोजना, कहलगांव ताप बिजली परियोजना, बढ़ ताप बिजली परियोजना, उत्तर करनपुरा ताप बिजली परियोजना, इत्यादि जोकि चालू पंच वर्षीय योजना एवं ग्यारहवीं पंच वर्षीय योजना के दौरान पूरी होने की आशा है। इन परियोजनाओं से हरियाणा राज्य को लगभग 1923 मैगावाट अतिरिक्त बिजली उपलब्ध होने की सम्भावना है।

घरेलू व कृषि उपभोक्ताओं को अच्छी बिजली देने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं :—

— नए कनैक्शन देने की गति में तेजी लाई गई है। जहां पिछले वर्षों में हर वर्ष 1000 से कम ट्यूबवैल के कनैक्शन दिए जाते थे वहीं वर्तमान सरकार के शासनकाल में पिछले तीन वर्षों में 24000 से अधिक कनैक्शन दिए गए हैं। इसी प्रकार घरेलू कनैक्शन देने में भी तेजी लाई गई है। सरकार ने एक नई तुरंत योजना के तहत गांव में जाकर 63392 घरेलू एवं गैर-घरेलू एवं गैर घरेलू कनैक्शन दिए हैं।

— उपभोक्ताओं को अच्छी बिजली देने के लिए 11 के०वी० के अधिक भार वाले 130 फीडरों को विभाजित करके 329 छोटे फीडरों में तबदील कर दिया है और 282 फीडरों को 688 फीडरों में विभाजित करने का कार्य चल रहा है। इस प्रकार उपभोक्ताओं को अच्छी वोल्टेज एवं अबाधित बिजली देने में सहायता मिली है।

— ग्रामीण क्षेत्रों में रोशनी के लिए रात को औसतन 11-12 घंटे बिजली प्रतिदिन दी जा रही है। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू एवं खेती के लिए पर्याप्त मात्रा में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है।

श्री अध्यक्ष : केवल 5 मैम्बर इस काल अटैंशन मोशन पर क्वैशचन पूछ सकते हैं।

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने जो स्टेटमैंट दी है उससे पता चलता है कि इनके राज में 1990-91 के अन्दर 229 लाख यूनिट प्रतिदिन बिजली पैदा हुई जबकि हमारे राज में वर्ष 1996-97 के अन्दर 348 लाख यूनिट प्रतिदिन बिजली पैदा हुई। इसका मतलब यह है कि हमारे राज में तो बिजली 50 परसैंट बढ़ी और इनके राज में 30 परसैंट की कमी आई। यानि इनके समय में तरकीबन 110 लाख यूनिट बिजली प्रतिदिन कम हुई। हमारे राज में

बिजली की डिमांड बढ़ी थी । मैं आपको बताना चाहता हूं कि आपका सबसे हाईस्ट टैरेफ नार्दर्न इण्डिया में है । यहां पर बहुत सूखा पड़ा है । आपकी तीनों कार्पोरेशन्ज ने काफी लोन ले रखा है और वे बहुत भारी डैबिट में है ।

श्री अध्यक्ष : आप लैक्चर न दें आप केवल क्वैश्चन पूछें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : मैं क्वैश्चन ही पूछ रहा हू । कुछ भूमिका तो बनानी ही पड़ेगी। मेरे कहने का मतलब है कि आपके तीनों बोर्ड्ज और कार्पोरेशन ने मैक्सिमम डैबिट दे रखा है । मैं आपका घोषणा पत्र पढ़ा रहा था । उसमें आपने लिखा है कि बिजली के खराब ट्रांसफार्मर 24 घण्टे में बदल देंगे, लेकिन वे आज बदले नहीं जा रहे । आपका घोषणा पत्र कहां गया । खरीफ की सारी फसल तो खराब हो गई जबकि रबी की फसल के लिए भी पूरी बिजली नहीं मिल पा रही । 3-4 दिनों तक ट्रांसफार्मर जले पड़े रहते हैं, कोई बदलता नहीं है । मैं कहना चाहता हूं कि आपके घोषणा पत्र के मुताबिक जो जले हुए ट्रांसफार्मर बदले जाने चाहिए थे वे क्यों नहीं बदले जा रहे । इसका क्या कारण है कि लोगों को पूरी बिजली नहीं मिल पा रही ।

आज हालत यह है कि 3-3 या 4-4 दिन तक लोगों को बिजली नहीं मिलती है और ट्रांसफार्मर्ज भी खराब होने पर बदले नहीं जाते हैं । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि सरकार का जो मैनीफैस्टो था कि किसानों को 24 घण्टे बिजली देंगे और ट्रांसफार्मर्ज खराब होने पर 24 घण्टे में बदले जाएंगे उसका क्या हुआ, क्या कारण है कि देहात और शहरों में पूर्ण बिजली नहीं मिल रही है और आज जगह जगह पावर कट लग रहे हैं ?

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, बिजली के बारे में पहले ही सारी स्थिति बता दी गई है पता नहीं कहां से ये कह देते हैं कि हमारे वक्त में बिजली के उत्पादन में बढ़ौतरी हुई । इनके वक्त में बिजली की जो हालत थी मैंने वह पहले ही बता दी है कि इनके वक्त में जो बिजली पैदा होती थी और हमारे वक्त में जो बिजली पैदा होती है उसमें 57% की बढ़ौतरी हुई है । स्पीकर सर, इसी प्रकार से 1995-96 के मुकाबले में बिजली में 56% और 48% क्रमशः ग्रामीण क्षेत्रों को ज्यादा बिजली दी गई है । हमने आगे प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए स्कीम बनाई है । जहां तक जनरेशन का सवाल है, आगे बिजली की पैदावार बढ़ेगी जैसे कि पानीपत थर्मल प्लांट की 7वीं और 8वीं इकाइयां, पश्चिमि यमुना नहर के चरण 2 का 14.4 मेगावाट, यमुना ताप बिजली घर । स्पीकर सर, पानीपत की दूसरी इकाइयां शुरु होने से उत्पादन में बढ़ौतरी होगी । स्पीकर सर, ये अपने जमाने की बात करते हैं इनको ध्यान नहीं है कि किस प्रकार से यमुनानगर थर्मल पावर प्लांट स्टेशन को निलम्बित किया, कभी एच०वी०पी०एन० के पास ले गए कभी एच०वी०पी०एन० से छीन लिया, कभी इन्होंने इसको कहीं दिया और अन्त में इजराईल की एक कम्पनी आईजनबर्ग को दिया था । इस कम्पनी ने कभी भी बिजली नहीं बनाई थी और न ही बिजली बनाने में इस कम्पनी की कोई रैपुटेशन रही है (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, यह कम्पनी सिर्फ लिपस्टिक, लाली, सुरमा, पाउडर आदि बनाने वाली कम्पनी है । ये इस लाली और पाउडर बनाने वाली कम्पनी को ठेका दे कर बिजली उत्पादन का भट्ठा बिठा कर गए थे । आज बिजली की इतनी बढ़िया व्यवस्था चल रही है कि किसी प्रकार का कोई पावर कट नहीं है और निरन्तर 24 घण्टे बिजली मिल रही है और हर जगह मिल रही है । हमने इस पर अपना पूरा रिप्लाई दिया है । स्पीकर सर, यूं तो कोई भी कुछ भी कहता रहे ।

डा० रघुबीर सिंह कादियान : स्पीकर सर, पावर सप्लाई में जिस ढंग से पूरे प्रदेश में जो पुरानी और लूज वायर सिस्टम है और जो डिक्लेयर या अनडिक्लेयर लोड ज्यादा है और ट्रांसफार्मर कम कैपेसिटी के हैं, क्या सरकार इस तरह का सर्वे करवाएगी कि कहां वायर रिप्लेसमैंट होनी है और जहां कम कैपेसिटी के ट्रांसफार्मर्ज हैं वहां पर ज्यादा कैपेसिटी के ट्रांसफार्मर्ज लगाए जाएंगे । अध्यक्ष महोदय, इसके 'बी' पार्ट में 7वीं और 8वीं यूनिट जो 250-250 मैगावाट की पानीपत में लगाने जा रहे हैं इन यूनिट्स को लगाने के लिए क्या कोई ग्लोबल टैंडर इनवाईट किये गये हैं या कोई डायरैक्ट फाईल पर आर्डर करके उसका टैंडर अलॉट हुआ था । क्या सरकार की नॉलेज में यह है कि जिस कम्पनी को ये टैंडर दिए गए हैं उन्होंने इस टैंडर को सबलैट किया और आगे 500 करोड़ रुपये का टैंडर सबलैट हुआ है । उसके बाद थर्ड जगह पर 'डिजनी' नाम की कम्पनी को टैंडर सबलैट किया गया है । अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहूंगा कि ऐसे क्या हालात थे कि ग्लोबल टैंडर न करके फाईल पर टैंडर दिए गए । अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय रामपाल माजरा जी से यह जानना चाहूंगा कि क्या टैंडर सबलैट करने की अथोरिटी सरकार की तरफ से थी ?

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलते हुए भी इन्होंने इस बात की चर्चा की थी कि एक ही फाईल पर आर्डर हो गए हैं, यह हो गया, वह हो गया, दो हजार करोड़ रुपये का फलां कर दिया लेकिन ऐसी कोई बात नहीं है । जिस प्रकार से इन्होंने पानीपत ताप बिजली घर के बारे में कहा है तो मैं इनको बताना चाहूंगा कि 7वीं और 8वीं इकाइयों का टैंडर 'भेल' को दिया गया है । यह एक बहुत ही प्रतिष्ठित भारत सरकार की कम्पनी है इसके लिए जवाबदेह वे खुद भी हैं । स्पीकर सर, इतनी बड़ी कम्पनी को टैंडर दिया गया है । यह टैंडर बी०एच०ई०एल० यानि भारत हैवी इलैक्ट्रिकल लिमिटिड को टर्न के आधार पर 1438 करोड़ रुपये की लागत से 26.03.2002 को सौंपा गया है । 7वीं और 8वीं यूनिटस की कमिशनिंग क्रमश: 31 और 35 महीने में होगी । स्पीकर सर, माननीय साथी को इस बात का पता होना चाहिए कि बी०एच०ई०एल० भारत सरकार की ऐजैंसी है और इस कम्पनी को यह टैंडर दिया गया है ।

अध्यक्ष महोदय, इस परियोजना के सभी मुख्य कार्य स्वयं 'भेल' कर रही है । जैसे कि बहला, टबाईन, जनरेटर, पम्प, मोटरें, ट्रांस्फार्मर, कंट्रोल इन्सोलेशन, तारें इत्यादि । बाकी के उपकरण और सिविल कार्य 'भेल' अपने सब - कांट्रैक्टर द्वारा जिसमें BHCLS शामिल है, वह कांट्रैक्ट की धारा 5 के अन्तर्गत करवा रहा है।

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने कहा है कि कहीं तारें ढीली हैं, उनको कसा गया है कि नहीं । जो बदलनी थी उनको बदला गया है कि नहीं । मैं इनको बताना चाहूंगा कि तारें कसी गई हैं । इनको मैं बिजली के बारे में भी बताना चाहूंगा । अब यह कह देंगे कि कम्पेरिजन करते हैं । अगर कम्पेरिजन होगा तभी तो पता चलेगा कि आपने कितना काम किया है और हमने कितना किया है । 24.7.98 को चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी मुख्यमंत्री बने थे । 15.2.03 तक के मैं आपके माध्यम से इनको आंकड़े बताना चाहूंगा कि हमारे सरकार के वक्त में 8093 किलोमीटर तारें कसी गई हैं । 1996-99 तक बंसी लाल जी मुख्यमंत्री थे उस वक्त 2779 किलोमीटर और 1991-96 तक भजन लाल जी थे उस वक्त 1790 किलोमीटर तारें कसी गई थीं । हमारे वक्त में इनसे पांच टाईम फालतू तारें जो ढीलीं थी उनको कसा गया है । हमारी

सरकार के वक्त में 19156 किलोमीटर तारें बदली गई हैं । बंसी लाल जी के वक्त में 11 हजार किलोमीटर और भजन लाल जी के वक्त में 13 हजार किलोमीटर तारें ही बदली गई थीं । (विघ्न) हमने जो तारें ढीली थी वे कस दी हैं और जो बदलने वाली थीं उनको बदल भी दिया है । अब कोई भी तार ढीली नहीं रखी जाएगी । (विघ्न) अब जो भी ढीलापन होगा उसको कस दिया जाएगा। चाहे वह इनका हो या तारों का हो । सबको कस दिया जाएगा । (विघ्न)

डा० रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, ये ट्रांसफार्मर्ज के बारे में भी बताएं ।

प्रो. सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, अगर आप परमिट करें तो मैं इनको इसके बारे में भी बता देता हूं । हमारी सरकार के वक्त में 22,346 ट्रांसफार्मर्ज खरीदे गए हैं । इनमें से 18 हजार आगुमैंट हुए हैं और 4 हजार की रिप्लेसमैंट की गई है । इस तरह से 22, 346 का जो फिगर है यह आल टाईम आल रिकार्ड है । (विघ्न) हमारे पास जब भी कम्पलेंट आती हैं उसके 24 घंटे के अन्दर ट्रांसफार्मर बदल दिया जाता है । हां लैक आफ इन्फर्मेशन की वजह से कई बार टाईम लग भी जाता है । वर्ना जो भी ट्रांसफार्मर के बारे में कम्पलेंट आती है उसको 24 घंटे में बदल दिया जाता है और आपको इस किस्म के हजारों उदाहरण मिल जाएंगे । (विघ्न)

डा० रघुवीर सिंह कादियान : * * * * * ।

श्री अध्यक्ष : कादियान साहब, आप बैठ जाएं । (विघ्न) कैप्टन साहब, आप बैठ जाएं । (विघ्न) ये जो भी बोल रहे हैं वह कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए । (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : * * * * ।

डा० रघुवीर सिंह कादियान : * * * * ।

श्री अध्यक्ष : आपके यहां पर ट्रांसफार्मर्ज होंगे तो बदल दिए जाएंगे । जब जल जाएंगे तो उनको बदल दिया जाएगा । (विघ्न) आप बैठ जाएं, आपका कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जा रहा है ।

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनको एक जानकारी और देना चाहूंगा कि हमारे राज में 24 घंटे में ही ट्रांसफार्मर्ज बदले नहीं जाते हैं बल्कि चार-पांच घंटे में भी बदल दिए जाते हैं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि प्रोब्लम कहां पर है और स्टोर कहां पर है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, जो बात ठीक है उसको तो इनको मान ही लेना चाहिए। अब उस बात के लिए भी ये यहां पर बहस करेंगे तो अच्छी बात नहीं है ।

राव धर्मपाल : अध्यक्ष महोदय, सी०पी०एस० महोदय, ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जवाब में बताते हुए कहा है कि पहले के अनुपात में बिजली में 57 प्रतिशत की बढ़ौतरी हुई है । मैं यहां पर आपके माध्यम से दक्षिणी हरियाणा की बात करना चाहूंगा क्योंकि रिवाड़ी और महेन्द्रगढ़ के तो मेरे पास आंकड़े नहीं हैं। वास्तविकता क्या है कि इस सरकार के आने के बाद किसान के लिए बिजली के रेट बढ़े लेकिन किसान ने वह भी बर्दाश्त कर लिया ।

श्री अध्यक्ष : राव साहब, आप क्वैशचन पूछें ।

राव धर्मपाल : स्पीकर साहब, वास्तविकता क्या है वह मैं आपको बताना चहाता हूं ।

** चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

श्री अध्यक्ष : आपको वास्तविकता नहीं पता, वास्तविकता तो मंत्री जी को पता है इसलिए आप अपना सवाल पूछें ।

राव धर्मपाल : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इन्होंने जो अपने जवाब में बताया है कि आठ दस घंटे बिजली मिल रही है तो क्या इसमें सच्चाई है ? मौके पर जाकर देखें तो पता लगेगा कि एक दिन बिजली दिन में आती है और दूसरे दिन नहीं आती । इसी तरह से नये कनैक्शन देने के बारे में पिछली सरकार ने घोषणा की थी कि केबल कनैक्शन के दस हजार रुपये, एक पोल के बीस हजार रुपये लिए जाएंगे । उसके बाद ही किसानों से पैसा जमा करवाया गया था और पैसा जमा करवाने के बाद यह बात आयी थी कि ट्रांसफार्मर की इतनी क्षमता नहीं है इसलिए पहले ट्रांसफार्मर बदले जाएंगे और उसके बाद ही कनैक्शन मिल पाएगा । क्या मंत्री महोदय यह बताएंगे कि क्या इस अवस्था में किसानों को नये बिजली के कनैक्शन देने के लिए उनको कुछ राहत दी जाएगी ?

श्री रामपाल माजरा : स्पीकर सर, बहुत लम्बे समय से बहुत सी दरख्वास्तें लम्बित पड़ी थीं । बहुत गहन अध्ययन के बाद ही इस बात को लिया गया था कि जो कनैक्शन पांच मीटर के थे, दस मीटर के थे, और जहां पर बिजली की चोरी होती थी, उनको कनैक्शन दिए जाएं । सरकार ने इस बात को ध्यान में रखते हुए ही तत्काल योजना शुरु की थी और इस तत्काल योजना के तहत विभिन्न स्लैब्स दिए गए कि केबल कनैक्शन है तो इतने रुपये, एक पोल लगता है तो इतने रुपये और दो पोल लगते हैं तो इतने रुपये लिए जाएंगे और समय-समय के मुताबिक इसको बदल भी दिया गया । अध्यक्ष महोदय, जहां पर यह बात आयी कि ट्रांसफार्मर की दिक्कत है तो ट्रांसफार्मर की भी अपनी योजना किसान को दी गयी । स्पीकर सर, यह बात केवल हरियाणा में ही नहीं बल्कि राजस्थान और दूसरे प्रदेशों में भी इसी तरह से ही हैं । पहले जिस तरह से एप्लीकेशंज के नम्बर्ज लगे रहते थे और नया कनैक्शन नहीं मिल पा रहा था और पिछली सरकार के वक्त में एक हजार ही कनैक्शन दिए गये थे लेकिन मैं इनको बताना चाहूंगा कि तत्काल योजना के तहत 24 हजार कनैक्शन मिले हैं जोकि एक रिकार्ड है। इसी बात को लेकर माननीय साथी ने कहा कि क्या इस स्कीम में कोई चेंज करेंगे मैं इनको बताना चाहूंगा कि इसकी तो यह पोलिसी ऐडवरटाइज होती है कि जिसको भी डिमांड नोटिस मिले वह अपना पैसा जमा करवाएं, सर्वे करवाएं और कनैक्शन लें। इसलिए इस नीति में अभी कोई परिवर्तन नहीं होगा और यह तत्काल योजना जारी रहेगी ।

श्री जितेन्द्र सिंह मलिक : स्पीकर सर, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में कहा है कि अक्टूबर, 2002 से पहले बिजली उपभोक्ताओं को अपने बकाया बिजली बिलों की अदायगी के लिए दी गई सरचार्ज माफी योजना के समय को और आगे बढ़ा दिया गया और साथ ही इस योजना को उन उपभोक्ताओं को भी उपलब्ध करवाया गया जिनके कनैक्शन स्थाई तौर पर काटे जा चुके थे । स्पीकर सर, जबकि हकीकत यह है कि ग्राउंड लेवल पर अधिकारी लोग इस बात को इम्पलीमैंट ही नहीं कर रहे हैं । स्पीकर सर, मंत्री महोदय अपने जवाब में जो बात कह रहे हैं वह नीचे के लेवल पर लागू नहीं हो रही है । उदाहरण के तौर पर मैं आपको बताना चाहूंगा कि गन्नौर हल्के के बजाना खुर्द गांव के सूबे सिंह इस बात के लिए बार-बार चक्कर लगा रहे हैं लेकिन उनकी बात निचले लेवल पर कोई नहीं सुन रहा है । मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि इस स्कीम के तहत अब तक कितने कनैक्शन दिए गए और कितने पैंडिंग हैं ? मंत्री जी यह भी बताएं

कि नये कनैक्शन लेने पर अब कितनी सिक्योरिटी लगायी हुई है और पहले यह सिक्योरिटी कितनी थी ?

श्री रामपाल माजरा : स्पीकर सर, जो सिक्योरिटी पहले जमा थी दरख्वास्त पैंडिंग थी उनके ऊपर ही नये कनैक्शन दिए जाते हैं। इसका समय निर्धारित किया जाता है कि फलां तारीख की सिक्योरिटी पर आप अपना आवेदन करें । स्पीकर सर, जो अब अपनी सिक्योरिटी जमा करवाएंगे उनको अभी कनैक्शन नहीं दिया जा सकता । जिनकी बहुत लम्बे समय से ऐप्लीकेशज 11.00 बजे पैंडिंग पड़ी हैं उनके लिए बाकायदा समय निश्चित किया गया था । इस सरकार के आने के बाद जो नलकूप कनैक्शन पैंडिंग थे वर्तमान सरकार के विशेष प्रयासों से उनको कनैक्शन दिये गये । 1993-94 में 4234, 1994-95 में 3233, 1995-96 में 2647, 1996-97 में 960, 1997-98 में 835, 1998-99 में 878, 2000-2001 में 9763 व 2001-2002 में 6950 व उसके बाद से अब तक 6804 कनैक्शन दिये गए हैं । इस प्रकार विगत तीन वर्षों में 24 हजार कनैक्शन दिये गये हैं ।

श्री अध्यक्ष : अब श्री जय प्रकाश बरवाला इस काल अटैंशन मोशन पर लास्ट क्वैशचन पूछेंगे ।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, अगर एक दो सप्लीमैंट्री और पूछ ली जाएंगी तो क्या हो जाएगा । मेरा भी इस काल अटैंशन मोशन में नाम है । मुझे भी सप्लीमैंट्री पूछने का मौका दें ।

श्री अध्यक्ष : काल अटैंशन मोशन पर सिर्फ पांच क्वैशचन पूछे जा सकते हैं आप रूल 73 पढ़ो उसके बाद कोई बात करना । (विघ्न) अगर मैं इसे ऐडमिट ही न करता तो आप क्या करते आपके बैटरमैंट के लिए ही मैंने यह किया है ।

चौ० जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, CPS साहब ने जो काल अटैंशन मोशन का जवाब दिया है इसमें बहुत से आकड़े सच्चाई से परे हैं, इन्होंने कहा है कि वर्तमान सरकार ने खरीफ की फसल के दिनों में किसान भाईयों को विशेष छूट दी थी जो निम्न प्रकार है - उन किसानों को जिनकी 50 प्रतिशत फसल खराब हुई थी उनको 1.6.2002 से 30.9.2002 की अवधि के बिजली बिलों की अदायगी बिना सरचार्ज के 6 महीने बाद यानि के अप्रैल 2003 तक करने की छूट दी गई । साथ ही उन किसान भाईयों को जिनकी फसल का खराबा 75 प्रतिशत से अधिक पाया जाएगा उनके इस अवधि के बिजली बिलों की अदायगी को पूर्णतया माफ कर दिया जाएगा । इससे जाहिर होता है कि सरकार इस मामले में गंभीर नहीं है क्योंकि सरकार के पास अभी तक आंकड़े नही हैं आंकड़े हैं तो कितने किसानों को 75 प्रतिशत से अधिक सूखे में नुकसान है और उनको लाभ दिया है यह बताएं । नंबर तीन पर दिया हुआ है कि यमुनानगर ताप बिजली घर चरण-2 के निर्माण के लिए कई महत्वपूर्ण आरंभिक कदम उठाए गए हैं । पहले सरकार ने लाली, लिपिस्टिक और पाउडर का नाम ले लिया। क्या इन्होंने यमुनानगर ताप बिजली घर के चरण 2 के लिए कोई टैंडर कॉल किया है यदि किया है तो उस कंपनी का नाम क्या है । इसके अलावा कई ऐसी योजनाएं हैं जो इसमें दर्शाई गई हैं, जिनसे हरियाणा राज्य को आगामी वर्षों में बिजली उपलब्ध होगी, नाथपा झाकडी पन बिजली परियोजना, दुलहस्ती पन बिजली परियोजना, चमेरा पन बिजली

[चौ० जय प्रकाश]

परियोजना चरण 2, रिहन्द ताप बिजली घर चरण-2 और कॉल डैम पन बिजली परियोजना और कहलगांव ताप बिजली परियोजना इत्यादि इनके बारे में आपके माध्यम से पूछना चाहता हूं कि इन परियोजनाओं में हरियाणा का हिस्सा कितना है ?

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, किसानों की 50 प्रतिशत से अधिक फसल जहां खराब हुई है वहां उनके 6 महीने के लिए बिजली के बिल मुल्तवी किए हैं और जहां 75 प्रतिशत से अधिक खराब हुई है वहां माफ किए हैं। इन्होंने जानना चाहा है कि नंबर कितने हैं। स्पीकर सर, इस संबंध के लिए दरख्वास्तों के सर्वे वगैरह सब कुछ हो चुके हैं और किसानों को इस बात का खूब पता है कि यह सरकार किसानों की है । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश जी, आप रिप्लाई सुनिये । (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इसके लिए नम्बर नहीं दिये जा सकते । इसके मुताबिक मिलना है उसकी सूचना वहां पर पहुंचा दी जाती है। इन्होंने नाम पूछा है वह बता दिया गया है अब नम्बर थोड़े ही बताया जा सकता है । ऐसे ही वेग क्वैश्चन क्यों पूछा जाये ।

चौ० जय प्रकाश : स्पीकर सर, मेरे प्रश्न का जवाब नहीं आया । ***

श्री अध्यक्ष : इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाये ।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, इन्होंने कहा कि पन बिजली में हरियाणा का हिस्सा कितना है । मैं वही बता रहा हूं । नाथपा झाकड़ी में 32 मैगावाट दुलहस्ती पन बिजली परियोजना में 75 मैगावाट, चमेरा पन बिजली परियोजना चरण-2 में 16 मैगावाट, रिहन्द ताप बिजली घर चरण-2 में 65 मैगावाट, कोलडैम पन बिजली परियोजना में 43 मैगावाट, कहलगांव ताप बिजली परियोजना में 143 मैगावाट, बढ़ ताप बिजली परियोजना में 225 मैगावाट, उत्तर करनपुरा ताप बिजली परियोजना में 228 मैगावाट, पार्वती पन बिजली परियोजना में 100 मैगावाट, फरीदाबाद गैस बेस्ड 432 मैगावाट, इण्डियन ऑयल 360 मैगावाट यानी कुल मिलाकर 1928 मैगावाट अतिरिक्त बिजली हरियाणा के हिस्से में आयेगी । इस प्रकार से स्पीकर सर, इन्होंने पूछा कि यमुना थर्मल प्लांट के बारे में जिसके बारे में इनको खुद पता है कि क्या खेल खेला गया था । 1107 एकड़ जमीन 925.6 लाख रुपये में दी गई थी और 1984 में इसका एस्टीमेट बना था । इसके साथ क्या खेल खेला गया कि एक स्वीटजरलैंड की कम्पनी को यह काम दिया गया था जिससे यह बनाया नहीं गया क्योंकि उस कम्पनी को किसी ने फाईनैंस नहीं किया था। वह कम्पनी तो पाउडर, लिपस्टिक और बिन्दी बनाती थी बिजली उसने कभी नहीं बनाई थी। जिसकी वजह से उसने भट्ठा ही बैठा दिया । रिमोट कंट्रोल से इसका उद्घाटन करवा दिया, पत्थर रखवा दिया था लेकिन बना कुछ नहीं । हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से ही इसको शुरु करवाया गया । उसके लिए हरियाणा के सिंचाई विभाग से 1730 क्यूसिक पानी की स्वीकृति ली गई ।

चौ० जय प्रकाश : स्पीकर साहब, यह मेरे क्वैश्चन का उत्तर नहीं है ।

श्री राम पाल माजरा : 2.12.2002 को प्राप्त पत्र के आधार पर हरियाणा प्रदूषण विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र जिसकी वजह से पूर्ण वैधता 21.01.03 को एन०ओ०सी० 31.3.03 तक

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

रहेगा । वित्त मंत्रालय भारत सरकार को 16.9.02 और कोल मंत्रालय को 22.5 लाख टन कोयला की रिकार्ड सिफारिश की गई है। (विघ्न)

Capt. Ajay Singh Yadav : We are not satisfied with the reply of the Minister. * * * *

श्री अध्यक्ष : कोई रिकार्ड न किया जाये । (विघ्न)

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, ये कहते हैं कि मेरा यमुना के बारे में सवाल था । यमुना के सवाल के बारे में सरकार ने अब तक क्या स्टैप्स उठाये हैं उनके बारे में मंत्री जी बता रहे हैं, कि कैसे कोल लिंक हुआ, कैसे रेलवे लिंकेज हुई है, क्या-क्या लिंक हुये हैं और क्या क्या फाईनैंशियल पोजीशन रही है । क्या-क्या मंजूरी आई और किसकी मंजूरी नहीं आई । सारी सरकार की प्रोग्रैस रिपोर्ट बता रहे हैं परन्तु ये सुन नहीं रहे हैं ।

स्पीकर साहब, जो काम हुए हैं, प्रोग्रैस हुई है, वही प्रोग्रैस ये बता रहे हैं और ये शोर मचाकर उस प्रोग्रैस को खत्म करना चाहते हैं और सुनना नहीं चाहते । (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं थोड़ा सा स्पष्ट करना चाहूंगा। 1984 में यमुना नगर थर्मल पावर प्लांट के लिए जमीन अधिग्रहण की गई और उस पर कार्य तेजी से चल रहा था । उस वक्त की सरकार ने यह काम एन०टी०पी०सी० को दे दिया, काम शुरू होना था, वह सरकार चली गई और नये सिरे से श्री भजन लाल जी इस प्रदेश के मुख्यमंत्री बने, उन्होंने इज़रायल की आइज़न बर्ग नाम की कम्पनी जिसका बिजली से कोई ताल्लुक नहीं है, जैसे ये चुंदड़ी का बेचने काम करते थे वैसे ही यह कम्पनी सुरमा बेचने का काम करती थी, को ठेका दे दिया । (शोर) मैं तथ्यों से परे कोई बात नहीं कहना चाहता, उसमें इनकी कमीशन की साज-बाज नहीं हो पाई, विपक्ष की तरफ से दबाव पड़ा और जब यह प्रमाणित हो गया कि वह कम्पनी थी ही नहीं बल्कि वह कम्पनी ब्लैक लिस्टिड करार दी गई थी जिस कारण सारा काम ठप्प हो गया और जब लोगों की तरफ से ज्यादा अपोज किया गया तो उस वक्त के प्रधानमन्त्री श्री पी०वी० नरसिम्हा राव ने फरीदाबाद से रिमोट कन्ट्रोल द्वारा उसका उद्घाटन किया क्योंकि उनके पास समय नहीं था, आजकल तो उनको फुर्सत है जिसका इश्र आपके सामने है। हमारी सरकार आने के बाद हमने नये सिरे से उसके लिए प्रयास किये, उसके लिए केन्द्रीय उर्जा मन्त्रालय से 80 परसैंट रुपया सैंक्शन करा लिया, कोल लिंकेज हो गया, काम तेजी से करने जा रहे हैं । मैं सदन को आश्वस्त करना चाहूंगा कि हमारी सरकार की कार्यप्रणाली संतोषजनक है । पानीपत की 7वीं और 8वीं 250-250 मैगावाट की यूनिटें देखें, आपको तो कॉलेज नहीं है लेकिन जो बिजली के अच्छे इंजीनियर्ज हैं आप उनसे इस बारे में पूछ लें कि तीन साल से पहले कोई यूनिट तैयार नहीं होती । हमने उनसे एक शर्त रखी है कि जुलाई, 2004 तक ढ़ाई साल के अन्दर-अन्दर हमें 500 मैगावाट बिजली उपलब्ध करवा दो । बिजली हमारी नसैस्टी है और हम चाहते हैं कि हमें पर्याप्त मात्रा में बिजली मिले और इसके लिए हम निरन्तर प्रयासरत हैं । मैं आपको बताना चाहूंगा कि हमने तीन साल में 792 मैगावाट बिजली अधिक उत्पादित करके नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं । बिजली के लिए हम प्रयासरत हैं और बिजली की उत्पादकता बढ़ भी रही है । उसका लेखा-जोखा पूरे प्रदेश को दिखाया जा रहा है क्योंकि यह आपके दिमाग की सोच तो है ही नहीं इसलिए माजरा जी खुलकर बता रहे हैं आप उसको ध्यान से सुने । (शोर)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

चौ० जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश जी जो कुछ कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, * * * *

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, आप बैठें (शोर) भजनलाल जी जो कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये । (शोर एवं विघ्न)

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, हमने अभी कोई कंट्रैक्ट दिया नहीं है, अभी भेल से बातचीत चल रही है । जय प्रकाश जी बार-बार ठेकों की बात कर रहे हैं इनको तो अभी ठेके नजर आ रहे हैं । अध्यक्ष महोदय, मैं ग्राउण्ड वर्क बता रहा था । इनको तो इस सरकार को बधाई देनी चाहिए कि हिन्दुस्तान में मैनेजमैंट के मामले में, प्रौडक्शन के मामले में, बिजली के मामले में हरियाणा तीसरे नम्बर पर आया है । अप्रैजल लैटर मिले हैं । एयरपोर्ट विद्युत प्राधिकरण अथोरिटी से 16.07.2002 को चिमनी ऊंचाई की स्वीकृति प्राप्त कर ली गई है, इससे पहले ग्राउण्ड वर्क हो रहा है । (विघ्न)

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में सी०ई०ए० ने अपनी स्वीकृति देनी होती है । (शोर एवं व्यवधान) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण ने अपनी 13.2.2002 की मीटिंग में हमारे बिजली विभाग को टैक्नीकल अप्रैजल देने का प्रस्ताव भी किया है । (शोर एवं व्यवधान)

चौ० जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, *** (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश जी चेयर की आज्ञा के बिना बोल रहें हैं, इसलिए इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाये । (शोर एवं व्यवधान) जय प्रकाश जी, प्लीज, आप बैठें ।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, जैसा कि मैनें बताया ग्राउंड वर्क तैयार कर लिया है । (शोर एवं व्यवधान)

चौ० जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, मैं इनके जवाब से संतुष्ट नहीं हूं, इन्होंने सही जवाब नहीं दिया । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश जी, प्लीज, आप बैठें ।

चौ० भजन लाल : स्पीकर सर, आपका हाउस चलाने का तरीका ठीक नहीं है । (शोर एवं व्यवधान) मुख्यमंत्री जी ने मेरा नाम लिया है ।

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, प्लीज आप बैठें, हाउस तरीके से चल रहा है । आपका नाम नहीं लिया गया ।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने मेरा जिक्र किया है कि वह कंपनी ठीक नहीं थी । (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : स्पीकर सर, चौधरी भजन लाल जी वैयक्तिक स्पष्टीकरण देना चाहते हैं । (शोर एवं व्यवधान) आप इन्हें वैयक्तिक स्पष्टीकरण पर क्यों नहीं बोलने दे रहे ।

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, इन्होंने कब कहा कि ये वैयक्तिक स्पष्टीकरण पर बोलना चाहते हैं । (शोर एवं व्यवधान) भजन लाल जी इतने पुराने सदस्य हैं और इनको बोलने के प्रोसीजर का

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

पता नहीं है कि कैसे बोलना होता है, ये तो सिर्फ कह रहे हैं कि इनका जिक्र किया है । हुड्डा जी, ऐसे नहीं होता कि बोलना चौधरी भजन लाल जी बाहर हों और वैयक्तिक स्पष्टीकरण आप कहें । (शोर एवं व्यवधान) प्लीज आप सभी बैठिये ।

चौ० भजन लाल : स्पीकर सर, इन्होंने मेरा जिक्र किया है ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मुझे लगता है कि विपक्ष के भाई आज फिर भागेंगे । (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हम नहीं भागेंगे लेकिन आप हमारी बात तो सुनें ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, सच्चा बिश्नोई अपनी बात का पक्का होता है । आज चौधरी भजन लाल जी को मेरी बात सुनने के लिए यहां रुकना पड़ेगा । (शोर एवं व्यवधान)

चौ० जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, (शोर एवं व्यवधान)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने मेरा नाम लिया है, प्लीज आप मुझे अपनी बात कहने दें । (शोर एंव व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, आपका नाम नहीं लिया । मुख्यमंत्री जी ने तो चुंदड़ी बेचने वाले का जिक्र किया है । आप चुंदड़ी थोड़ी ही बेचा करते थे । (शोर एंव व्यवधान)

चौ० जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने भजन लाल जी का नाम लिया है, चाहे आप कार्यवाही मंगवा कर देख लें । (शोर एंव व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश जी, प्लीज आप बैठें । पहले आप माजरा साहब को तो अपनी बात पूरी कर लेने दें ।

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने यमुनानगर के बारे में पूछा और मैंने बता दिया । ये खुद ही यमुनानगर की हालत खराब करके गये थे अब हम उसको राहे रास्ते पर ला रहे हैं । इसके अतिरिक्त दूसरे थर्मल प्लांट्स का भी ये यमुनानगर जैसा हाल करके गये थे । चौधरी देवी लाल जी ने पानीपत की छठी यूनिट का काम आरम्भ करवाया था और 100% पायलिंग का काम कर दिया था तथा 100 करोड़ रुपये का सामान भी खरीद लिया था लेकिन उसके बाद दूसरी सरकार आ गई और उन्होंने इस प्लांट का काम ठण्डे बस्ते में डाल दिया । वह सामान रेलवे स्टेशन पर पड़े रहने के कारण उसमें जंग लग गया था लेकिन इन्होंने उसकी कोई खबर नहीं ली । उसके बाद अब जब हमारी सरकार आई तब तक वह सामान यूं कि यूं पैक पड़ा रहा और हमारी सरकार ने आकर उसको देखा और इस यूनिट का काम करवाया ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जिस छठी यूनिट का जिक्र किया गया है यदि यह यूनिट उसी समय बन जाती तो इस पर केवल मात्र 238 करोड़ रुपये खर्च होते लेकिन अब इस पर 900 करोड़ रुपये से अधिक पैसा खर्च हुआ है जिसके कारण प्रदेश की जनता का पैसा भी अधिक खर्च हुआ और बिजली भी नहीं मिली । अध्यक्ष महोदय, इन्होंने हर स्तर पर प्रदेश का दिवाला निकालने का काम किया है, प्रदेश का बेड़ा गर्क करने का काम किया है । अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी सदन में हैं नहीं, उनके प्रतिनिधि बैठे हैं । दूसरी 110 मैगावाट की यूनिट बनाने का कंट्रैक्ट जर्मन की ए०बी०बी० कंपनी को चौधरी बंसी लाल जी ने दे दिया जिसके कारण

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

सरकार का 300 करोड़ रुपये के रैवन्यू का नुक्सान हुआ और साढ़े चार साल तक प्रदेश को बिजली भी नहीं मिली । जब भी मैं भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की जगह बैठा हुआ था और हमने विरोध किया था कि इसका कंट्रैक्ट जर्मन की कंपनी को न दिया जाये और इस यूनिट का 75 करोड़ रुपये का समान भी इन्होंने खरीद लिया था जो ऐसे ही पड़ा रहा । स्पीकर सर, जब हमारी सरकार आई तब हम आर्बीट्रेशन में गये और हमने यह यूनिट सिर्फ 35 करोड़ रुपये में किसी दूसरी कंपनी से बनवाया, जो अब बिजली दे रहा है । जबकि ए०बी०बी० से इनका कंट्रैक्ट कई सौ करोड़ रुपये का हुआ था । (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम किशन फौजी : स्पीकर साहब, मैं कुछ कहना चाहता हूं । (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : राम किशन जी, आप बैठिये । (शोर एवं विघ्न)

चौ० भजन लाल : स्पीकर साहब, इन्होंने मेरा नाम लिया है । (शोर एवं विघ्न) आप मुझे बोलने दें, नहीं तो बहुत झगड़ा हो जायेगा । (शोर एवं विघ्न) इनका ऐसे कहने का कोई तरीका है । इन्होंने पर्सनल नाम ले करके मेरा नाम बोला है । (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आपका नाम नहीं लिया गया ।

चौ० भजन लाल : इन्होंने मेरा नाम लिया है इसलिए मैं अपनी बात कहना जरूरी समझता हूं । (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : इन्होंने आपका नाम नहीं लिया । (शोर एवं विघ्न) क्या आपका नाम आइजनबर्ग कम्पनी से जुड़ा हुआ है या धुन्दड्डी से जुड़ा हुआ है । (शोर एवं विघ्न) सी० एम० साहब ने भजन लाल नहीं कहा । (शोर एवं विघ्न)

चौ० भजन लाल : स्पीकर साहब, आपका * * * * *

प्रो० सम्पत सिंह : जो इन्होंने कहा वह रिकार्ड से निकाला जाये । (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : जो भजन लाल जी ने कहा है, वह रिकार्ड न किया जाये । (शोर एवं विघ्न)

चौ० भजन लाल : आपको मेरी बात सुननी चाहिए । (शोर एवं विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : चौधरी भजन लाल जी आपके मुख से असभ्य बातें शोभा नहीं देती ।

चौ० भजन लाल : मैं कहता हूं कि मैं असभ्य बातें इस्तेमाल नहीं करता। (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप यह बताएं कि आप कैसे खड़े हैं । आप प्वायंट ऑफ आर्डर पर बोलना चाहते हैं या पर्सनल एक्सप्लेनेशन पर बोलना चाहते हैं, किस चीज पर बोलना चाहते हैं । (शोर एवं विघ्न) आप बैठें । यह आपका सब्जैक्ट नहीं है । (शोर एवं विघ्न)

चौ० भजन लाल : यदि आप हमारे को बोलने का मौका नहीं दें तो हम वाक आउट कर जाएंगे । (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : वाक आउट के लिए तो मैं नहीं कह सकता । आप बैठिये और सी० एम० साहब का रिप्लाई सुनिये । (शोर एवं विघ्न) भजन लाल जी की कोई बात रिकार्ड न की जाये ।

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

चौ भजन लाल : स्पीकर साहब, * * * * *

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, आप बैठिये । (शोर एवं विघ्न)

चौधरी भजन लाल : आप पर्सनल एक्सप्लेनेशन पर भी बोलने नहीं देते, क्या यह कोई तरीका है ? (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : ठीक है, आप पर्सनल एक्सप्लेनेशन पर बोलना चाहते हैं तो बोलिए । अब भी आपको पीछे से कहा गया कि पर्सनल एक्सप्लेनेशन पर बोलें। (शोर एवं विघ्न) आप पर्सनल एक्सप्लेनेशन पर बोलना चाहते हैं तो बोलें ।

चौधरी भजन लाल : मैं छः दफा कह चुका हूं कि मुझे बोलने का समय दिया जाये । (शोर एवं विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : चौधरी भजन लाल जी, मैंने सरकार का जिक्र किया है और गलती से कई अवसरों पर आप इस सरकार के अध्यक्ष भी रहे हैं। मैंने सरकारों का जिक्र किया है । मैंने आपका जिक्र नहीं किया । मैंने बंसी लाल जी की सरकार का जिक्र किया है और मैं पूरे सदन को अवगत करना चाहता हूं कि कुछ लोग सदन के प्रति कितने गंभीर हैं । जो व्यक्ति कई साल तक मुख्यमंत्री के पद पर आसीन रहने वाला चौधरी बंसी लाल जी रात से चण्डीगढ़ में बैठा है, सदन में नहीं आ रहा, वह सदन में हाजिर नहीं है । मुझे लगता है कि चहल आयोग की रिपोर्ट पटल पर आने वाली है इसलिए शायद उससे डरे हुए हैं । (शोर एवं विघ्न)मैं समझ नहीं पा रहा कि जो व्यक्ति कई साल तक इस प्रदेश का मुख्यमंत्री रहा हो और रात से चण्डीगढ़ में आया हो और सदन में न आये तो यह सदन की अहमियत समझता ही नहीं है । (शोर एवं विघ्न)

चौधरी भजन लाल : उनकी कोई मजबूरी होगी । (शोर एवं विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आपकी उनके साथ ताजा ताजा दोस्ती हुई है, उनका आपको पता रखना चाहिए । (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, आपका कोई जिक्र नहीं है । आप बैठिये । (शोर एवं विघ्न) फौजी साहब, आपका कोई जिक्र है ही नहीं। आप बैठिये। आप बैठिये। (शोर एवं विघ्न)

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, यहां पर आईजनबर्ग कम्पनी का जिक्र आया है । मैं कहना चाहता हूं कि इस कम्पनी ने चाईना में 4 हजार मैगावाट बिजली बना करके धालू करके दी है । सारी दुनिया को इसका पता है । (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आपकी पर्सनल एक्सप्लेनेशन क्या है । (शोर एवं विघ्न) इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाये । (शोर एवं विघ्न)

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, * * * * * (शोर एवं विघ्न)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण —

चौधरी भजन लाल एम०एल०ए० द्वारा

श्री अध्यक्ष : आप बताएं कि आपकी पर्सनल एक्सप्लेनेशन क्या है । आपकी बातों में कोई पर्सनल एक्सप्लेनेशन वाली बात ही नहीं है । (शोर एवं विघ्न)

चौधरी भजन लाल : मेरी पर्सनल एक्सप्लेनेशन यह है कि ******* (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : इनके ये शब्द कार्यवाही से निकाल दिए जाएं । (शोर एवं विघ्न)

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, इन्होंने कहा कि मैंने उस समय के प्रधान मंत्री श्री नरसिम्हा राव से रिमोट कंट्रोल से उद्घाटन करवा लिया । मैं कहता हूं कि इसमें क्या बुरी बात है ? (शोर एवं विघ्न) इन्होंने बहुत शोर मचाया और कहने लगे कि पता नहीं क्या गड़बड़ हो रही है । (शोर एवं विघ्न) इनके शोर मचाने पर उस कम्पनी ने कहा कि हम हरियाणा में काम ही नहीं करेंगे । इसे पूरा करने के लिए बाद में इन्होंने जोर लगाया और बंसी लाल जी ने भी जोर लगाया पर वह काम अभी तक नहीं हुआ है और न ही वह कम्पनी हरियाणा में आने के लिए तैयार हुई । यमुनानगर का प्लांट आज तक बीच में अधूरा पड़ा हुआ है । (शोर एवं विघ्न) आदमी को थोड़ी बहुत मर्यादा में रहकर बात करनी चाहिए । जिस किसी बात का कोई सिर पैर न हो वह बात नहीं कहनी चाहिए । (शोर एवं विघ्न) इनको कोई गलत बात नहीं कहनी चाहिए । जिस बात में कोई सच्चाई न हो वह बात नहीं कहनी चाहिए । (शोर एवं विघ्न)

शोक प्रस्ताव

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं भारी मन से आपके माध्यम से पूरे सदन को अवगत करवाना चाहूंगा कि एक बहुत ही अच्छी समाजसेविका, एक अच्छी शिक्षाविद् जो स्वयं एक बहुत ही अच्छी शिक्षक भी रही है तथा पदमश्री के अलंकार से भी सुशोभित रहीं हैं, भगत फूल सिंह की बेटी सुभाषिणी जी दिल का दौरा पड़ने की वजह से आज अपोलो होस्पीटल में स्वर्ग सिधार गई हैं । उसने अपने पिता जी की तरफ से चलाए गए इस गुरुकुल को बहुत बढ़ाया जो कि हरियाणा प्रदेश के लिए गौरव की बात है । आज इस गुरुकुल में 6 हजार के लगभग कन्याएं शिक्षा प्राप्त कर रही हैं । आज वे हमारे बीच में नहीं रही हैं । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा पूरे सदन से अनुरोध करूंगा कि हम सब दो मिनट के लिए मौन खड़े हो कर दिवंगत के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करें ।

(इस समय हाउस ने दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत को श्रद्धांजलि अर्पित की)

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, पिछले दो दिन से महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा सदन में दिए गए अभिभाषण पर लगभग सभी पार्टियों ने हिस्सा लिया । बहुत ही अच्छे तरीके से आपने सदन में अपने विचार रखे । Now the Hon'ble Chief Minister will give the reply.

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, बजट सत्र किसी भी विधान सभा के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है और यह जो बजट सत्र है और जो बजट आज श्री सम्पत सिंह जी सदन के समक्ष प्रस्तुत करने जा रहे हैं यह इस सरकार का तीसरा बजट सत्र होगा। दो मार्च को मौजूदा सरकार के तीन वर्ष पूरे हो गए और तीन वर्ष का मतलब यह मान कर चलना चाहिए कि हमारी सरकार की लगभग आधी अवधि पूर्ण हो चुकी है। इन तीन सालों के अर्से का सारा लेखा-जोखा सदन के माध्यम से पूरे प्रदेश के लोगों के सम्मुख प्रस्तुत किया जाता है। इसके पहले महामहिम राज्यपाल महोदय ने जो गौरवमयी अभिभाषण इस सदन में दिया उसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपका भी आभार व्यक्त करूंगा कि पहली मर्तबा आपने इस पद की गरिमा को बरकरार रखते हुए इस सदन के सभी सदस्यों को बोलने के लिए समय दिया। (विघ्न) इससे पिछले सत्र में आप लोग नहीं थे आप तो वाकआउट कर गए थे। (विघ्न) हरियाणा की असैम्बली बनने के बाद पहली बार यह हुआ है।(विघ्न) आप तो भाग गए थे, कल भी भागते-भागते पकड़े गए हैं। (विघ्न) आप विपक्ष के नेता हैं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से विपक्ष के नेता से विनम्र निवेदन करूंगा कि मेहरबानी करके आज वे भागें नहीं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, आपने बहुत समय दिया, इसके लिए पूरा सदन आपका आभारी है। अध्यक्ष महोदय, सरकार की उपलब्धियों का अगर वर्णन किया जाए तो ये हजारों में हैं और इस बारे में मुझे अक्सर प्रैस के लोग पूछते हैं। (विघ्न) प्रैस के लोग कई मर्तबा मुझ से पूछते हैं कि आप अपनी सरकार की सिर्फ पांच उपलब्धियां गिनाते हैं। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार की उपलब्धियां हजारों में हैं इस बात के लिए इस सदन को मौजूदा सरकार की सराहना करनी चाहिए। इस 3 साल की अवधि में 33 हजार विकास के काम करवा कर सरकार ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है और तीसरी मर्तबा 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का तीसरा चरण हमारे द्वारा शुरू किया गया है। आज तक हम 50 विधान सभा क्षेत्रों में लोगों के बीच में गए हैं और लगभग 9 हजार घोषणाएं इस तीसरे चरण में की हैं और वे भी जल्द से जल्द लागू होंगी तथा बिना किसी भेदभाव के पूरी होंगी। सरकार ने लोगों की दिक्कतों को समझकर उनका हल किया है, चाहे वह किसी का भी क्षेत्र हो। आज तीसरे चरण में 50 क्षेत्रों में मैं गया हूं और इनमें से पांच आपकी कांग्रेस पार्टी के विधान सभा क्षेत्रों में गया हूं। अभी कल भी मैं धर्मपाल जी के क्षेत्र में गया था। धर्मपाल मेरी इस बात के लिए दाद देंगे कि वहां पर इनके लोग उनकी इच्छाओं के मुताबिक सन्तुष्ट होकर गए हैं। क्यों धर्मपाल जी मैं गया था न ? अध्यक्ष महोदय, मैं बी०जे०पी० के चार हल्कों में और बंसी लाल जी की पार्टी के सिम्बल के मुताबिक दो हल्कों में गया था जो कि उसूल परस्त आदमी हैं। एक लड़का और एक लड़की, वे दो से आगे नहीं बढ़ पाए हैं। लड़का तो उन्होंने यहां पर भेज दिया है लेकिन खुद गैर हाजिर हैं, सदन की गरिमा को समझते नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, जो इन्डीपैंडेट विधायक है, जो विधान सभा में जीत कर आए हैं वे 10 हैं और मैं वहां पर भी जाकर आया हूं। उनकी मांगों को भी पूरा किया है। इसके अलावा हमारे विधान सभा के 31 क्षेत्रों में भी मैं गया हूं। अध्यक्ष महोदय, अगर मैं सदन में सरकार की सारी उपलब्धियों को बताने लग गया तो बहुत समय लग जाएगा। लेकिन कुछ मुख्य मुद्दे हैं जिन पर मैं चर्चा करना अति आवश्यक समझता हूं। अध्यक्ष महोदय, विशेष रूप से हमारी इस सदन में जो सबसे बड़ी उपलब्धि मैं मान कर चलता हूं वह है राजनीतिक सुविधा स्थापित करना। अध्यक्ष महोदय, एक वह वक्त भी था जब हरियाणा प्रदेश दुनिया भर में दल-बदल के नाम से विख्यात हो गया था। दल-बदल का सबसे बड़ा नेता जो माना गया है, वह चौधरी भजन लाल जी हैं। (विघ्न)

चौ० भजन लाल : * * * * *

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी जो भी बोल रहे हैं वह कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ताज्जुब की बात है कि स्वर्गीय इन्दिरा गांधी को चन्द दिन पहले खुलेआम गालियां देने के बावजूद भी ये 34 विधायकों की फौज को लेकर के उनके दल में ज्यों के त्यों शामिल हो गए थे और उनके गुणगान गाने शुरु कर दिए थे । हमने उस परम्परा को बदलने में बहुत हद तक सफलता प्राप्त की है हमने दल बदल पर अंकुश लगाया है । चौधरी भजन लाल जी ने तो बहुत प्रयास किए थे और आज भी निरन्तर प्रयास कर रहे हैं । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, ये सोनिया जी के पास गए थे और उनको कहा था कि मुझे अध्यक्ष बना दिया जाए तो मैं तीन महीने में सरकार बदल दूंगा । (विघ्न) ये बातें अखबारों में छपी हैं । (विघ्न) कोई गलत बात कहता है तो इसमें मैं क्या कर सकता हूं । (विघ्न)

चौ० भजन लाल : * * * * *

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी जो भी बोल रहे हैं वह कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए । (विघ्न) भजन लाल जी, आप अपनी सीट पर बैठ जाएं इस तरह से खड़े मत हों ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा इन सबसे पुन: विनम्र निवेदन करना चाहूंगा कि आप सब अराम से मेरी बात सुनें । अगर मैं कोई गलत ब्यानी करूं तो आप मुझे बोल सकते हैं । लेकिन इस तरह से टोका टोकी न करें, यह कोई अच्छी परम्परा नहीं है । अध्यक्ष महोदय, इन्होंने तीन महीने का वायदा करके कांग्रेस के अध्यक्ष पद को हथिया लिया । जिस दिन तीन महीने पूरे हुए तो हमने परम्परा को तोड़ कर के बीच में तीसरा विधान सभा का सत्र बुलाया । इसी सदन में मैंने आपसे यह कहा था कि तीन महीने की अवधि समाप्त हो गई है, ये विधायक बैठे हैं । सरकार फलोर आफ दि हाउस टूटती है और इसी सदन में जब विधायकों ने बगावत की तो चौधरी बंसी लाल ऐसे इस सदन से गायब हुए जैसे गधे के सिर से सींग गायब होते हैं । मैंने चौधरी भजन लाल से कहा था कि हमारी पार्टी के जो लोग हैं यह पार्टी के प्रति समर्पित लोग हैं । हमारी पार्टी का विधायक तो क्या, कोई छोटे से छोटा कार्यकर्ता भी यह कह दे कि आपकी वजह से पार्टी की छवि धुमिल हो रही है, प्रदेश का नुक्सान होता है तो हम क्षण की देरी करे बिना त्याग-पत्र देकर लोगों के बीच में चले जाएंगे । मैं आपको खुली चुनौती देता हूं । (विघ्न) यह आपके बस की बात नहीं है आप चाहे जोर मार लियो, बाल भी बांका नहीं कर सकते । अध्यक्ष महोदय तीन महीने वाला मामला चला गया है और ये मांगे राम जी तो सीजन्ड पोलिटिशियन हैं । इन्होंने जीन्द में 9 मार्च की तारीख तय की थी । (विघ्न) और यह 9 मार्च ही आज टिपकर फिर आ खड़ी हुई है । कल 9 मार्च थी और इसने सैशन बुलाया ही इसलिए था नहीं तो हम मार्च के आखिर में भी सैशन बुला सकते थे लेकिन 9 मार्च का हिस्सा शामिल रहना चाहिए था । 9 का हिस्सा बड़ा मजबूत हिस्सा है इसलिए मैंने सोचा कि शायद मांगेराम जी ने बहुत सोचकर यह तय किया होगा । अब भजनलाल जी कहते हैं कि एक साल के बाद देखेंगे । अध्यक्ष महोदय, इन्होंने इसी सदन में एक साल की बात कहीं थी । (विघ्न) अगर 6 दिन इनके और हैं तो ये वोट आफ नो कांफीडैन्स और ले आएं ताकि सैशन और बढ़ जाए और ये अपनी यह कसर भी पूरी कर लें । 6 दिन और कैसे आएंगे । (विघ्न) चौधरी भजन लाल जी, अब के गाय के घी की मन में ही ले जइयो आपकी बात पूरी नहीं होगी । इस तरह की बात अब चली गयी । अध्यक्ष महोदय, राजनैतिक स्थायित्व का

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

ही यह परिणाम है कि आज पूरे प्रदेश में इस स्तर पर प्रगति हुई है । आज कोई भी गांव आपको ऐसा दिखाई नहीं देगा जहां विकास के काम न हो रहे हों। इसके अलावा बहुत से और भी मुददे यहां पर कई साथियों ने उठाए । खासकर नौकरियों की भ्रष्टाचार की यहां पर बातें की गयी थी । अध्यक्ष महोदय, आप, मानकर चलिए कि हमारी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि ही यह रही कि जहां पहले नौकरियां नीलाम होती थी वहां पर आज नौकरियां योग्यता के आधार पर मिलती हैं । मैं इस पूरे सदन के माध्यम से पूरे प्रदेश के लोगों को अवगत करवाना चाहूंगा कि कहीं से भी अगर एक शिकायत किसी की ऐसी मिल जाए कि किसी ने किसी को नौकरी दिलवाने के लिए कोई पैसा लिया हो तो वह हमें बताएं सरकार उसकी इंक्वायरी करवाकर सख्त से सख्त ऐक्शन लेगी ।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है ।

श्री अध्यक्ष : नहीं नहीं, आप बैठिए आपको बोलना अलाउड नहीं है ।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, मुख्यमंत्री जी ने जो नौकरियों में शिकायतों के बारे में कहा है मैं इस बारे में उनको बताना चाहूंगा । * * * *

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब की कोई बात रिकार्ड न की जाए । (विघ्न) दलाल साहब, आप बैठें ।

श्री ओमप्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम यह मानकर चलते हैं कि सरकारी नौकरी इतनी नहीं है कि जिन्हे सबको दिया जा सके । उसकी सीमाएं हैं । लेकिन हमें इस बात में बड़ा गर्व और फक्र है कि जहां पहले पढ़े लिखे युवक अपना स्वाभिमानी सिर किसी भ्रष्ट और करप्ट की चौखट पर झुकाने के लिए मजबूर हो जाया करते थे वहां आज उन्हे योग्यता के आधार पर नौकरियां मिलती हैं । अध्यक्ष महोदय, यहां पर यह भी चर्चा की गयी कि नयी नौकरियां और देने का निर्णय लिया गया है । अध्यक्ष महोदय, हम चाहते हैं जितनी भी नौकरियों के पद खाली हों वह इस प्रदेश के पढ़े लिखे युवकों को योग्यता के आधार पर मिलें। अध्यक्ष महोदय, हम चौधरी बंसीलाल जी की तरह से गलत वायदे नहीं करेंगे कि हम पट्रोल पम्प दे देंगे, गैस की एजैंसीज दे देंगे, तेल की एजैंसीज देंगे । अध्यक्ष महोदय, अब तो ये जब फिर गावों में जाते हैं तो नाम लिखाते हैं और पूछते हैं कि तेरी उम्र कितनी है, कितना पढ़ा हुआ है और कौन सी नौकरी में तू मुस्तैद बैठता है । अब इनकी ओर से नये सिरे से उनसे फार्म भरवाए जा रहे हैं । अध्यक्ष महोदय, ना नौ मन तेल होगा न राधा नाचेगी । ये और भी ख्वाब ले रहे हैं इसलिए इनकी तरफ से फार्म भरवाए जा रहे हैं लोगों से पूछा जा रहा है, लोगों को बरगलाने की बात की जा रही है । पिछली बार भी उन्होने शराबबंदी की आड़ लेकर पूरे प्रदेश का भट्टा बैठा दिया था जिसकी वजह से क्राइम बढे थे । चौधरी भजनलाल जी मेरी इस बात से सहमत होंगे कि हमने सबने इसी सदन में उस वक्त भी शराबबंदी का विरोध किया था । हमने कहा था कि हम आर्य समाजी कल्चर के लोग हैं इसलिए हम चाहते हैं कि शराबबंदी होनी चाहिए क्योंकि यह अभिशाप है, बुराई है, बीमारी है । लेकिन हमने उस वक्त यह भी कहा था कि जब तक पूरी तरह से इसके लिए लोगों को जागरूक नहीं किया जाएगा तब तक यह शराबबंदी केवल मात्र कानून से बंद नहीं हो सकती । हमने उस वक्त भी दलील देकर यह कहा था। अमरीका में भी शिकागों में शराबबंदी की गयी थी, जिसकी वजह से वहां क्राइम पनपे थे और इसी तरह से गुजरात में भी शराबबंदी की गयी थी जिसकी वजह से आज भी

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

वहां पर साफिया खड़ा है । वहां आज भी दाउद इब्राहिम जैसे लोगों की चर्चाएं चलती हैं । अध्यक्ष महोदय, हमने तो उस समय कहा था कि चौधरी साहब, अगर शराबबंदी पर ठीक से अमल नहीं किया गया तो इससे प्रदेश में क्राईम बढ़ेंगे और साफिया खड़ा हो जाएगा तथा हमेशा के लिए हमारे लोगों के लिए, नयी पीढ़ी के लोगों के लिए एक परेशानी वायस बन जाएगी । इनको अक्ल बाद में आयी, ठहर कर आई । जब बिल लाने का प्रस्ताव रखा गया था तब तो इस सदन में बड़े जोर शोर से सबसे परामर्श किया गया था लेकिन जब शराबबंदी लिफ्ट की गई थी तब किसी से नहीं पूछा गया था । विधान सभा से पूछने की जिम्मेदारी भी इन्होंने नहीं समझी थी, कोई सदन नहीं बुलाया गया, किसी सदस्य से नहीं पूछा गया और शराबबंदी लिफ्ट कर ली और उसके लिए बीच में एक कमेटी भी मुकर्रर की गई थी उसकी रिपोर्ट भी सदन के पटल पर नहीं रखी गई थी । इसी सदन में ऐसे लोग भी बैठे हैं जो उस समय की मंत्रि परिषद के मंत्री भी थे और उनके बारे में भी सदन के सदस्यों ने कहा था कि मंत्री शराब की स्मगलिंग करते हैं । मंत्रियों की बसों में शराब जाती है । यह बात लोगों ने मानी जो कि रिकार्ड में दर्ज है । यह हालत इस प्रदेश की उस समय हो गई थी जिन बच्चों के बस्तों में किताबें होनी चाहिए थीं उनमें शराब के पाउचेज हुआ करते थे (विघ्न)

चौ० बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, **********

श्री अध्यक्ष : चौधरी बंसी लाल जी की कोई बात रिकार्ड न की जाए ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : (शोर एवं व्यवधान) समाज का सारा ढांचा उस समय बरम कर दिया था और पूरे प्रदेश को इन्होंने एक ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया था उन परिस्थितियों में हमने सरकार की कमान संभाली थी । (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी की व कर्ण सिंह दलाल की कोई बात रिकार्ड न की जाए ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : चौधरी साहब, आपकी सरकार की ये हालत थी। किन परिस्थितियों में हमने सत्ता संभाली थी उस समय पूरा प्रदेश जर्जर हालत में हमें मिला था, सड़कें टूटी हुई थीं । बिजली का और पानी का अभाव था । कानून और व्यवस्था चौपट हो गई थी, व्यापार समाप्त हो गया था, कारखानें पलायन कर रहे थे । किसी की जान, माल और इज्जत सुरक्षित नहीं थी उन परिस्थितियों में हमने सरकार को संभाला था ।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण

श्री बंसी लाल एम०एल०ए० द्वारा —

चौ० बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा पर्सनल ऐक्सपलेनेशन है । मेरे राज में पूरा अमन चैन था । आज तो यह नारा लगता है कि - वाह रे चौटाला तेरे ठाठ, मीलर रौवे बाणियां बाहर रोवे जाट ।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, आप बैठ जाइए । (शोर एवं व्यवधान)

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं बंसीलाल जी को बताना चाहूंगा कि आज इस प्रदेश की यह हालत है । अभी जय प्रकाश जी यहां बैठे हुए हैं । कई मर्तबा ये ठीक बात कह देते हैं । इन्होंने अपने अभिभाषण में यह बात कही थी कि अपराध होते हैं । अपराधी अपराध कर सकता है, अपराधी की तो अपराध करने की प्रवृत्ति होती है । अपराधियों ने तो सबसे ज्यादा सुरक्षा प्रदान व्यक्ति अमेरिका के राष्ट्रपति का भी कत्ल कर दिया था और अपराधियों ने इमरजैंसी में इंदिरागांधी जी के पास बहुत ज्यादा सुरक्षा होने के बावजूद भी उनका मर्डर कर दिया था । अपराधी अपराध कर सकता है लेकिन हमारी पुलिस को इस सदन को दाद देनी चाहिए कि हमारी पुलिस इस बात में सक्षम रही है कि जितनी भी वारदातें हुई हैं एक -एक वारदात ट्रेस हुई है । (थम्पिंग) अगर मैं सारे आकड़े प्रस्तुत करने लगूंगा तो बहुत ज्यादा समय लगेगा ।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, * * * * *

श्री अध्यक्ष : कर्ण सिंह दलाल की कोई बात रिकार्ड न की जाए । (शोर एवं व्यवधान) (विघ्न)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : मुख्यमंत्री जी, इंदिरा जी का मर्डर इमरजैंसी के दिनों में नहीं हुआ था । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : हुड्डा साहब, आप मेरी बात समझे नहीं हैं । मैंने यह कहा है कि इमरजैंसी से पहले इतनी सुरक्षा नहीं थी । मैंने पंडित जवाहर लाल नेहरु को तीन मूर्ति की कोठी से पार्लियामैंट अकेले यूं उछलकर जाते हुए देखा है । उस वक्त सुरक्षा नहीं होती थी लेकिन इमरजैंसी में जो सुरक्षा इंदिरा जी के पास थी उसके बाद वे जब तक जीवित रहीं उनके पास वही की वही सुरक्षा रही । आपको भी समझने में देर लगती है । डिग्री पता नहीं आपको कैसे मिल जाती है । (विघ्न) मेरी मेहरबानी से मिलती तो कैसे मिल जाती । मैं तो पूरी जांच परख करने के बाद ही देता, ठोक बजा के देता । अब भजन लाल जी जो टिकट देंगे वह ठोक बजा के परख कर देंगे । मोटे दिमाग वाले लोगों को लवे नहीं लगने देंगा । इसलिए तो प्रैजिडैण्ट बने हैं । मेरे कहने का भाव यह है कि इस सदन की जानकारी के लिए मैं बता दूं कि बहुत से सदस्यों ने मुझे बहुत खुशी है कि इस बात की सराहना की है कि जब से यह सरकार आई है तो सड़कों की हालत में सुधार हुआ है । ठीक है कि कुछ सदस्यों ने यह भी कहा कि सड़कें बनीं और साथ-साथ टूट गई यह बात श्री लछमनदास अरोड़ा जी ने भी कही । हम मानते हैं कि बेकायदगी हुई होगीं, संयोग से सड़कों के सबसे बड़े ठेकेदार धर्मपाल जी हैं जो कांग्रेस पार्टी के एम०एल०ए० हैं । (विघ्न)

राव धर्मपाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा नाम लिया है ।

श्री अध्यक्ष : आप बैठ जायें ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम मानते हैं कि बेकायदगियां हुई होंगी उसके लिए हम एक्शन लेंगे । लेकिन आपको इस बात को मानकर चलना चाहिए कि आज हरियाणा प्रदेश की सड़कों के मामले में पूरे राष्ट्र के स्तर पर सरहाना की जा रही है । हमने उस वक्त

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

सरकार की सत्ता संभाली थी जब बिहार की तरह सड़क छोड़कर सड़कों से नीचे चलने के लिए मजबूर होना पड़ता था । उसमें काफी सुधार किया गया है । बिजली के बारे में चर्चा बहुत हुई है । लेकिन चौधरी बंसीलाल जी चूंकि लेट आये हैं इसलिए इनकी जानकारी के लिए मैं थोड़ा बताना चाहूंगा कि हमारे इस तीन साल के शासनकाल में 792 मैगावाट बिजली अधिक पैदा हुई है । (थम्पिंग)

चौ० बंसीलाल : अध्यक्ष महोदय, ये बार-बार * * *

श्री अध्यक्ष : जो चौधरी बंसीलाल जी कह रहे हैं वह कोई रिकार्ड न किया जाये ।

श्री ओमप्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी बंसीलाल जी को बताना चाहूंगा कि इनके राज में 199 मैगावाट बिजली अधिक पैदा हुई थी । पानीपत की 110 मैगावाट की दूसरी यूनिट को बनाने के लिए इन्होंने एक जर्मनी की कम्पनी ए०बी०बी० से साजबाज करके विनित नैय्यर रिटायर्ड आई०ए०एस० के माध्यम से कमीशन की साजबाज करके उस कम्पनी को दी । (विघ्न)

चौ० बंसीलाल : अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री अध्यक्ष : चौ. बंसीलाल जी, आप बैठिये । कोई रिकार्ड न किया जाये। ये मेरे विधानसभा क्षेत्र का मामला है मुझे पता है कि ए०बी०बी० कम्पनी को दी थी।

श्री ओमप्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मुझे पता है जब ए०बी०बी० कम्पनी से बात चल रही थी तो मैं भी वहां बैठा था मैंने इसका विरोध किया था। हमने कहा था चौधरी बंसी लाल जी आप जिस जर्मन कम्पनी को सौदेबाजी करके दे रहे हो उसके मुकाबले में ऐसी कम्पनियां भी हैं जो 40 करोड़ रुपये में भी इस काम को कर देंगी ।

चौ० बंसीलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है । * *

श्री अध्यक्ष : जो बंसीलाल जी कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये ।

श्री ओमप्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मार ख्याग्या और अब इसको पैसा चाहिए । उसकी हालत यह हुई चौधरी बंसीलाल जी आपकी दी हुई उस कम्पनी ने उस यूनिट को खोलकर के छोड़ दिया जिसके कारण सरकार का 300 करोड़ रुपये के रेवेन्यू का नुकसान हुआ और 75 करोड़ रुपये का सामान पड़ा रहा और वही यूनिट हमने 35 करोड़ रुपये में दी है सरकार आर्बीट्रेशन में भी इस बात को लेकर गई है कहां आप सैंकड़ो करोड़ में देने जा रहे थे और वह यूनिट अब चालू भी हो गई है । चौधरी बंसीलाल जी, आप पानीपत में जाकर देख सकते हैं और 110 मैगावाट की बजाए 114 मैगावाट बिजली का उत्पादन दनादन कर रही है। छठी यूनिट का मैने जिक्र किया चौधरी बंसीलाल जी बाद में आये हैं । छठी यूनिट 238 करोड़ रुपये में तैयार होनी थी लेकिन हमारी सरकार जाने के बाद उसको कोल्ड स्टोरेज में डाल दिया गया और उसका नतीजा यह निकला कि हरियाणा प्रदेश के लोगों की गाढ़े खून पसीने की कमाई का 940 करोड़ से अधिक रुपया खर्च करना पड़ा और हमने दोबारा उसको चालू कर दिया है ये पूछ रहे थे कि कहां-कहां हुई है । इसके इलावा सातवीं और आठवीं दो यूनिटें 250-250 मैगावाट की भेल (BHEL)

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

कम्पनी को हमने दी हैं जो जुलाई, 2004 तक बिजली का उत्पादन देना शुरू कर देंगी । इस प्रदेश में शूगर मिल 15 हैं । हमने 15 की 15 शूगर मिलों को इंस्ट्रक्शंज दी हैं कि वे 7-7 मैगावाट बिजली का उत्पादन करें । इसी तरह हमने पानीपत रिफाइनरी को I..A.D.T. में रियायत दे कर उससे 360 मैगावाट बिजली लेने का निर्णय लिया है और वह इसी साल 360 मैगावाट बिजली पैदा करके देगी । हमने शहरों की सफाई की दृष्टि से जो कुड़ा करकट है उससे भी बिजली उत्पादन बढ़ाने का निर्णय लिया है क्योंकि हम सब जानते हैं कि बिजली एक नैसेसिटी है क्योंकि हम समझते हैं कि बिजली किसान को चाहिए, बिजली व्यापारी को चाहिए, बिजली उद्योगपति को चाहिए और बिजली सार्वजनिक जीवन में अति आवश्यक है । इसलिए बिजली हमारे लिए जरूरी है । हमारा यह प्रयास ही नहीं होना चाहिए बल्कि मैं आज दावे के साथ पूरे सदन को सूचित करना चाहता हूं कि इस साल दो साल के बाद मैं बंसीलाल की तरह यह नहीं कहूंगा कि 30 जून के बाद हम 24 घण्टे बिजली देंगे। पता नहीं इन्होंने 30 जून की तारीख क्यों पकड़ ली इनकी जन्म तिथि थी या इनकी पुण्य तिथि थी, मुझे ध्यान नहीं इन्होंने कैसे कह दिया था । 30 जून पता नहीं किस आधार पर इन्होंने तय की थी लेकिन मैं एक बात जरूर कहना चाहूंगा कि जुलाई, 2004 के बाद हरियाणा प्रदेश दूसरे प्रदेशों को बिजली देने में सक्षम होगा ।

श्री राम किशन फौजी : अध्यक्ष महोदय, * * * *

श्री अध्यक्ष : राम किशन जी जो कुछ कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय यह पुण्य तिथि शब्द कार्यवाही से कटवाया जाये ।

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, आप बैठें । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : एस०वाई०एल० का हर सैशन में बड़ा जिक्र होता आया है । एस०वाई०एल० नहर के बारे में अगर मैं विस्तार से चर्चा करूंगा तो समय लग जायेगा । लेकिन आज तो मुझे इस बारे में बताना ही पड़ेगा और मैं इसका तिथिवार पूरा घटनाक्रम बताऊंगा । सिन्धु जल समझौते की सम्भावनाओं को देखते हुए रावी और व्यास का पानी संयुक्त पंजाब, जम्मू कश्मीर, राजस्थान और पैप्सू राज्यों में बांटने के लिए 29.1.1955 को एक समझौता हुआ था जिसके अन्तर्गत इस प्रकार से पानी का बंटवारा हुआ था - संयुक्त पंजाब को 5.90 एम०ए०एफ०, पैप्सू को 1.30 एम०ए०एफ०, राजस्थान को 8 एम०ए०एफ० और जम्मू कश्मीर को 0.65 एम०ए०एफ० पानी मिला । भारत सरकार ने 1960 में पाकिस्तान के साथ एक समझौता किया जिसे सिंधु जल समझौता के नाम से जाना जाता है इस समझौते के तहत सतलुज रावी व्यास नदियों का पानी पूर्ण रूप से भारत के हिस्से में आया । हरियाणा क्षेत्र के लोगों की मांग पर पंजाब सरकार ने 1965 में विकास समिति और खाद्य समिति नाम की दो समितियां बनाई । इन दोनों समितियों ने रावी व्यास का अधिकतर पानी हरियाणा क्षेत्र को देने की सिफारिश की थी । चौधरी देवीलाल ने 1979 में पहली बार एक सिविल सूट सुप्रीम कोर्ट में दायर किया था जब पंजाब सरकार ने पंजाब के इलाके में एस०वाई०एल० नहर शुरु करने में आना-कानी की थी तब चौधरी देवीलाल मुख्यमंत्री थे, तब से इस सदन में बार-बार जिक्र आता है कि प्रकाश सिंह बादल और चौधरी देवीलाल के याराने की वजह से इसमें रुकावट पड़ी । सबसे पहले चौधरी देवीलाल ने मुख्यमंत्री के तौर पर पंजाब में भूमि का अधिग्रहण किया था, उस पर काम शुरु करा दिया गया, उसके बाद जब उस इंजीनियर की डैथ

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

हो गई तो 1979 में सबसे पहले चौधरी देवीलाल उस वक्त सुप्रीम कोर्ट में गए तब पंजाब में मुख्यमंत्री के पद को सरदार प्रकाश सिंह बादल सुशोभित कर रहे थे । भजनलाल जी ने भी बड़ा दावा किया था कि हम सुप्रीम कोर्ट में गए थे तो मैं थोड़ा सा जिक्र करना चाहूंगा । भजनलाल जी, 1980 में हरियाणा क्षेत्र में एस०वाई०एल० का निर्माण कार्य मुकम्मल हो जाना चाहिए था । 31.12.1981 को भारत के प्रधानमंत्री की उपस्थिति में पंजाब और राजस्थान के मध्य रावी व्यास के पानी के बंटवारे का समझौता हुआ, उस वक्त भजनलाल जी, आप मुख्यमंत्री थे और पंजाब में दरबारा सिंह जी मुख्यमंत्री थे । 12 फरवरी, 1982 को चौधरी भजनलाल ने चौधरी देवीलाल द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दायर किया हुआ केस वापिस ले लिया । भजनलाल जी, आप कहते थे कि मैंने केस दायर किया था, आपने तो 1982 में उस केस को वापिस ले लिया था ।

चौ० भजनलाल : वह केस क्यों वापिस ले लिया, उसके बारे में भी मैं बता देता हूं ।* * * * *

श्री अध्यक्ष : भजनलाल जी, जो कुछ कह रहे हैं, वह रिकार्ड न किया जाए । (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : किसका फैसला, किससे फैसला, सरकारों के फैसले सरकारों से होते हैं । 1982 में चौधरी साहब, आपकी सरकार न आई होती और सुप्रीम कोर्ट से आप वह केस वापस न लेते तो कभी का फैसला हो गया होता । हरियाणा प्रदेश का हजारों करोड़ का रेवैन्यू का नुकसान न होता । जिस पानी से 7.5 लाख एकड़ भूमि जो सिंचित होनी थी वह बिना पानी के प्यासी रह गई और वह पानी आप जैसे लोगों की वजह से आज भी पाकिस्तान को जा रहा है । यही सर्वोच्च न्यायलय था जिसने हमारे प्रयासों से उस फैसले को असली जामा पहनाने का काम किया । हम सुप्रीम कोर्ट का आभार प्रकट करते हैं कि उन्होंने हमारे पक्ष में फैसला किया । आप बार-बार कहते हैं कि हमने नहर को इतना परसैंट बना दिया । आप बनाने की बात भी सुन लें तो मैं आपके वक्त को बता दूं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, प्लीज आप बैठें । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, पंजाब क्षेत्र में इस नहर के पक्के किये जाने वाले 54.22 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में से चौधरी भजन लाल जी के समय में केवल मात्र 2.56 लाख वर्ग मीटर लाईनिंग का काम हुआ था । यह मैं नहीं कह रहा हूं यह रिकार्ड की बात है । अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी यहां बैठे हुए हैं । चौधरी देवी लाल जी के समय में इस नहर का बहुत काम हुआ है यह बात चौधरी बंसी लाल जी ने भी सदन में अपने भाषण के दौरान कही है ।

चौ बंसी लाल : स्पीकर सर, * * * * *

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी, प्लीज आप बैठें । आप बगैर परमिशन बोल रहे हैं, इसलिए आपकी कोई बात रिकार्ड नहीं की जा रही । प्लीज आप बैठें ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, 19 सितम्बर, 1991 को चौधरी बंसी लाल जी ने इसी सदन में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर भाषण दिया था जिसमें इन्होंने कहा था कि स्पीकर सर, चीफ मिनिस्टर चौधरी भजन लाल जी ने कहा है कि एस०वाई०एल० पर वर्ष 1987 के बाद चौधरी देवी लाल जी की सरकार के समय कोई काम नहीं किया गया तब चौधरी

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

बंसी लाल जी ने कहा कि स्पीकर साहब जो आंकड़े मैंने दिए हैं उनसे यह साबित होता है कि चौधरी देवी लाल जी की सरकार के समय में एस०वाई०एल० पर काफी काम हुआ है ।

Ch. Bansi Lal : Speaker Sir, on a point of order.

Mr. Speaker : No permission granted. चौधरी बंसी लाल जी, यह हाउस की कार्यवाही में है, आप देखना चाहते हैं तो मेरे चैम्बर में आ जाना, मैं आपको दिखा दूंगा या आपके घर यह किताब भिजवा दी जायेगी । आप बोल जाते हैं लेकिन याद रहता नहीं है ।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, * * * *

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, प्लीज आप बैठें । आप चेयर की परमिशन के बगैर बोल रहे हैं इसलिए आपकी कोई बात रिकार्ड नहीं की जा रही ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, 25.11.1995 को चौधरी बंसी लाल जी ने सदन में अपने भाषण में यहां तक कहा है कि चाहे चौधरी देवी लाल जी की किसी बात से मैं वैचारिक तौर पर सहमत न होऊं लेकिन जो काम किये हैं उनको हमें मानकर चलना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० बंसी लाल : स्पीकर सर, * * *

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी, प्लीज आप बैठें । आप बगैर परमिशन बोल रहे हैं, इसलिए आपकी कोई बात रिकार्ड नहीं की जा रही । प्लीज आप बैठें ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, 25 फरवरी, 1987 को गवर्नर के अभिभाषण पर बहस के दौरान चौधरी बंसी लाल जी ने कहा कि चौधरी देवी लाल जी ने एस०वाई०एल० के मुद्दे को सुप्रीम कोर्ट में ले जाकर गलती की थी । क्योंकि सुप्रीम कोर्ट में यह मामला 10 साल के बाद भी नहीं सुना जा सकेगा । लेकिन अब बंसी लाल जी यह दावा करते हैं कि इस नहर के मुद्दे को वे सुप्रीम कोर्ट में लेकर गये थे । (शोर एवं व्यवधान)

चौ० बंसी लाल : स्पीकर सर, * * *

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी, प्लीज आप बैठें । आप बगैर परमिशन बोल रहे हैं, इसलिए आपकी कोई बात रिकार्ड नहीं की जा रही । प्लीज आप बैठें ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी दावा करते हैं कि एस०वाई०एल० के मुद्दे को सुप्रीम कोर्ट में ये लेकर गये थे और उस समय कहते थे कि गलत किया । अध्यक्ष महोदय, यदि मैं चौधरी बंसी लाल जी को उनके कार्यों के बारे में बताऊंगा तो उनको पीड़ा होगी । चौधरी बंसी लाल जी की सरकार थी और मिस्टर पाठक इन्जीनियर-इन-चीफ थे मिस्टर पाठक के मना करने के बाद भी चौधरी बंसी लाल जी ने कमीशन खाने के लिए नहर का काम गोदबलावा से शुरू करवाया । गोदबलावा में नहर की टेल है जबकि नहर का काम मुढ़ से शुरु किया जाता है। इनको भी मुढ़ से काम शुरू करवाना चाहिए था क्योंकि कायदे कानून के मुताबिक ड्रेन की खुदाई टेल से शुरू होती है और नहर की खुदाई मुढ़ से शुरू होती है । ये स्वयं भी मुढ़ हैं क्योंकि ये सोचने वाली बात तो करते नहीं हैं । (शोर एवं व्यवधान)

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

चौ० बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, * * * * *

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी, प्लीज आप बैठें । आप बगैर इजाजत बोल रहे हैं, इसलिए आपकी कोई बात रिकार्ड नहीं की जा रही । (शोर एवं व्यवधान)

2.00 बजे **श्री ओम प्रकाश चौटाला :** चौधरी बंसी लाल, जी आप अच्छे सिजन्ड पोलिटिशियन हो । आप तो सुलझे हुए आदमी हो । (शोर एवं विघ्न)

चौ० बंसी लाल : स्पीकर साहब, गलत आदमियों से पाला पड़ गया । (शोर एवं विघ्न)

* * * * * *

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, आप बैठें । (शोर एवं विघ्न) इनकी कोई बात रिकार्ड न करें । (शोर एवं विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : कई मर्तबा गलत की भी सुन लिया करो, काम आ सकती है किसी भी समय । खोटो पिसो कपूत पूत हो री सो या कहावो कदे कदे सूत बैठ जाए, तो शायद काम में आ जावे । स्पीकर साहब, मैं इनको बताना चाहता हूं कि आपको पाठक ने यह कहा था और यह सुझाव दिया था कि चौधरी बंसी लाल जी आज पंजाब मे भी कांग्रेस की सरकार है और आपके प्रदेश में भी कांग्रेस की सरकार है और केन्द्र में भी कांग्रेस की सरकार है । इस नहर को यहां से शुरु करवाएं ताकि ज्यों-ज्यों नहर बनती जायेगी पानी आता जायेगा लेकिन केवल कमीशन खाने के लिए आपने टेल से शुरु किया और आज उसका परिणाम यह है कि करोड़ों रुपया हमारा बर्बाद हो गया और उसमें अब गादड़ ब्याने लग रहे हैं और पंजाब द्वारा फल्ड का पानी उसमें से डालकर हमें तबाह और बर्बाद करने के काम में इस नहर का काम लिया जाता है । (शोर एवं विघ्न)

वैयक्तिक स्पष्टीकरण -

श्री बंसी लाल एम०एल०ए० द्वारा —

चौ० बंसी लाल : स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि मैंने यह नहर गोदबलावा से शुरु की । गोदबलावा अहीरवाल का गांव है । मुख्यमंत्री जी नहीं चाहते कि अहीरवाल को एक कतरा पानी मिले । ये कह रहे हैं कि गोदबलावा से क्यों शुरु की। मैं बताता हूं कि गोद बलावा से मैंने सही शुरु की। फिर मौका मिलेगा तो फिर अहीरवाल से शुरु करूंगा । (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, पानी अहीरवाल से आयेगा या पंजाब से आयेगा। (शोर एवं विघ्न) चौधरी साहब, पानी तो पंजाब से ही आना है । (शोर एवं विघ्न)

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : पानी पंजाब से आवे और ये अहीरवाल की बात करने लग रहे हैं । ये दान सिंह ने और इन ने बहकाने की कोशिश कर रहे सैं । अब की दांव कोई नहीं लगे । अब तो वो बात गई । चौधरी साहब, पहले बहका लिया था । (शोर एवं विघ्न) जब हमारी सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद यह निर्णय लिया कि हम उन नहरों की मुरम्मत

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

करेंगे तब चौधरी बंसी लाल जी ने एक बयान दे दिया कि पहले पानी आने लेने दो नहरों की मरम्मत बाद में करने का काम करिए । जिस आदमी ने पहले पानी के आने के बिना नहर बना कर छोड़ दी, हम अगर उन नहरों की मरम्मत करते हैं तब भी इनको तकलीफ है । अगर हम साहबी नदी के लिए कोई डैम बनाते हैं तो उसके दरवाजे उठवा करके दादरी पहुंचा दिए जाते हैं । दादरी में उन खम्भों का क्या मेल था । अगर उस वक्त वे लगे होते तो जमीन रीचार्ज होती । आज अहीरवाल की जो बात आप कर रहे हो तो मैं कहना चाहता हूं कि अगर पानी रिचार्ज होता तो आज उसको ज्यादा पानी मिलना था । आपकी तो हमेशा सारी उम्र इस किस्म के काम में गई जिसकी वजह से प्रदेश पूर्ण रूप से बर्बाद हो गया और यह बीच में आपको जो साढ़े तीन साल मिले तो इन साढ़े तीन सालों में आपने हरियाणा प्रदेश की ऐसी जर्जर हालत बना दी कि उस हालात को संवारने में आज पूरे प्रदेश के लोग निरंतर प्रयासरत हैं तब जाकर के इसमें सफलता मिली है । आज हम दावे के साथ कह सकते हैं कि अब हमारा प्रदेश सही रास्ते पर आ रहा है । अध्यक्ष महोदय, आज इस मामले में चाहे यह मामला सर्वोच्च न्यायालय के तहत है लेकिन मुझे पूर्ण विश्वास और भरोसा है कि सर्वोच्च न्यायालय का फैसला निश्चित रूप से अमलीजामा शक्ल अख्तयार करेगा और हरियाणा प्रदेश की चप्पा-चप्पा भूमि की सिंचाई होगी । जिन लोगों के दिमाग में, जिन भाइयों के दिमाग में या कई लोगों के दिमाग में अगर इस प्रकार की कोई बात है कि पानी कहां जायेगा तो मेरा कहना है कि यह पानी दक्षिणी हरियाणा के हिसाब से ही आया है और यह पानी दक्षिणी हरियाणा में ही लगेगा । हम पानी के बंटवारे के मामले में किसी प्रकार के भेदभाव के पक्षधर नहीं है । सदन में कुछ लोगों ने चर्चा की है और सदन में तो ये बोलने में सक्षम नहीं लेकिन बाहर निरंतर भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के बयान अखबारों में छपते हैं कि पानी का बंटवारा ठीक नहीं हो रहा । (शोर एवं विघ्न) चौधरी साहब, आप पहले मेरी बात तो सुनिये। बीच में क्यों खड़े हो रहे हो ? (शोर एवं विघ्न)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : मैं इस बात का पक्षधर हूं कि पानी का सही बंटवारा होकर रहेगा । (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, बैठिये । (शोर एवं विघ्न)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : स्पीकर साहब, आप हमें अपनी बात कहने दीजिए । (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप बैठिये । आप प्रोवोकेट न हो । आप लीडर आफ अपोजीशन हैं । आप अन्डर प्रोवोकेशन न बोलें । आप वैसे ही प्रावोकैट हो रहे हो। आप प्लीज बैठिये । (शोर एवं विघ्न)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : स्पीकर साहब, मुझे भी अपनी बात कहने का अधिकार है । यह इनका अधिकार नहीं है कि ये कुछ भी कहें । (शोर एवं विघ्न)

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : स्पीकर सर, मैं कहना चाहता हूं कि यह सदन की परम्परा अच्छी नहीं है । (शोर एवं विघ्न) जब ये बोलते रहे तो हमारे किसी भी मैम्बर ने कोई दखल नहीं दिया । बीच में किसी ने कोई नहीं टोका । इसलिए स्पीकर साहब, पिछले दो दिनों में डिकलेयर नहीं अनडिक्लेयर दो-दो सीटिंग होती रहीं और बकायदा ये बोले हैं । हमारी तरफ से इनको बीच में कोई नहीं टोका गया । अब जब सुनने का वक्त आया तो इनको कोई तकलीफ नहीं होनी चाहिए । इनको आराम से बात सुननी चाहिए । इनको बजट पर बोलने का मौका मिलेगा, फिर बोल लें । (शोर एवं विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं यह बता रहा था कि इन्हें हरियाणा के हितों से सरोकार नहीं और न ही इन्हें पानी से कोई सरोकार है । ये हर मामले में राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास करते हैं ।इसमें भी इन्हें इस बात का ज्ञान नहीं है कि चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी, अगर आप पानी के इतने ही इच्छुक थे,आप समझते थे कि पानी के मामले में कहीं भेदभाव हुआ है आप यह समझते हैं कि इस भेदभाव को करने में चौधरी भजन लाल, ओम प्रकाश चौटाला या चौधरी बंसी लाल का दखल है तो चौधरी साहब, 1963 में आपके पिता चौधरी रणधीर सिंह जी सिंचाई मंत्री थे उस वक्त इस मामले से सुल्टा जा सकता था । अगर अहीरवाल के लोगों को इस बात की पीड़ा है कि हमें अपना पानी का हिस्सा नहीं मिला है तो इस हरियाणा के प्रदेश के मुख्य मंत्री के तौर पर राव बीरेन्द्र सिंह भी मुख्यमन्त्री रहे थे तब इस मामले को नहीं सुलझाया गया । हरियाणा में तथा केन्द्र में निरन्तर कांग्रेस की सरकारें रही तब भी इस मामले को नहीं सुलझाया गया । आज हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि हमने पानी के बंटवारे में किसी तरह का कोई भेदभाव नहीं किया । हम निरन्तर लोगों को पूरा पानी देने के पक्षधर रहे हैं । (विघ्न)

वैयक्तिक स्पष्टीकरण -

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा एम०एलए० द्वारा —

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मेरी इस बारे में पर्सनल एक्सप्लेनेशन है कि सी०एम० साहब जो कह रहे हैं कि कांग्रेस राज में इस बारे में कुछ नहीं हुआ मैं इन्हें बताना चाहूंगा कि यह फैसला कांग्रेस के समय में ही हुआ था ।

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, इन का क्या तरीका है हर बात में ये बीच में खड़े हो रहे हैं (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, आप इनको बिठाइये । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, आप बैठें । इस वक्त आप इन्टरप्ट न करें । (शोर एवं व्यवधान) धर्मपाल जी, आप भी अपनी सीट पर बैठें । (शोर एवं व्यवधान) आप सारे लोग खड़े हैं, यह ठीक नहीं हैं, आप सभी अपनी-अपनी सीटों पर बैठें । (शोर एवं व्यवधान)

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : अध्यक्ष महोदय, यह प्रश्नकाल नहीं है (शोर एवं व्यवधान) It is not question hour. बार बार ये लोग बीच में नहीं बोल सकते हैं । इनको जब बोलने का मौका मिला था उस समय यह पूरा बोल लेते लेकिन उस समय तो ये बीच में बाहर भाग जाते हैं (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, आपने इनको बोलने का पूरा मौका दिया और आप हाउस का बार बार टाईम भी बढ़ाते रहे लेकिन ये लोग खाने का बहाना बना कर हाउस से बाहर चले गए । स्पीकर साहब, मैं आपसे यह रिक्वैस्ट करूंगा कि there should be no intervention.

(इस समय कई माननीय सदस्य अपनी सीटों पर खड़े हो कर बोलने लगे)

श्री अध्यक्ष : आप सभी लोग अपनी अपनी सीटों पर बैठें (शोर एवं व्यवधान)

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे रिक्वैस्ट करता हूं कि इनको बिठाएं । (शोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब, क्या ऐसे हाउस चला करता है ? ये लोग बार बार हर बात पर खड़े हो जाते हैं ? इनका यह क्या तरीका है ? (शोर एवं व्यवधान) इन लोगों को तकलीफ क्यों हो रही है, किस बात पर इनको अपनी सीटों में कांटे चुभ रहे हैं । स्पीकर सर, आप इनको बिठाइये (शोर एवं व्यवधान) बोलने का कोई टाईम हुआ करता है । आपने बोलने के लिए नाम लिया और यह लोग उस समय बोले नहीं । अगर इन्होंने बोलना था तो उस समय बोलते इनको बोलने से कौन रोक रहा था । स्पीकर सर, आपने खुद कहा था कि अगर बोलना है तो बोलें तब तो ये बोलने से इन्कार करते गए और अब बीच में इन्टरप्शन कर रहे हैं । आप कहें कि आपने इनको बोलने के लिए कहा था या नहीं कहा था (शोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, आपने इनको खुद कहा था और ये नहीं बोले । मैं आपसे इस बारे में आपकी रूलिंग चाहूंगा (शोर एवं व्यवधान) Sir, in Rule 64 of the Rules of the Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, it is mentioned —

> " A Statement may be made by a Minister on a matter of public importance with the permission of the Speaker but no question shall be asked nor discussion take place thereon at the time of the statement is made."

चौ० जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, *** *** *** ***

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, *** *** ***

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश जी, आप बैठें (शोर एवं व्यवधान) कैप्टन साहब, आप बैठें (शोर एवं व्यवधान) जय प्रकाश तथा कैप्टन अजय सिंह जी जो बोल रहे हैं यह रिकार्ड न किया जाए (शोर एवं व्यवधान) आप लोग रिप्लाई तो सुनिए । (शोर एवं व्यवधान)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, गवर्नर महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए जिस खुले दिल से इनको समय दिया और जिन जिन विधायकों ने जो जो बातें कहीं क्या मुझे उनका जवाब देने का अधिकार है या नहीं है ? (शोर एवं व्यवधान) मैं जवाब दे रहा हूं आप आराम से सुनिए । भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के दिमाग में यह बात है कि हम सैशन नहीं चलने देंगे यह इनके वश की बात नहीं है (शोर एवं व्यवधान) । हुड्डा साहब, आपने अभी कहा है जो कि प्रोसीडिंग्ज में दर्ज है । आपको ऐसा कोई अधिकार नहीं है कि सैशन नहीं चलने देंगे । आप कौन होते है सैशन न चलने देने वाले । (शोर एवं व्यवधान) आप प्रोसीडिंग्ज का रिकार्ड मंगवा कर देखें कि आपने यह कहा है या नहीं कहा है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, आप बैठिए (शोर एवं व्यवधान) भजन लाल जी, आप भी बैठिए (शोर एवं व्यवधान) आप बोल कर क्या करेंगे आप बैठिये (शोर एवं व्यवधान) क्या बोलते वक्त आपको किसी ने टोका था ? (शोर एवं व्यवधान)

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय जवाब दे रहे हैं ये लोग थोड़ा संयम बरतें और सुनने की हिम्मत रखें (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जो बातें इन्होंने कहीं हैं उनका जवाब तो मैंने देना है । (शोर एवं व्यवधान) जय प्रकाश जी ने अच्छी बात कही है तो मैंने उनकी बात की सराहना

*** चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

की है । राव धर्मपाल जी ने अच्छी बात कही है मैंने उनकी भी सराहना की है । अब भूपेन्द्र सिंह यहां पर तो बोलते नहीं हैं लेकिन बाहर हर रोज़ बयान देते हैं । उठा कर एस०आई०एल० पर बयान दे दिया, कभी फिजी के प्रधान मंत्री पर बयान दे दिया कभी सूखे के नाम पर बयान दे दिया । इस तरह से बयान देने से काम नहीं चलता है जो इनकी मन्शा है उस पर ये नहीं बोल रहे हैं । वे यहां तो बोल नहीं सकते लेकिन इन्होंने बाहर जो कुछ कहा है उसका उल्लेख भी तो मुझे करना पड़ेगा या नहीं करना पड़ेगा । (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, ये बार-बार मेरा नाम ले रहे हैं इसलिए मैं इस बारे में पर्सनल एक्सप्लेनेशन देना चाहता हूं ।

श्री अध्यक्ष : आपने बाहर बयान दिया है कि नहीं दिया है । आपने जो बयान दिया है ये उसकी क्लैरिफिकेशन कर रहे हैं । (विघ्न) आपको बयान देने से कोई नहीं रोकता है ।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, यहां पर कई मैम्बर्ज ने बोलना था । उनको बोलने नहीं दिया गया । आप यह बताएं कि क्या मैंने आपको अपना नाम दिया था ?

श्री अध्यक्ष : आपने अपना नाम नहीं दिया था लेकिन जो यहां पर थे उन सबको बोलने का मौका दिया गया है । क्या आप नहीं बोले हैं ?

वैयक्तिक स्पष्टीकरण -

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, एम०एल०ए० द्वारा —

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, आप यह बताएं कि क्या हम बोल नहीं सकते हैं ? मेरी पर्सनल एक्सप्लेनेशन यह है कि मैं जो बाहर बोलता हूं, वही हाऊस में बोलता हूं, जो लीडर आफ दि हाऊस ने कहा है कि मैं केवल बाहर ही बयानबाजी करता हूं ऐसी बात नहीं है ।

श्री अध्यक्ष : हुड्डा जी, सदन में जिन्होंने बोलने के लिए नाम भी नहीं दिया था उनको भी बुलाया गया है । मांगे राम गुप्ता जी ने भी अपना नाम नहीं दिया था उनको भी हमने बुलवाया है । (विघ्न) जिन्होंने नाम दिया था उन सबको बोलने का मौका दिया गया है । (विघ्न) आप बैठ जाएं । (विघ्न) आप अपनी चादर रखकर बैठ जाएं । (विघ्न) नहीं, नहीं, आप अपनी सीट पर बैठ जाएं । (विघ्न)

डा० रघुबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, * * * * ।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, * * * * * ।

श्री अध्यक्ष : कादियान साहब जो कुछ भी बोल रहे हैं वह कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए । हुड्डा जी का भी कुछ रिकार्ड नहीं किया जाए । (विघ्न) आप अपनी सीट पर बैठ जाएं । यह कोई प्रश्न काल नहीं है । (विघ्न) बैठिए, बैठिए । आप ज्यादा उत्तेजित न हों । आप अपनी सीट पर बैठ जाएं । (विघ्न) हुड्डा साहब, आप इनको समझाएं । (विघ्न) एक और खड़े हो गये । आप अपनी सीट पर बैठें । हुड्डा जी, आप इनको समझाएं । (विघ्न) आप सभी सीटों पर बैठ जाएं । (विघ्न) आप सी०एम० साहब को सुनें ।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, अब ये मेरे जुम्मे लगाकर भागना चाहते हैं । आप आराम से मेरी बात सुनते क्यों नहीं ? (विघ्न) अब एक ऐसे मुद्दे पर चर्चा हो रही है जोकि हरियाणा प्रदेश के लोगों के लिए जीवन रेखा है । एस०वाई०एल० नहर के बारे में मैं यही बात कह रहा था कि एस०वाई०एल० नहर पर सर्वोच्च न्यायालय का जो फैसला है उसके बाद हमें यह मानकर चलना चाहिए कि यह नहर निश्चित रूप से बनेगी । जब हमने उस आदेश के बाद पहली मीटिंग बुलाई थी तो आप सब शामिल हो गए थे उसके लिए मैं आप सबका आभार प्रकट करता हूं । जब दूसरी दफा मीटिंग बुलाई गई थी तो आप सबने उसका विरोध किया । आप वहां पर आकर के अपनी बात कह सकते थे । आपने केवल सस्ती पब्लिसिटी हासिल करने के मात्र से उस मीटिंग का बॉयकाट कर दिया । यही बात आप ने प्रधानमंत्री जी से कहनी थी और वहीं बात हमने कहनी थी । मैं चौधरी बंसी लाल जी की सराहना करूंगा चाहे इनको बाद में अक्ल आई पर इनको तो अक्ल आ गई और बाद में उसमें शामिल हो लिए । चौधरी साहब एस०वाई०एल० हमारे लिए जीवन मरण का मुद्दा है । 14 जनवरी तक पंजाब की सरकार ने इसको बनाना था । सुप्रीम कोर्ट का फैसला भी यही था कि 14 जनवरी तक पंजाब सरकार इसको बनाए अन्यथा यथा शीघ्र केन्द्र की सरकार इसको बनाएगी । हमने पहली मीटिंग में यही कहा था कि अगर ये नहीं बनाएंगे तो फिर हम प्रधानमंत्री जी से मिलेंगे । उनसे मिलने के बाद प्रधानमंत्री जी ने उस मामले में बहुत तेजी दिखाई । सर्वप्रथम उसी दिन फैसला होने के फौरन बाद सिंचाई मंत्रालय की तरफ से पंजाब की सरकार को, केन्द्र सरकार को और हमें भी नोटिस दिया गया । चीफ सैक्रेटरी लैवल पर उसकी मीटिंग हो ली । इराडी ट्रिब्यूनल के जिस मैम्बर की कमी थी, केन्द्रीय सिंचाई मंत्रालय ने उस पोस्ट को भरने के लिए नाम सुप्रीम कोर्ट में भेज दिया । सुप्रीम कोर्ट ने फौरन से पेश्तर 24 तारीख को पंजाब की कांग्रेस की सरकार को और केन्द्र की सरकार को नोटिस दे दिया कि इस बारे में जल्दी से जल्दी कार्यवाही करें और इस बारे में क्या कार्यवाही कर रहे हैं इसकी भी जानकारी दें। जबकि पंजाब की सरकार के वकील नारीमन ने प्रयास किया कि हमारी इस अपील को मेन केस के साथ क्लब कर दिया जाए । लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने भी उसको नहीं माना है । फिर हमें यह मानकर चलना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की कहीं उल्लंघना नहीं होगी और केन्द्र की सरकार शत प्रतिशत सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के दृष्टिगत इस एस०वाई०एल० कैनाल को बनवाएगी । इसलिए मैं पूरे सदन से यह अनुरोध करूंगा कि एस०वाई०एल० के मुद्दे पर हम सबको मिलकर प्रयास करने चाहिएं ताकि जल्द से जल्द यह नहर बन सके । यह हमारे लिए अति आवश्यक है । जहां तक सड़कों का ताल्लुक है .....

चौ० जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। राजीव लौंगोवाल समझौते को सरकार मानती है या नहीं ? * * * *

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश जी, आप बैठिए। इस तरह नहीं हुआ करता। आपका कोई प्वायंट ऑफ आर्डर नहीं है इसलिए आप बैठ जाएं। (विघ्न) इनकी अब कोई बात रिकार्ड न करें। आप बैठें। आपने अपनी बात पहले ही बोल दी है और अब मुख्यमंत्री जी उसका जवाब दे रहे हैं।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

चौ० जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश जी, यह तो सदन के नेता को देखना है कि किस समय पर कौन सी रिप्लाई दी जाएगी या कौन सा रिप्लाई उपयुक्त है । आप बैठें। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, पानी का बंटवारा जमीन के हिसाब से होता है किसी क्षेत्र के हिसाब से नहीं होता । भूमि के हिसाब से बंटवारा होता है । हम सब काश्तकार हैं । हमें पता है कि किस मौघे से कितना पानी निकलता है और कितने मिनट प्रति एकड़ के हिसाब से दिया जाता है । इसलिए जो यह दुष्प्रचार है यह जानबूझकर लोगों को गुमराह करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से प्रचारित किया जा रहा है । लेकिन मैं सदन को बताना चाहूंगा कि इसमें किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं है । कई ऐसे लोग भी थे जो उस वक्त इनकी पार्टी में थे लेकिन उस वक्त भी इन्होंने उनको बोलने नहीं दिया और आज वे दोबारा से फिर इनकी पार्टी में आ गये हैं । इसी प्रकार से कई लोग और हैं जो अपना रथ अलग से बनाकर चल रहे हैं वे भी अपनी ठेकेदारी करते हैं कि हम पानी का समुचित बंटवारा करवाने का काम करेंगे यानी इस तरह से लोगों को गुमराह करने से कोई मसला हल नहीं होगा । (विघ्न)

श्री धर्मबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है ।

श्री अध्यक्ष : धर्मबीर जी, आप बैठें ।

श्री धर्मबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात तो सुनिये । * * *

श्री अध्यक्ष : इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए । धर्मबीर जी, आप बैठें। आप बार-बार ऐसे ही खड़े हो जाते हैं । (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, पानी का बंटवारा कहां हुआ है। ऐस्टीमेटस कमेटी की रिपोर्ट में भी इस बारे में लिखा हुआ है ।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप बैठ जाएं इस तरह से बात करने का कोई फायदा नहीं है । (विघ्न) मुख्यमंत्री जी अपनी बात कहने लग रहे हैं इसलिए आप बैठें । आपको फिर जब मौका मिलेगा तो आप अपनी बात कहना । (विघ्न) आप बैठ जाएं ।

कैप्टन अजय सिंह यादव : * * * *

श्री अध्यक्ष : अब कैप्टन साहब की कोई बात रिकार्ड न करें ।

डा० रघुबीर सिंह कादियान : स्पीकर सर, आप हमारी बात तो सुनें ।

श्री अध्यक्ष : नहीं नहीं, कादियान साहब, आप बैठें । आप तो सी० एम० साहब की बात पूरी नहीं होने दे रहे हैं ।

डा० रघुबीर सिंह कादियान : स्पीकर सर, आप हमारी बात तो सुनें ।

श्री अध्यक्ष : कादियान साहब, आप बैठें वरना मुझे आपके खिलाफ ऐक्शन लेना पड़ेगा । कादियान साहब, आप बैठेंगे या नहीं । (विघ्न) दलाल साहब, आप भी बैठें । (विघ्न) दलाल साहब, आप हाउस को चलाने में सहयोग करें । (विघ्न) दलाल साहब, आप बैठ जाएं ।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इस तरह से तो सदन नहीं चलेगा। अगर ये इस तरह ही करेंगे तो हमें कोई और तारीका अख्तियार करना पड़ेगा । (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, पानी के बंटवारे वाली हमारी बात दबायी जा रही है । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप बैठिए। (विघ्न)

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, ऐसा लग रहा है कि जैसे शुरुआत में ही मुख्यमंत्री जी ने कहा था कि ये लोग मेरी बात नहीं सुनेंगे बीच में ही भागकर जाएंगे तो अब वही बात होने जा रही है । यह कोई षड्यंत्र रचकर आये हैं वैल प्लांड होकर आये हैं, अपनी प्लानिंग बनाकर आये हैं कि इन्होंने सरकार का जवाब नहीं सुनना है क्योंकि सरकार का जवाब सुनने से इनकी पोल खुलती है और लोगों के सामने विकास के कार्यों की झलक जाती है । सरकार अपनी बात रख रही है लेकिन यह चाहते हैं कि इन लोगों की पोल न खुले और सरकार का व्यू न आएं । स्पीकर सर, यह षड्यंत्र रचकर आये हैं प्लानिंग करके आये हैं । Such type of tendencies should be curbed. आपने इनको बोलने का पूरा टाइम दिया । अब ये बार बार इंट्रप्शन डाल रहे हैं । हाउस के नेता को बार बार इंट्रप्ट कर रहे हैं । यह इनकी इस किस्म की प्लानिंग है, कोई स्कीम है, such type of tendencies should be curbed in the interest of the democracy. इस तरह की टेंडैंसी कर्ब होनी चाहिए । ये ऐसा कर रहे हैं जब ये बोलेंगे तब क्या हम इनको बोलने देंगे ? इस तरह की बात नहीं करनी चाहिए। डेकोरम मेंटेन होना चाहिए । यह कोई डेकोरम है they should maintain decorum.

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, आप बैठ जाएं । भजन लाल जी, आप बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय मैं यह कह रहा हूं कि मुख्यमंत्री जी को सारी बातों का जवाब देना चाहिए । पानी के बंटवारे के मामले में यह सबने बात उठायी है । जो भी मुद्दे उठे हैं उनका मुख्यमंत्री जी को जवाब देना चाहिए । हम इनका जवाब सुनेंगे । हम वाकआउट करके जाने वाले नहीं हैं ।

श्री अध्यक्ष : कर्ण सिंह जी, आप बैठें, जगजीत सिंह, कैप्टन साहब, आप सभी बैठ जाएं । (शोर एवं व्यवधान) अनीता जी, आपको बोलने का खूब समय दिया गया था । जगजीत सिंह, आप क्वैश्चन दिया करें । इस समय यह बात पूछने का वक्त नहीं है ।

डा० रघुबीर सिंह कादियान : स्पीकर साहब, आप सरकार का बचाव कर रहे हैं ।

श्री अध्यक्ष : सरकार बहुत जिम्मेदारी से जवाब दे रही है आपमें सुनने की हिम्मत नहीं है ।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, आपने रूल का हवाला देकर पढ़कर सुना दिया कि ये मुख्यमंत्री जी की रिप्लाई के बीच में कोई सवाल नहीं पूछ सकते । जो इन्होंने पूछना था पूछ लिया उस समय हमने इंट्रप्ट नहीं किया। अब क्वैश्चन पूछने का मौका नहीं है । अब सरकार के जवाब देने का मौका है । इसलिए आपने रूलिंग पढ़कर सुना दी । ये लोग फिर भी इंट्रप्शन डाल रहे हैं । स्पीकर सर, अब हाउस का डेकोरम बनाने की ड्यूटी आपकी है । अध्यक्ष महोदय, ये भागेंगे। It is a wrong practice. There are some set rules. गारंटी है कि ये भागेंगे ।

Mr. Speaker : In Rule 97(ii) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, it is mentioned :—

"Rules to be observed by Members

97. Whilst the Assembly is sitting, a member

(ii) Shall not interrupt any member while speaking by disorderly expression or noises or in any other disorderly manner."

आप लोग ऐसे मैनर्ज में न रहिए । आप बैठिए । (शोर एवं व्यवधान) आप लोग शांति बनाए रखें व जवाब सुनें । जगजीत सिंह, आप बैठ जाएं । धर्मवीर जी, आप भी बैठ जाएं । (शोर एवं व्यवधान)

डा० रघुबीर सिंह कादियान : स्पीकर साहब, आप मेरी बात सुनिए ।

श्री अध्यक्ष : रघुबीर सिंह जी, आप बैठ जाएं । आप तो पढ़े लिखे हैं ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से पूरे सदन को अवगत करा दूं कि पानी के बंटवारे के मामले को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में फैसला विचाराधीन है और सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के मुताबिक निश्चित रूप से एस०वाई०एल० नहर मुकम्मल होगी और जब हरियाणा प्रदेश में नहर मुकम्मल होगी तो हमें हमारे हिस्से का पानी मिलेगा । पानी जैसा कि मैंने बताया कि जमीन के हिसाब से जिसका जितना हक होगा उसके मुताबिक दिया जायेगा । पानी जमीन के आधार पर मिलता है । पहले हमारा काम केवल नहर को जल्द से जल्द मुकम्मल करवाना है ताकि हमारे हिस्से का पानी हमें मिले उसके बाद आगे की बात है । आज हमारा झगड़ा पंजाब सरकार से हमारे हिस्से का पानी लेने के बारे में है । जब हमारा पानी हमें मिल जायेगा उस पानी के हिसाब से जिसका जितना हक होगा उसको निश्चित रूप से उतना एस०वाई०एल० नहर का पानी मिलेगा और यह सारा का सारा पानी दक्षिणी हरियाणा का ही है इसमें कोई दो राय नहीं है । (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, कितना पानी देंगे इस बारे में बतायें ।

श्री जगजीत सिंह : अध्यक्ष महोदय, - - - - -

डा० रघुबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, ऑन ए प्वायंट ऑफ आर्डर। अध्यक्ष महोदय यह सीरियस मामला है ।

श्री अध्यक्ष : आप बैठ जाइये । मैं आपको निकालना नहीं चाहता लेकिन आप निकलना चाहते हैं मुझे ऐसा महसूस हो रहा है । मैं चाहता हूं कि आप अपनी बात रखें ।

नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह) : स्पीकर सर, मैं आपसे हाउस की रूलिंग चाहता हूं कि एक प्वायंट ऑफ आर्डर पर कितनी बार बोलने के लिए समय मिलता है । श्री रघुबीर सिंह कादियान बार - बार उठ जाते हैं और कहते हैं कि प्वायंट ऑफ आर्डर । एक प्वायंट ऑफ आर्डर पर बोलने के लिए एक बार बोलने के लिए समय मिलता है और ये बार-बार उठ जाते हैं ।

डा० रघुबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, ऑन ए प्वायंट ऑफ आर्डर। अध्यक्ष महोदय यह सीरियस मामला है ।

श्री धर्मबीर सिंह : स्पीकर महोदय, यह पानी का मामला है ।

श्री अध्यक्ष : रघुबीर सिंह कादियान, धर्मबीर जी आप बैठ जाईये । I warn you.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये जायेंगे एक अकेली पार्टी वाला पहले जायेगा । बाकी भी जायेंगे । अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात को फिर से दोहराना चाहूंगा कि वैसे ये प्रश्न सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद का है । पहले हमें पंजाब से हमारे हिस्से का पानी मिलेगा उसके बाद ही हम हरियाणा प्रदेश में उस पानी का जिसको जितना हक हो उसके मुताबिक ही बंटवारा करेंगे । उसमें कोई दिक्कत नहीं आयेगी ।

चौ० भजन लाल : जहां पानी ज्यादा है और जहां पानी नहीं है वहां कैसे मिलेगा ?

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजनलाल जी, आप बैठिये।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मुस्तर्का पंजाब में श्री लहरी सिंह, आई०पी०एम० होते थे । मुस्तर्का पंजाब में श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के पिता चौधरी रणबीर सिंह, आई०पी०एम० होते थे । श्री सुरजेवाला जी आई०पी०एम० चौधरी भजन लाल जी की कांग्रेस की सरकार में मंत्री होते थे । राव बीरेन्द्र सिंह कांग्रेस की सरकार में मुख्यमंत्री होते थे जब इन्होंने बात नहीं करी । इस बात की किसी ने आवाज नहीं उठाई ये छः लोग थे कहां गये उस समय । इनमें से किसी ने भी कोई आवाज नहीं उठाई । आपको इस बात के लिए हमें श्रेय देना चाहिए कि हमने हमारे हिस्से का पानी लिया है हम हमारा एक-एक बूंद पानी का अधिकार लेना चाहते हैं ।

श्री जगजीत सिंह : स्पीकर साहब, मेरा प्वांयट ऑफ आर्डर है । (शोर)

श्री अध्यक्ष : सांगवान साहब, आप कृपया बैठ जाएं । (शोर)

वाक आउट्स

श्री जगजीत सिंह : अध्यक्ष महोदय, यदि आप मुझे प्वांयट ऑफ आर्डर रेज करने के लिए समय नहीं दे रहे हैं तो मैं एज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट करता हूं । (शोर)

(इस समय नेशनेलिस्ट कांग्रेस पार्टी के सदस्य श्री जगजीत सिंह सांगवान सदन से वाक आउट कर गए)

श्री धर्मबीर सिंह : स्पीकर साहब, मेरा भी प्वांयट ऑफ आर्डर है । (शोर)

श्री अध्यक्ष : श्री धर्मबीर सिंह जी, आप कृपया बैठ जाएं । (शोर)

श्री धर्मवीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, यदि आप मुझे प्वांयट आफ़ आर्डर रेज करने के लिए समय नहीं दे रहे हैं तो मैं एज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट करता हूं । (शोर)

(इस समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के सदस्य श्री धर्मबीर सिंह सदन से वाक आउट कर गए)

सदस्य का नाम लेना

डा० रघुबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, मुझे भी अपना प्वांयट आफ आर्डर रेज करने के लिए टाईम दिया जाए । (शोर)

श्री अध्यक्ष : कादियान साहब, आप कृपया बैठ जाएं । (शोर)

डा० रघुबीर सिंह कादियान : स्पीकर साहब, * * *

श्री अध्यक्ष : कादियान साहब की कोई बात रिकार्ड न की जाए । (शोर)

डा० रघुबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री अध्यक्ष : कादियान साहब, आप कृपया बैठ जाएं ।

डा० रघुबीर सिंह कादियान : स्पीकर साहब, * * *

Mr. Speaker : Kadian Sahib I warn you (Interruptions)

डा० रघुबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, * * *

Mr. Speaker : I name Shri Raghubir Singh Kadian. He may please leave the House (Interruptions).

(At this stage Shri Raghubir Singh Kadian M.L.A. withdrew from the House himself).

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : वाक आउट भी सात हिस्सों में करोगे । क्योंकि ये 7 ग्रुपों में बंटे हुए हैं । भजन लाल जी, आप तो सब तक वाक आऊट नहीं करेंगे जब तक भूपेन्द्र सिंह हुड्डा वाक आऊट नहीं करेंगे । आपको तो सरकार की दाद देनी चाहिए । हमने ड्रेनों में पानी डालकर लोगों के खेतों की सिंचाई करवाई । बहन अनीता जी एवं दान सिंह जी बैठे हैं । भयंकर सूखे की स्थिति में हमने नहरों में पानी चलाया, 53 प्रतिशत बिजली दी, खेत का एक-एक धप्पा आज काश्त है । परमात्मा की हम पर अनुकम्पा रही और ओलावृष्टि नहीं हुई तो पिछले सालों के मुकाबले सवाई फसल होगी । आपको तो सरकार की सराहना करनी चाहिए थी, उल्टे आप सरकार की बुराई करते हैं । (शोर)

राव नरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री अध्यक्ष : राव नरेन्द्र सिंह जी, आप बैठ जायें, I warn you. सारे दक्षिणी हरियाणा का ठेका आपने ले लिया है (शोर) आप बैठ जायें । राव नरेन्द्र सिंह जी जो कह रहें है वह रिकार्ड न किया जाए । आप सारी बातें बोल चुके हैं ।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, न केवल पानी के मामले में हमने ड्रेनों में पानी डालकर खेतों की सिंचाई की बल्कि बिजली का जहां उत्पादन किया वहीं पिछले सालों के मुकाबले 53 प्रतिशत तक बिजली देकर लोगों के खेतों की सिंचाई कराने का हमने काम किया है । भजन लाल और दूसरे साथियों ने कहा कि बिजली के रेट बढ़े हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगा कि किस-किस सरकार में किस-किस रेशो में बिजली के रेट बढ़े हैं । जहां तक बिजली दरों में वृद्धि का सम्बन्ध है, वर्तमान सरकार के शासनकाल में पिछली दरों में वृद्धि के मुकाबले में कम वृद्धि हुई है । पिछली सरकारों के समय में 35 प्रतिशत से 49 प्रतिशत तक की वृद्धि की गई, यह रिकार्ड की बात है। वर्तमान सरकार ने अपने पूरे शासनकाल में 2001 में 11.3 प्रतिशत, 01.09.2001 को 0.8 प्रतिशत की यानि केवल 12 प्रतिशत की वृद्धि की है । भजन लाल जी, आपके शासनकाल में 05.06.1992 को 12 प्रतिशत, 01.02.1994 को फिर 12 प्रतिशत, 28.12.1994 को 25 प्रतिशत यानि 49 प्रतिशत बिजली के रेट आपके शासनकाल में बढ़े । बंसी लाल जी, आप कान खोलकर सुन लें क्योंकि आपका एक कान ठीक काम नहीं करता, आप राजेन्द्र सिंह बिसला जी से पूछते हैं कि क्या कह गए । 01.07.1996 को 20 प्रतिशत, 15.06.1998 को 15 प्रतिशत यानी कुल मिलाकर 35 प्रतिशत वृद्धि आपके शासनकाल में हुई । सरचार्ज इसके अलावा है । मैं पूरा पढ़ूंगा तो देर लग जायेगी । चौधरी बंसी लाल जी के शासन काल में फ्यूल सरचार्ज 8 पैसे प्रति यूनिट से बढ़कर 41 पैसे प्रति यूनिट कर दिया गया । यानि यह तो इनकी हालत है, न तो ये बिजली पैदा कर सके और बिजली के रेट ज्यादा बढ़ाये । स्पीकर सर, इसके अतिरिक्त चौधरी बंसी लाल जी और चौधरी भजन लाल जी के शासनकाल के दौरान 8 हजार ट्यूबवैल के कनैक्शन दिए गए जबकि हमने 24 हजार ट्यूबवैल के कनैक्शन अपने तीन साल के कार्यकाल के दौरान दिए हैं । (शोर एवं व्यवधान) मैं अपने विपक्ष के साथियों को बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार ने हर क्षेत्र में प्रगति की है ।

श्री राम किशन फौजी : अध्यक्ष महोदय, ये यह भी बता दें कि इन्होंने ट्यूबवैल के कनैक्शन के लिए सिक्योरिटी के रूप में कितने पैसे जमा करवाये हैं ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : फौजी साहब, प्लीज आप बैठें ।

चौ० जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश जी, प्लीज़ आप बैठें । (शोर एवं व्यवधान) जय प्रकाश जी, I warn you.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जहां तक सड़कों की बात है जिस समय हम सत्ता में आये थे उस समय हरियाणा प्रदेश की सड़कों में चार-चार फिट के खड्डे पड़े हुए थे उनको हमारी सरकार ने अपने तीन साल के कार्यकाल में ठीक करवाया है । हमारी सरकार ने पी०डब्ल्यू०डी० और मार्किटिंग बोर्ड के द्वारा 4190 कि०मी० लम्बाई की नई सड़कों का निर्माण करवाया है । इसके अतिरिक्त 674 कि०मी० लम्बे नेशनल हाई-वे पर कारपेटिंग करवाई है, 3749 कि०मी० लम्बे स्टेट हाई-वे व ग्रामीण सड़कों का सुधार किया है और 12324 कि०मी० लम्बाई की सड़कों का स्टेट हाई-वे पर व ग्रामीण सड़कों पर का कार्य करवाया है । अध्यक्ष महोदय, ये कार्य हमारी सरकार ने अपने तीन साल के शासनकाल में करवाये हैं । जबकि चौधरी बंसी लाल जी के समय में सड़कों पर जो कार्य हुआ था उसके बारे में भी मैं बता देता हूं । (शोर एवं व्यवधान)

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

बंसी लाल जी के लगभग तीन वर्ष के शासन काल के दौरान 1094 कि.मी. लम्बाई की नई सड़कों का निर्माण करवाया गया, 280 कि०मी० लम्बे नेशनल हाई-वे पर कारपेटिंग करवाई गई, 1017 कि०मी० लम्बे स्टेट हाई-वे व ग्रामीण सड़कों का सुधार किया गया और 6376 कि०मी० लम्बाई की सड़कों का स्टेट हाई-वे पर व ग्रामीण सड़कों पर कारपेटिंग का कार्य करवाया गया । (शोर एवं व्यवधान)

चौ० बंसी लाल : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौधरी बंसी लाल जी, प्लीज आप बैठें ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी के समय में सड़कों पर जो कार्य हुए थे मैं उनके बारे में भी बता देता हूं । चौधरी भजन लाल जी के समय में 2657 कि.मी. लम्बाई की नई सड़कों का निर्माण किया गया था । इसके अतिरिक्त 240 कि.मी लम्बे नेशनल हाई-वे पर कारपेटिंग की गई थी, 1013 कि.मी. लम्बे स्टेट हाई-वे व ग्रामीण सड़कों का सुधार किया गया था और 7178 कि.मी. लम्बाई की सड़कों का स्टेट हाई-वे पर व ग्रामीण सड़कों पर कारपेटिंग का कार्य करवाया था । अध्यक्ष महोदय, ये आंकड़े सभी सरकारों के शासन काल के हैं । इनसे अंदाजा लगाया जा सकता है कि हमारी सरकार ने सड़कों का कितना सुधार किया है और दूसरी सरकारों ने कितना किया था। यही कारण है कि आज हरियाणा प्रदेश के अंदर विदेशी औद्योगिक इकाईयां निवेश कर रही हैं और उद्योग लगा रही हैं । (शोर एवं व्यवधान)

चौ० बंसी लाल : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । * * * * *

श्री अध्यक्ष : चौधरी बंसी लाल जी, प्लीज आप बैठें । आप बिना इजाजत बोल रहे हैं इसलिए आपकी कोई बात रिकार्ड नहीं की जा रही । बंसी लाल जी, आप बड़े सीनियर पार्लियामैंटेरियन हैं, आप बिना इजाजत बोलें यह ठीक नहीं है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से पूरे सदन के सभी सम्मानित सदस्यों से कहना चाहूंगा कि यदि कोई भी उद्योग हमारे शासनकाल के दौरान हरियाणा से गया है तो हमें बतायें कि कौन सा उद्योग हमारे शासनकाल में यहां से चला गया । अध्यक्ष महोदय, हमारे शासनकाल के दौरान हरियाणा में उद्योग आये हैं, गये नहीं । एक भी उद्योग हमारे शासनकाल के दौरान यहां से नहीं गया, यदि कोई उद्योग गया है तो बता दें । विपक्ष के साथी ऐसे ही अनर्गल बातें कहते रहते हैं । अनर्गल बात सदन में नहीं करनी चाहिए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं बताता हूं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, प्लीज आप बैठें ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के कई साथी ऐसे ही उठकर बाहर चले जाते हैं, लॉबी में चले जाते हैं । पता नहीं चलता कि वे वाक आउट करके जाते हैं या यूं ही जाते हैं । अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने हर क्षेत्र में प्रगति की है। प्रत्यक्ष के आगे प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती । राव इन्द्रजीत सिंह, जय प्रकाश बरवाला जी, आई० जी० रिटायर्ड शेर सिंह जी, (रिटायर्ड) श्रीमती अनीता यादव आदि सम्मानित सदस्यों ने सड़कों पर अच्छा काम

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नही किया गया ।

होने के कारण हमारी सरकार की सराहना की है कि सड़कें अच्छी बनी हैं । अध्यक्ष महोदय, जब कांग्रेस के दोस्त यह मानते हैं कि सड़कें अच्छी बनी हैं तो हमें यह मानकर चलना चाहिए कि यह हमारी बहुत बड़ी उपलब्धि है ।

इसके अतिरिक्त परिवहन का जिक्र आया । जिस समय हम सत्ता में आये थे उस समय हरियाणा रोडवेज की बसों की बहुत खस्ता हालत थी । जो सवारी बस में सीट पर बैठती थी तो सीट नीचे से चूंटकी दबा लेती थी और सवारी की धोती फट जाती थी तथा नीचे उतरते थे तो कमीज फट जाता था । इतनी बुरी हालत उस समय हरियाणा रोडवेज की बसों की थी । चौधरी बंसी लाल जी ने तो अपनी जैसी हालत उन बसों की बना करके छोड़ दी थी । अध्यक्ष महोदय हमारी सरकार आने के बाद हमनें 1700 नई बसें हरियाणा प्रदेश की सड़कों पर दौड़ाई हैं । ये ऐसी बसें हैं जैसे कोई दुल्हन हो । (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : फौजी साहब, आप बैठिये । आप बीच में न बोलें । आप बैठिये।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : चौधरी बंसी लाल जी की सरकार के शासनकाल में न सिर्फ बसों की यह हालत थी बल्कि 100 करोड़ रुपये से ऊपर का घाटा ट्रांसपोर्ट विभाग को हो गया था । हमारी सरकार ने 1700 नई बसें खरीदी और कई सौ नई बसें और आने वाली हैं। हमारी सरकार ने उस घाटे को घटा करके 46 करोड़ रुपये पर ला दिया है । यानि आज वह घाटा 100 करोड़ से घटकर 46 करोड़ रुपये रह गया है और वह भी उस हालत में जबकि डीजल के दाम निरंतर बढ़े हैं जबकि हमने किराया तक नहीं बढ़ाया है । (शोर एवं विघ्न) हमने किराया नहीं बढ़ाया । अगर बढ़े हुए डीजल के रेट के हिसाब से किराया बढ़ाते तो यह जो 46 करोड़ रुपये का घाटा है वह कवर होकर ट्रांसपोर्ट विभाग और मुनाफे में आ गया होता । आपको इस बात की सराहना करनी चाहिए कि सरकार ने जो अच्छे काम देश के हित में किए हैं तो उन बारे में आप सब लोगों की जिम्मेवारी है और मैं आप सबसे विनम्र निवेदन करूंगा कि हमारा सब का यह कर्तव्य होना चाहिए कि यह प्रदेश प्रगति के पथ पर बढ़े, इस प्रदेश का हर व्यक्ति खुशहाल हो और अनेक प्रकार की सुविधाएं मिलें तथा उसकी मूलभूत जरूरतें पूरी की जा सकें इसके लिए सरकार के प्रयासों के साथ पूर्णरूप से सहमति होनी चाहिए । हम प्रजातंत्र में यकीन रखते हैं । मैं चाहता हूं कि हैल्दी क्रिटीसिज्म होनी चाहिए । हैल्दी क्रिटीसिज्म से हमें कुछ सीखने का अवसर मिलता है । मैं आपसे यह भी निवेदन करना चाहता हूं कि आप कटाक्ष करने की बजाय रचनात्मक सुझाव दें । जिस किसी साथी ने जो सुझाव दिए हमने उसके सुझाव को माना है और हम उनके सुझावों को मानेंगे भी । हमारी एक सोच है कि हरियाणा प्रदेश आज विश्व के स्तर पर प्रगतिशील प्रदेश के नाम से प्रख्यात हो चौधरी भजन लाल जी आप बुरा न मानें । हमने तो वह वक्त भी देखा है जब हरियाणवी को हरियाणवी कहने में भी शर्म महसूस हुआ करती थी । एक दफा मैं अहमदाबाद गया था और जब मैं रेल से उतर कर सड़क पर गया तो 2 कुली आपस में लड़ रहे थे । मैंने उन दोनों को रोकने की कोशिश की तो मेरे देखते-देखते एक ने दूसरे को थप्पड़ मारा। मैंने कहा कि अरे तूने इसको थप्पड़ मारा तो वह कहने लगा कि इसने मुझे भजन लाल कहा था । (शोर एवं विघ्न) चौधरी साहब मैं बिल्कुल सच कह रहा हूं । चौधरी साहब, जो खम्बे पर लिखा है उसको पढ़ कर कहता हूं कि मैं बिल्कुल सच कह रहा हूं । (शोर एवं विघ्न) उसने जो कहा वह मैं बता रहा हूं । हो सकता है कि जो आप कह रहे हों वह सही हो और वह मेरा नाम लेना चाहता हो लेकिन पता नहीं उसने क्यों कहा। उसने कहा कि इसने मुझे भजन लाल कहा और मैंने पलटकर यह कहा कि तेरे लिए तो यह

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

बड़े गर्व की बात है और तुम्हें तो यह फख्र करना चाहिए कि चौधरी भजन लाल हरियाणा प्रदेश का मुख्यमंत्री है तेरा सम्मान बढ़ा है । उस कुली ने झल्ला कर कहा होगा हरियाणा प्रदेश का मुख्यमंत्री कोई भजन लाल । हमारे प्रदेश में तो भजन लाल भ्रष्टाचार का प्रतीक माना जाता है । (शोर एवं विघ्न)

वैयक्तिक स्पष्टीकरण

चौ० भजन लाल , एम०एल०ए० द्वारा—

चौ० भजन लाल : स्पीकर साहब मैं आपकी इजाजत से पर्सनल एक्सप्लेनेशन देना चाहता हूं । स्पीकर साहब अभी इन्होंने कहा कि भजन लाल भ्रष्टाचार का प्रतीक है । यह ओम प्रकाश चौटाला मुझे कहता है । (शोर एवं विघ्न) जो आदमी * * * *

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी की कोई बात रिकार्ड न की जाये । (शोर एवं विघ्न) भजन लाल जी आप बैठिये, आपकी कोई बात रिकार्ड नहीं हो रही ।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आदमी अतीत से सीखता है और भविष्य की कल्पना करता है । हम हर बात को तुलनात्मक दृष्टि से देखते हैं । एक वो हरियाणा था जिसका मैंने अभी उल्लेख किया है और एक आज का हरियाणा है कि इस प्रदेश का कोई बाशिंदा दुनिया के किसी देश में जायेगा और जाते लोग पूछेंगे कि तुम किस देश से आये हो और जब वह यह कहेगा कि मैं भारत से आया हूं तो फिर पलट कर पूछेगा कि किस प्रदेश के बाशिंदे हो । जब वह यह कहेगा कि हम हरियाणा प्रदेश के बाशिंदे हैं तो लोग आपको पलकों पर बैठाकर कहेंगे कि तुम उस प्रदेश के वासी हो जिस प्रदेश में चौधरी देवी लाल जी पैदा हुआ थे । चौधरी भजन लाल जी हमारी सरकार की एक नीति है । हम महापुरुषों का सम्मान करते हैं । यह देश ऋषि मुनियों का देश है, यह देश पीरों-फकीरों का देश है, यह त्यागी-तपस्वियों का देश है और यह देश भक्तों का और महापुरुषों का देश है । इसलिए हमने एक निर्णय लिया है कि जो कोई एजूकेशनल इन्स्टीच्यूट या कोई संस्था स्थापित करते हैं तो वह हम महापुरुषों के नाम पर करते हैं । चाहे वह शहीदे आजम भगत सिंह हो, चाहे शिरोमणि उधम सिंह हो, चाहे महाराजा प्रताप हो, और चाहे विजयलक्ष्मी हो । हमने उन सब लोगों के स्टैच्यू स्थापित किए हैं । आज इस सदन में ऐसे आदमी भी बैठे हैं जो यह कहते हैं कि मेरी सरकार बनेगी तो मैं देवीलाल के स्टैच्यू तोड़ दूंगा । ना नो मन तेल होगा, ना राधा नाचेगी । (शोर एवं विघ्न)

चौधरी बंसी लाल : नौ मन तेल भी होगा और राधा भी नाचेगी । (विघ्न एवं शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : राधा कहां नाचेगी ? (विघ्न एवं शोर) अगर राधा नाचनी देखनी है तो अफगानिस्तान में देखना जहां गौतम बुद्ध के बुत तोड़े थे । उनसे पूछो कि वहां की हालत क्या

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नही किया गया ।

हो गई है। (विघ्न एवं शोर) चौधरी साहब, देवी लाल के स्टैच्यू इस लिए स्थापित नहीं किये जा रहे कि देवी लाल का बेटा इस प्रदेश का मुख्य मंत्री है। चौधरी देवी लाल जी के बुत इसलिए लगाए जा रहे हैं क्योंकि चौधरी देवी लाल युग पुरुष थे। चौधरी देवी लाल का स्टैच्यू चौधरी देवी लाल की पुण्य तिथि पर हिन्दुस्तान की सबसे बड़ी पंचायत पार्लियामैंट में भी स्थापित किया जाएगा। इसी 6 अप्रैल को पार्लियामैंट में चौधरी देवी लाल की तस्वीर लगाई जाएगी। यह तस्वीर उन तस्वीरों के बीच में लगाई जाएगी जहां पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पण्डित जवाहर लाल नेहरू जैसे लोगों की तस्वीरें लगी हैं। चौधरी साहब, क्या आप वहां पर जा कर भी ये बुत तोड़ दोगे । (विघ्न एवं शोर)

चौधरी बंसी लाल :अध्यक्ष महोदय, *** ***** ****

श्री अध्यक्ष : चौधरी बंसी लाल जी, आप बैठिये। ये जो बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए। (विघ्न) बंसी लाल जी, आप बैठिये आपकी कोई बात रिकार्ड नहीं होगी। (विघ्न एवं शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अभी तक इनकी तानाशाही प्रवृत्ति है। इनकी हालत यह है कि 5-7 दिन पहले ये जाखोदा गांव में सभा करने के लिए गए थे । हमारे एक आई.ए.एस. ऑफिसर एक सम्मानित व्यक्ति हैं उनकी माता इस इलाके की बहुत प्रतिष्ठित औरत थी गांव के लोगों ने कहा कि उनकी डैथ हो गई है यह गाना बजाना बन्द कर दें लेकिन इनके लोग नहीं माने और गांव के लोगों ने आ कर जबरदस्ती वह बन्द किया। चौधरी बंसी लाल जी खुद बहादुरगढ़ रैस्ट हाउस में बैठे रहे। (विघ्न एवं शोर)

चौधरी बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, **** **** * ***

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी, आप इन्हें कम्पलीट तो करने दें, आप बैठिए । (विघ्न एवं शोर) इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए। (विघ्न एवं शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला: अनीता जी, मैं महिलाओं के सम्मान की बात करता हूं, आप थोड़ा ध्यान दें। (विघ्न एवं शोर) यह ठीक है कि चौधरी साहब वहां पर गए नहीं क्योंकि गांव के लोगों ने लाउड स्पीकर बन्द कर दिया था और सभा वहां पर थी नहीं वे रैस्ट हाउस में ही बैठे रहे। रैस्ट हाउस में प्रैस के लोगों ने इनसे कहा चौधरी साहब आपको गाना बजाना करने की बजाए उस जोहल की माता जो कि एक सम्मानित महिला थी, उसके यहां जा कर बैठना चाहिए था। चौधरी साहब ने उल्ट कर कह दिया कि चोरों की मां के मरने पर मैं नहीं जाता। (विघ्न एवं शोर) चौधरी साहब, यह बात मैं नहीं कह रहा प्रैस के लोग कह रहे हैं। (विघ्न एवं शोर)

चौधरी बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, **** **** ****

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, आप बैठिए, आपकी कोई बात रिकार्ड नहीं हो रही है। चौधरी बंसी लाल जी, आप बिना परमिशन के खड़े हैं इसलिए आपकी कोई बात रिकार्ड नहीं हो रही है इसलिए आप बैठें। (विघ्न एवं शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : चौधरी बंसी लाल जी, आपको इस बात की भी दाद देनी चाहिए कि इस सदन के सम्मानित सदस्य चौधरी मोहर सिंह के मरने के बाद यह न सोच कर कि तानाशाह का भ्रष्ट का भ्रष्ट का बाप मरा है वहां पर क्यों जाया जाए लेकिन फिर भी हम उसके मरने पर गए थे। मरना तो सभी इन्सानों को है। चौधरी साहब, वह महिला एक सम्मानित महिला थी

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

और महिला सशक्तिकरण के वर्ष में किसी महिला को अपमानित करना आप जैसे बुजुर्ग आदमी के लिए ठीक नहीं है। यह सही है या नहीं यह अखबार की बात है। (विघ्न एवं शोर) आप नोट करवा दीजिए अखबार वाले अगर कहेंगे तो फिर तो आप मानेंगे।

चौधरी बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, *** *** ***

श्री राम किशन फौजी : अध्यक्ष महोदय, *** *** ***

श्री अध्यक्ष: इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए। फौजी साहब, आप बैठें। बंसी लाल जी, आप भी बैठें। (विघ्न एवं शोर) इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, किसानों का बड़ा रोना रोया जा रहा था और मुझे बड़ी हैरानी हो रही थी। जब ऐसे लोग किसानों के भाव की बात करते थे जब कांग्रेस की सरकार थी । किसान की गेहूं के दाम एक रुपया प्रति क्विंटल के हिसाब से बढ़ा कर किसानों को अपमानित किया जाता था। ये गन्ने के भाव बढ़ाने की बात करते हैं। चौधरी भजन लाल जी, आपके शासनकाल में गन्ने के दाम पचास पैसे प्रति क्विंटल के हिसाब से बढ़ाए गए थे और जब लोगों ने इसका विरोध किया तो उन पर ठण्डे पानी के फव्वारे फैंके थे और उन पर घोड़े दौड़ाए थे। (विघ्न एवं शोर) चौधरी साहब, हरियाणा प्रदेश को एक श्रेय जाता है कि हमने 110 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से गन्ने के भाव दिए थे और आपकी सरकार के जो बकाया पैसे थे वह पैसे भी हमने किसानों को दिए थे। अब हमने किसानों का गन्ना भी लिया और उनको फायदा भी दिया । (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : आप सभी बैठें। (विघ्न एवं शोर) मौजूदा सरकार गन्ने का भाव 110 रुपये प्रति क्विंटल दे रही है। कप्तान साहब, आपके यहां गन्ना तो होता नहीं इसलिए आपको इसका पता नहीं है! (विघ्न एवं शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आज भी हमारी प्रदेश की सरकार की तरफ से गन्ने का निर्धारित मूल्य विश्व भर में सबसे ज्यादा है। यह दाम हम चीनी के दाम कम होने के बावजूद भी दे रहे हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आपके यहां पर कोई गन्ने की टोटी तो खड़ी नहीं है। (विघ्न) बैठिए, बैठिए। (विघ्न) आज भी जिसने गन्ना बो रखा है 110 रुपये प्रति क्विंटल का भाव मिल रहा है। (विघ्न) बैठिए, बैठिए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : जहां तक खरीद का ताल्लुक है तो हम पूरे प्रदेश में कर रहे हैं। (विघ्न) गुप्ता जी आप अपनी सीट पर बैठें। (विघ्न) आपका 5 मार्च तो निकल गया है।

श्री भांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मैं प्वायंट आफ आर्डर पर बोलना चाहता हूँ। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी अभी थोड़ी देर पहले फरमा रहे थे कि कांग्रेस की सरकार के वक्त गन्ने के भाव 50 पैसे से ज्यादा नहीं बढ़े हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनको बताना चाहूंगा कि 1990-91 में (विघ्न)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

श्री अध्यक्ष : आप यह बताएं कि 1974 में कितने बढ़े थे। (विघ्न) हमने बेचा है, आप छोड़ें इस बात को । (विघ्न) सदन ठीक से चल रहा है। आपको इस बात की चिन्ता करने की जरूरत नहीं है।

श्री मांगे राम गुप्ता : * * * *

श्री अध्यक्ष : गुप्ता जी जो भी बोल रहे हैं वह कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए। (विघ्न) गुप्ता जी आप अपनी सीट पर बैठें। (विघ्न) सदन ठीक से चल रहा है, आप इस बारे में बहस मत कीजिए। (विघ्न)

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, * * * *

श्री अध्यक्ष : मांगे राम जी जो भी बोल रहे हैं वह कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में 12 कोआपरेटिव शूगर मिल्ज़ हैं और वहां पर जो गन्ना किसान डालता है उसको 104, 106 और 110 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से गन्ने का रेट दिया जाता है। इसके अलावा 3 प्राईवेट मिल्ज़ हैं उसमें एक बन्द पड़ी हुई है। उस शूगर मिल से हम किसान की बकाया पड़ी हुई पेमेन्ट करवा रहे हैं। बाकी जो दो शूगर मिलें चल रही हैं उनको भी हमने खुले मन से निमन्त्रण दिया हुआ है कि अपनी शूगर मिल्ज़ को कोआपरेटिव शूगर मिल में लाओ और उसी रेशो से आप पैसा लेकर जाओ। यह कैसे संभव हो सकता है कि प्राईवेट शूगर मिल्ज़ के मालिक पैसा कम लें और बोनस का पैसा हम प्राईवेट लोगों को दे दें। सरकार का पैसा हम प्राईवेट लोगों को नहीं दे पाएंगे। आपकी यह सोच गलत है। हम किसी पूंजीपति की पूंजी बढ़ाने के पक्षधर नहीं है। यह आपकी सोच तो हो सकती है क्योंकि आप एक मात्र वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हो। लेकिन हम चाहते हैं कि हरियाणा प्रदेश के किसान को लाभप्रद मूल्य मिले। हमने हरियाणा प्रदेश के किसान को लाभप्रद मूल्य ही नहीं दिलवाया है बल्कि उसके भण्डारण की उचित व्यवस्था भी की है। हमने मण्डी में किसान का भीगा हुआ गेंहू और चावल खरीदकर किसान को राहत प्रदान की है। स्पीकर सर, एक बार भूपेन्द्र सिंह हुड्डा भी देखा देखी मण्डी में गए थे और चौधरी भजन लाल जी भी गए थे, नाक पर रूमाल लेकर एयर कंडिशंड कमरे में बैठ गए थे। किसान की सारी उपज का माल बिकवाना, उसका समुचित भाव दिलवाना और उसके माल की भण्डारण की व्यवस्था करना, यह वही लोग कर सकते हैं जो किसानों के हितों से जुड़े हुए लोग हैं। आप लोगों के सामने तो किसान का हित ही नहीं है। केवल किसानों के नाम पर आंसू बहाकर उनसे वोट बटोरने का काम करते हो। कभी कभार आप हरिजनों को भी बहकाने का काम करते हो। हरिजन के प्रति जो मामले होते हैं और दूसरे मामले होते हैं उनको सिर्फ उलझाने का काम करते हो। कभी दूलीना के मामले को लेकर और कभी हरसौल गांव में इकट्ठे बैठने वाले लोग आपस में लड़ पड़े तो उनको भी बहकाने का काम करते हो। लेकिन अब लोग आपके बहकाने में नहीं आते हैं। इसका सबसे बड़ा सबूत है कि एक भी हरिजन आपकी तरफ के बैंचों पर नजर नहीं आता है। आपने 50 वर्षों तक इस देश के हरिजनों को गुमराह किया है। क्यों फौजी इनकी तरफ एक भी हरिजन बैठा है ?

श्री राम किशन फौजी : नहीं जी, कोई भी नहीं बैठा है। आपकी बात बिल्कुल सही है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : फौजी बिल्कुल सही बात कहता है। (हंसी) अध्यक्ष महोदय, यह तो इनकी हालत बन गई है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, उद्योग की बात भी यहां पर चली थी। इस बात

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

को लेकर बड़ा प्रचारित किया गया था कि उद्योग लगाने के नाम पर विदेशों की सैर की जा रही है। अध्यक्ष महोदय, हमारी मंशा विदेशों में सैर करने की नहीं थी। इस सदन में बहुत से मुख्यमंत्री ऐसे भी रहे होंगे जो इलाज के लिए विदेशों में गए होंगे। लेकिन हम विदेशों में इसलिए गए कि विदेशी उद्योगपतियों को हरियाणा में उद्योग लगाने के लिए निमंत्रण दें ताकि हमारे प्रदेश में उद्योग स्थापित हों। हम केवल विदेशों में ही नहीं बल्कि हर शहर में इस देश के बड़े अनुभवी उद्योगपतियों के पास भी गए। हमने उनके लिए मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर भी खड़ा किया, हमने अच्छी सड़कें दीं। अध्यक्ष महोदय, हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि हमारे प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति ठीक है। आज हमने प्रदेश के अंदर उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए जो भी सुविधाएं देनी होती हैं वे सारी सुविधाएं उद्योगपतियों को दी हैं और यहां हमारे लिए एक फख्र की बात है। हमारे प्रयासों का ही परिणाम है कि हरियाणा प्रदेश में जहां पहले उद्योग धंधे पलायन कर रहे थे वहीं हमारी सरकार बनने के बाद यहां पर 146 ख्याति प्राप्त बड़ी औद्योगिक इकाईयों ने अपने उद्योग स्थापित किए हैं। अमरीका की, जापान की, जर्मनी की, सिंगापुर की, कोरिया की, यू०के० की एवं कनाडा की जो ख्याति प्राप्त बड़ी कम्पनियां हैं उन्होंने अपने उद्योग हरियाणा में लगाने में रुचि दिखाई है। अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों अमरीका की चार बड़ी कम्पनियों ने बंगलौर जाने के बजाए हरियाणा प्रदेश को प्राथमिकता प्रदान करने का काम किया था। अध्यक्ष महोदय, जैट्रो कम्पनी के अध्यक्ष की अध्यक्षता में जापान का 60 मैम्बरी डैलीगेशन गुड़गांव आया था। संयोग से मैं भी उस मीटिंग में था। जैट्रो कम्पनी के अध्यक्ष ने अपने सम्बोधन में कहा था कि अब हमें उद्योग स्थापित करने के लिए दुनिया के किसी मुल्क में जाने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि हरियाणा हमारे लिए सबसे अच्छा स्थान है। ये हैं हमारी सरकार की उपलब्धियां। जहां हरियाणा प्रदेश बनने के बाद केवल मात्र चार करोड़ रुपये का एक्सपोर्ट होता था वहां हमने इसको दस हजार करोड़ रुपये तक पहुंचाने का काम किया है। इंफोरमेशन टैक्नोलॉजी को बढ़ावा देने में आज हरियाणा प्रदेश दूसरे नम्बर पर है। जहां हमारी सरकार से पहले केवल मात्र चार सौ करोड़ रुपये का एक्सपोर्ट होता था वहीं हमने इसको चार हजार करोड़ रुपये तक पहुंचाने में सफलता प्राप्त की है। हम चाहते हैं कि हर उद्योग को बढ़ावा मिले। हमारे प्रदेश में जहां पहले केवल मात्र चार साढ़े चार हजार उद्योग थे वहां आज 80 हजार उद्योग जगह जगह हैं। हमने दिल्ली की उजड़ी हुई इकाईयों को भी निमंत्रण दिया है और दिल्ली के उद्योगपतियों ने हमारे प्रदेश में प्लाट्स लिए हैं क्योंकि हम जानते हैं कि उजड़े हुए व्यार कैसे बसाए जाते हैं। हमने जिस हालत में जर्जर घर को आबाद किया है उसे आप जानते हैं। दिल्ली के लोगों के मन में एक विश्वास पैदा हुआ था कि हमारी पूंजी यहां सेफ है। अध्यक्ष महोदय, पूंजीपति जब कभी भी अपना उद्योग स्थापित करने के लिए आता है तो उसे सारी सुविधाएं चाहिए होती हैं हमने वह सारी सुविधाएं उनको प्रदान की हैं और आज उसी का परिणाम है कि अब और ज्यादा उद्योग हरियाणा प्रदेश में स्थापित होंगे जिससे हमारे बच्चों को रोजगार मिलेगा, हमारी सरकार के खजाने में रैवेन्यू आएगा और जब रैवेन्यू आएगा तो हम विकास के कामों को गति देंगे। अध्यक्ष महोदय, इसी का परिणाम है कि हमने 33 हजार विकास के कार्य करवाकर हरियाणा प्रदेश में एक कीर्तिमान स्थापित किया है। हम चाहते हैं और मेरा आप सबसे भी विनम्र निवेदन है कि हरियाणा प्रदेश के हित में अपने व्यक्तिगत स्वार्थों को छोड़कर हम सबको साथ रहना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, ये तो अपने सरवाइवल की लड़ाई लड़ रहें है। मुझे खुशी है कि इनकी सरकार से लड़ाई नहीं है ये तो अपने सरवाईवल की लड़ाई लड़ रहे है । हम चाहते हैं कि ईमानदारी से इस सारे

मामले को इस्तेमाल किया जाना चाहिए। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने एक ऐसे विषय को अखबारों में बार बार प्रचारित करने का काम किया है लेकिन मैं इस सदन के द्वारा पूरे प्रदेश के लोगों को नहीं बल्कि पूरे विश्व के लोगों को यह बताना चाहूंगा कि फिजी में जिस तरीके से तानाशाही के द्वारा वहां की प्रजातांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार को अपदस्थ किया था वह बहुत ही गलत था । महेन्द्र चौधरी को जब केन्द्र की सरकार ने भी मान्यता नहीं दी थी तब हमने हरियाणा प्रदेश में उनका सम्मान बढ़ाया था। मैंने सभी विपक्षी दलों को भी एक मंच पर बुलाया था आप सभी लोग उसमें शामिल थे। इन्होंने उस समय यह कहा था कि वहां जनतांत्रिक तरीके से सरकार गठित हो इसके लिए हमें उनकी आर्थिक मदद करनी चाहिए। भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के इस सुझाव के ऊपर ही मैंने इनकी बात को मानकर हरियाणा प्रदेश के लोगों से अपील की थी कि हरियाणा प्रदेश के लोग पैसा इकट्ठा करें और इसके लिए इंडो फिजी सोसायटी का गठन किया गया था। इस सोसायटी के माध्यम से ही हर जिले से पैसा इकट्ठा हुआ था और वह पैसा आज भी बैंक के अंदर जमा है उस पैसे को महेन्द्र चौधरी के पास कैसे ले जाया जाए यह देखने वाली बात है क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसमें कुछ दिक्कतें हैं। (विघ्न)

13.00 बजे अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार के अनर्गल लोग मिथ्या प्रचार करके किसी की राजनीतिक छवि को धूमिल करने की कुचेष्टा कर रहे हैं इन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० बंसी लाल : जब आपने पैसा जमा करा रखा है, माना कि भारत सरकार की तरफ से कोई दिक्कत होगी तो आप प्रधानमंत्री जी से कहिए कि महेन्द्र चौधरी को फिजी में पैसा भेजने की इजाजत दें। महेन्द्र चौधरी तो जो लड़ाई पहले लड़ रहा था वही लड़ाई आज भी लड़ रहा है। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लाल : कितने लाख रुपया है यह भी बता दें ?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : चौधरी भजन लाल जी और बंसी लाल जी की बात से मैं शतप्रतिशत सहमत हूं। मैंने तो हरियाणा प्रदेश के लोगों को अपील की थी। उस अपील के मुताबिक एक सोसायटी गठित हुई। मैं उस सोसायटी का मैंबर नहीं हूं उसमें कितना पैसा है यह मेरी जानकारी में नहीं है लेकिन इस सोसायटी के पदाधिकारियों के अखबारों में जो ब्यान छपे थे उनके मुताबिक सैक्टर 19, चण्डीगढ़ के किसी बैंक में वह पैसा ज्यों का त्यों जमा है और कैसे ले जाया जा सकता है उसके लिए मैं हुड्डा साहब को अधिकृत करता हूं कि वे डिप्लोमैटिक ताल्लुकात के स्तर पर उस पैसे को वहां ले जाएं।

चौ० बंसी लाल : हुड्डा को अधिकृत करने की बजाय आप प्रधानमंत्री जी से बात करें कि फिजी में 6-7 लाख हिन्दुस्तानी वहां अपनी लड़ाई लड़ रहें हैं इसलिए यह पैसा वहां भेजने की इजाजत दी जाए।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा एम०एल०ए० द्वारा

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मैं पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन देना चाहता हूं। मुझे अधिकृत करने की बात कही गई है।

श्री अध्यक्ष : पहले आप अधिकृत हो तो लें।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, यह जो मुख्यमंत्री जी ने बात कही है मैं मानता हूं कि हमने सुझाव दिया था रोहतक में कि महेन्द्र चौधरी की मदद की जाए क्योंकि वे हरियाणा के हैं। उनके पूर्वज हरियाणा के है। यह हमारा गौरव था। इसलिए यह सुझाव दिया था और मुख्यमंत्री जी ने माना था इसके लिए मैंने इनका धन्यावाद भी किया था लेकिन मैंने यह नहीं कहा था कि पैसा वहां न पहुंचे। महेन्द्र चौधरी जी ने यहां आकर ब्यान दिया कि पैसे नहीं मिले। हरियाणा के लोग तो यही सोच रहे थे कि पैसा चला गया होगा। इसलिए मैंने इस बारे में श्वेत पत्र की बात कही थी।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : हमने आपके सुझाव को माना और आपके सुझाव के दृष्टिगत हरियाणा प्रदेश के लोगों ने दिल खोलकर उनको पैसा दिया। वह पैसा उस सोसायटी के हिसाब से उस बैंक मे जमा है। आपकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि उसमें फिजी के लोग भी हैं और हिंदुस्तान के लोग भी हैं। वह पैसा कैसे जाए उसमें कुछ डिप्लोमैटिक अड़चनें हैं, उनको दूर किया जाना है यह देखने वाली बात है। श्वेत पत्र का जहां तक ताल्लुक है श्वेत पत्र उसका जारी किया जाता है जो पब्लिक मनी लोगों से पार्टी फंड के नाम पर इकट्ठी की जाए, आपने 75 लाख रुपया लोगें से इकट्ठा किया वह अपने पार्टी फंड में जमा कराया है या नहीं यह देखना भजन लाल का काम है लेकिन यह काम आपने कंडेला की आड लेकर किया। वह जनता का पैसा है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महादेय, *** *** *** ***

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब की कोई बात रिकार्ड न की जाए। (शोर एवं व्यवधान)

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : सी०बी०आई० की जरुरत ही नहीं है। मैं इंक्वायरी कराने लग रहा हूं। हुड्डा साहब, जनता के पैसे का अगर कोई मिसयूज करता है तो वह भी अपराध है।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा एम० एल० ए० द्वारा—

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में मेरी पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन है। वह तो आपने भी किया है। आप करा लें इंक्वायरी।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारंभ)

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : हमने अगर वह अपराध किया है तो हमें सजा मिलेगी लेकिन आपने 75 लाख रुपया इकट्ठा कर कांग्रेस पार्टी के कोष में केवल मात्र 4200 रुपया जमा कराया है। चौधरी भजन लाल आपसे इस पैसे का हिसाब मांगें या न मांगें लेकिन प्रदेश की जनता जरूर हिसाब मांगेगी। मैं इस मामले की इंक्वायरी कराऊंगा और मैं सदन को आश्वस्त करूंगा कि जो लोग उसमें दोषी पाए जाएंगे उनके खिलाफ मुकद्दमें दर्ज होंगे, चाहे बाद मे वे लोग बुरा मनाएं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि उससे मेरा कोई ताल्लुक नहीं है और न ही यह मेरे से संबंधित है।

चौ० बंसीलाल : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी कह रहे हैं कि उसमें लीगल हिच है या कोई पोलिटिकल हिच है। प्रधानमंत्री के कहने के बाद तो कोई हिच नहीं रहेगी। नये प्रधानमंत्री जी

से बात कर लें अगर प्रधानमंत्री जी इजाजत दे दें तो उसके बाद पैसे को भेजने में कोई दिक्कत नहीं होगी।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : जो सोसायटी के मैम्बर हैं मैं उनसे सम्पर्क स्थापित कर लूंगा। अगर प्रधानमंत्री जी इसमें कुछ कर सकते हैं तो मैं निश्चित रूप से उनको मिलूंगा।

चौ० बंसी लाल : आप कह कर तो देखें । (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : चौधरी साहब, देश का पैसा दूसरे देश में कैसे जाये इसके लिए विचार विमर्श तो करना ही पड़ेगा।

चौ० बंसी लाल : प्रधानमंत्री जी के कहने के बाद तो एक मिनट की देर नहीं लगेगी।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अगर प्रधानमंत्री के कहने से पैसा मिलता है तो मुझे यकीन है कि प्रधानमंत्री जी मेरी बात को एक मिनट में मान लेंगे। हम ईमानदारी के साथ ये कहतें हैं कि उन लोगों की राजनीतिक इच्छाओं के अनुकूल प्रजातांत्रिक प्रणाली का अवसर उन्हें मिले और नये सिरे से सरकार बनने के लिए अगर आर्थिक मदद जो दी गई है वह पैसा उनका उस पर खर्च होगा। उस पैसे में से एक नये पैसे को भी कोई खुर्दबुर्द करेगा तो उसके खिलाफ एक्शन लिया जायेगा । लेकिन हमें यह मानकर चलना चाहिए कि हम जनता से जुड़े हुए लोग हैं हम राजनैतिक लोगों को राजनीति चलाने के लिए लोग पैसा देते हैं हमारी जिम्मेवारी बनती है कि जो लोग हमें पैसा दें उन्हें हम आश्वस्त जरूर करें कि आपके पैसे का सदुपयोग हो रहा है। ऐसा नहीं है कि पैसा ले लें और उसका इस्तेमाल न करें।

चौ० बंसीलाल : अध्यक्ष महोदय, पैसे के दुरुपयोग की बात ही है। वहां फिजी कण्ट्री के इलैक्शन होने के बाद जो जैसी सरकार बननी चाहिए थी, जो रिप्रजैंटेशन हिन्दुस्तानी लोगों को मिलना चाहिए था वहां के कांस्टीच्यूशन के हिसाब से वह भी नहीं मिला और महेन्द्र चौधरी और उनकी पार्टी और सारे हिन्दुस्तानी लोग हाईकोर्ट में गये। हाईकोर्ट ने तो उनके हक में फैसला कर दिया। अब वे सुप्रीम कोर्ट में जाएंगे वहां सुप्रीम कोर्ट का हिसाब ऐसा है कि फिजी की अपनी सुप्रीम कोर्ट है नहीं सुप्रीम कोर्ट के लिए बेल्जियम या आस्ट्रेलिया में लेकर जाना पड़ेगा।

श्री अध्यक्ष : आप बैठिये।

श्री ओमप्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इस हिसाब से चूंकि यह महिला सशक्तिकरण वर्ष चल रहा है और हमने महिलाओं का उत्थान किया है। ऐसी कारगर योजना में अगर सही मायने में वैल्फेयर स्टेट है तो वह हरियाणा प्रदेश सबसे वैल्फेयर स्टेट है। हमने हरिजनों को सम्मान प्रदान करने के लिए महिला सैल का गठन किया है। चौधरी देवीलाल जी के फैसले की ईमदाद करके महिलाओं को अच्छी खुराक मिल सके इसलिए उनको 500/- और 300/- रुपये की मदद हमने दी है। हरिजन कन्या के रिश्ते में आर्थिक संकट न आ जाये इसके लिए 5100/- रुपये कन्यादान के रूप में देने का निर्णय लिया है। एक नई योजना देवी रूपक योजना में मैं आप सबसे खासतौर से कहना चाहता हूं कि सबको मिलकर इस मामले को आगे बढ़ाना चाहिये क्योंकि आज हरियाणा प्रदेश में लड़कियों की संख्या 1000 लड़कों के पीछे 861 है इसकी वजह से सामाजिक संतुलन बिगड़ सकता है इसके लिए हमने कई मुल्कों में जाकर इस मामले की जांच

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

पड़ताल की। केवल मात्र सख्ती से मसला हल नहीं होता अगर सख्ती से मसला हल होता तो चौधरी बंसीलाल जी ने एमरजैंसी के दौरान सख्ती से नसबन्दी की नीति लागू की थी लेकिन उनको इसमें सफलता नहीं मिली। संख्ती से होता तो थाइना में हो जाता। सख्ती से होता तो ट्यूनिशिया में हो जाता। इसलिए हमने निर्णय लिया है कि जो नया शादीशुदा जोड़ा पहली लड़की पैदा करके छः महीने के बाद अगर आपरेशन करा लेगा तो उस लड़की के नाम 500/- रुपये हर महीने बैंक में जमा करा देंगे और 20 वर्ष के बाद जब वह लड़की बड़ी होगी तो साढे सात लाख रुपये उसके पास आयेंगे। उससे आपस में प्रेम भाई चारा मजबूत होगा, सामाजिक संतुलन कायम होगा। हम चाहते हैं कि इस प्रकार की जो सराहनीय योजनाएं हैं, अच्छे काम सरकार की तरफ से किए गये हैं इस मामले में पूरे सदन को अपनी सहमति देनी चाहिए। इसी प्रकार से आज नाजायज इंक्रोचमैंट का जिक्र हुआ। मुझे खुशी है कि सदन इससे सहमत है। नाजायज इंक्रोचमैंट पहले भी पब्लिक की, म्यूनिसिपल कमेटी की और सरकार की भूमि पर धड़ाधड़ नाजायज कब्जा हुआ है उन सारे कब्जों को हटा करके शहरों को सुन्दर बनाने के हम पक्षधर हैं। हमारी सरकार आने के बाद लगभग 20 सुन्दर पार्क हमने शहरों में बनाये हैं। जो तीस-तीस चालीस-चालीस एकड़ में हैं और इस प्रकार हम आगे बढ़ें तो हम शहरों को सुन्दर बनाएंगे। लोगों को साफ पानी उपलब्ध करवाने के लिए एच०डी०ए० के एजेन्डा को प्राथमिकता के आधार पर लिया गया है। इसे सबसे पहले हमने अमली जामा पहनाने का काम किया है। हम ढ़ाई हजार गांवों में साफ पीने का पानी उपलब्ध करवा चुके हैं और हमारी कोशिश है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को अच्छा पीने का पानी उपलब्ध करवाएं जिससे लोग स्वस्थ रह सकें। इसी तरह सरकार हर स्तर पर अच्छे काम करवा रही है, यहां शिक्षा का भी जिक्र आया। शिक्षा के मामले में हमने काफी सुधार करने का प्रयास किया है। पहली कक्षा से अंग्रेजी भाषा इसलिए शुरु की थी ताकि हमारे बच्चे कम्पीटिशन में पिछड़ न जाएं। हमने छटी जमात से कम्प्यूटर लगवा दिये हैं। उसके लिए सभी सरकारी कालेजों में कम्पयूटर लगवा दिए गए हैं। लगभग एक हज़ार स्कूलों में कम्पयूटर शिक्षा शुरु हो गई है। हमने स्कूलों में शिक्षकों की कमी को भी पूरा करने का काम किया है। अभी रैशनेलाइजेशन का जिक्र आया। शायद धर्मपाल जी जिक्र कर रहे थे, हमारी ऐसी कोई सोच नहीं है। हम गांधी जी के अनुयायी हैं। अगर गांधी जी कोई निर्णय लेते हैं और बाद में लोग कह देते हैं कि वह निर्णय ठीक नहीं है तो उसको वापिस लेने में हमें कोई संकोच नहीं है। यह सदन इस बात का गवाह होगा कि हाऊस टैक्स को बढ़ाने के लिए हमने एक प्रोफार्मा तैयार किया है और उसके लिए आप लोगों की तरफ से बड़ा विरोध जताया गया, यह बात अलग है कि आपके विरोध को लोगों ने नहीं माना। हम बिल लाए, उस पर चर्चा हुई और आप सदन से वाक आऊट कर गए। हमने सदन एडजर्न किया और आपको एक अवसर दिया कि आप दोबारा आकर चर्चा करें लेकिन आप फिर भी नहीं आए। हमने बिल पास करने के बाद भी कहा था कि अगर फिर भी हरियाणा प्रदेश के लोगों को आपत्ति होगी तो उसमें हम अमैण्डमैंट करने के लिए तैयार हैं। बिल पास होने के बाद हमने अपनी सरकार के पास किये गए बिल पर शहर के चुनिंदा प्रतिनिधियों, सभी व्यापार मण्डल से जुड़े हुए लोगों की एक नहीं, दो नहीं, तीन-तीन मीटिंग्ल बुलाकर उनसे परामर्श किया और उन्होंने जो सुझाव दिए उन पर हमने अमल करके अपने बनाए हुए बिल में अमैण्डमैंट करके लोगों को राहत प्रदान की। हम चाहते हैं कि लोगों को राहत मिल सके इसलिए मैं आपसे विनम्र निवेदन करना चाहता हूं कि जो लोग नाजायज़ तरीके से सरकारी सम्पत्ति पर कब्जा जमाने का प्रयास करते हैं, इस प्रकार के नाजायज कब्जे हटाने चाहिएं ताकि लोगों को अच्छी आवास की सुविधा मिल सके, हमारे शहर सुन्दर बन सकें और लोगों की

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

मूलभूत जरूरतें पूरी हो सकें। हमने इस सूखे के दौरान ही साढ़े चार करोड़ नए वृक्ष लगाए हैं। मुझे इस बात की बहुत प्रसन्नता है कि हमारा साढ़े चार करोड़ का टारगेट, लगभग पूरा हो जायेगा। शायद कुछ पौधे न लग पाएं। भयंकर सूखे की स्थिति के बावजूद भी हमने वृक्ष लगाने का काम किया है। भयंकर सूखे की स्थिति के बाद परमात्मा की हम पर अनुकम्पा है कि आज हरियाणा में भरपूर फसल हुई है। हम वादा करते हैं कि किसानों को फसल के लाभप्रद मूल्य के साथ-साथ उसके समुचित भण्डारण की भी व्यवस्था होगी। अभी सरसों का जिक्र आया। कुछ साथियों को ज्ञान नहीं है कि केन्द्रीय सरकार ने सरसों के दाम पिछले साल के मुकाबले ज्यादा बढ़ाये हैं। महेन्द्रगढ़, नारनौल के लोग यहां बैठे हैं। हमने अभी एक ऑयल मिल का उद्घाटन किया है। हम चाहते हैं कि उनको अच्छे दाम मिल सकें और उनकी अच्छी व्यवस्था हो सके। हम चाहते हैं कि हमारे प्रदेश का किसान खुशहाल हो। इसके अतिरिक्त जहां तक माईनिंग की बात है उसकी तरफ भी हमारी सरकार ने विशेष ध्यान दिया है और उसका परिणाम यह निकला कि तोशाम के पहाड़ जहां 50 लाख रुपये में बिका करते थे अब 7 करोड़ रुपये से अधिक में बिके हैं। अध्यक्ष महोदय, पहले बाकी के पैसे कहां जाते थे इस बारे में तो बंसी लाल जी ही बता सकते हैं। जहां स्लेट के खान केवल मात्र 4 या 5 लाख रुपये में बिकते थे अब वे 2 करोड़ रुपये से ऊपर बिकते हैं। अध्यक्ष महोदय, हमने इनके 25-25, 30-30 और 40-40 गुणा रेट बढ़ाने का काम किया है। हम पैसा अर्जित करना जानते हैं। हम पैसा इस प्रकार से एकत्रित करेंगे ताकि जनता पर मार न पड़े और किसी एक व्यक्ति विशेष की जेब में पैसा न जाये। हम आम आदमी पर टैक्स का मार डालकर उसे परेशान नहीं करेंगे। लेकिन जो लुटेरे सरकार का माल खा गये उनसे पैसा वसूल करना हमारा काम है। अध्यक्ष महोदय, हम इस स्टेट के ट्रस्टी हैं और इस स्टेट की सम्पत्ति की रखवाली करना हमारी जिम्मेवारी है। इसलिए मैं पूरे सदन से कहूंगा कि आप लोग भी इस जिम्मेवारी को मानें, आप राजनीति मे पवित्रता और स्वच्छता लाने का काम करें तथा नैतिकता के आधार पर अच्छे काम करने की सोच पैदा करें। अध्यक्ष महोदय, जनता के दिए हुए पैसे का अपने स्वार्थ के लिए इस्तेमाल करने वाले लोगों को राजनीति में कोई माफ नहीं करेगा। चौधरी भजन लाल जी इन्क्वायरी की मांग करें या न करें लेकिन इन्क्वायरी निश्चित रूप से करवाई जायेगी और जो दोषी पाये जायेंगे उनके खिलाफ एक्शन लिया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, हमारी मंशा केवल मात्र एक है, हम सत्ता का सुख भोगने के पक्षधर नही है। स्वर्गीय चौधरी देवी लाल जी का एक नारा था कि सत्ता सुख भोगने का साधन नहीं, जन-मानस की सेवा का एक माध्यम है। हम जनता की सेवा का लक्ष्य लेकर राजनीति में आये हैं। जनता की सेवा करने में हम जिस दिन अपने आपको असमर्थ समझेंगे उस दिन राजनीति छोड़कर यहां से चले जायेंगे। लेकिन विपक्ष के हटाने से हमारी सरकार नहीं हटेगी। चाहे उसमें ये तारीख तीन महीने की तय कर लें, चाहे 9 मार्च और चाहे एक साल की तय कर लें लेकिन मैं आपसे एक नम्र निवेदन करता हूं कि आप लोग विपक्ष की भूमिका निभानी सीख जायें। मुझे उम्मीद है कि कुछ तो आप सीखते जा रहे हो, यदि अगले पांच साल भी आपको यहां जाने का अवसर मिला तो फिर आप जरूर सीख जायेंगे। अंत में मैं आप सभी सम्मानित सदस्यों से निवेदन करूंगा कि राज्यपाल महोदय के अभिभाषण को जो बड़ा ही सुन्दर है, विवेकपूर्ण है और जिसे बड़े अच्छे ढंग से प्रस्तुत किया गया है उसको सर्वसम्मति से पास करके एक नई परम्परा स्थापित करने का काम करें। आप सबका बहुत-बहुत धन्यवाद।

Mr. Speaker : Question is----

"That the Address be presented to the Governor in the following

terms :—

'That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 5th March, 2003' "

The motion was carried.

वर्ष 2002-2003 के लिए अनुपूरक अनुमान (द्वितीय किश्त) प्रस्तुत करना

Mr. Speaker : Now, the Finance Minister will present the Supplementary Estimates 2002-2003 (Second Instalment).

Finance Minister(Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to present the Supplementary Estimates 2002-2003 (Second Instalment).

प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना

Mr. Speaker : Now, Shri Lila Krishan, Chairperson of Estimates Committee, will present the Report of the Committee, on Estimates on the Supplementary Estimates 2002-2003 (Second Instalment).

Chaudhry Lila Krishan (Chairperson, Estimates Committee): Sir, I beg to present the Report of the Committee on Estimates on the Supplementary Estimates 2002-2003 (Second Instalment).

वर्ष 2002-2003 के लिए अनुपूरक अनुमानों की मांगों (द्वितीय किश्त) पर चर्चा तथा मतदान

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now, discussion and voting on Supplementary Estimates 2002-2003 (Second Instalment) will take place. As per the past practice and in order to save the time of the House, the demands on the order paper (No. 1, 3 to 6, 9 to 11, 13 to 16, 21, 23, to 25) will be deemed to have been read and moved together and a general discussion on the supplementary demands is permitted. The members are, however, requested to indicate the demand No. on which they wish to raise discussion.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 1,34,68,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 1-Vidhan Sabha.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 1,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 3-Home.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 1,69,95,58,000/- for revenue expenditure and Rs. 10,00,00,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No.4-Revenue.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 7,58,54,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 5-Excise and Taxation.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 1,30,22,45,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 6-Finance.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 2,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 9-Education.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 22,58,08,000/- for revenue expenditure and Rs. 3,62,00,000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 10-Medical and Public Health.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 14,44,02,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 11-Urban Development.

That Supplementary sum not exceeding Rs. 3,000/- for revenue expenditure and Rs. 80,00,000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 13-Social Welfare and Rehabilitation.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 1,19,64,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 14-Food and Supplies.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 32,15,16,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 15-Irrigation.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 4,10,00,,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the

[Mr. Speaker]

course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 16- Industries.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 14,16,69,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 21- Community Development.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 4,51,16,000/- for revenue expenditure and Rs. 5,00,00,000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 23-Transport.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 65,09,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 24- Tourism.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 4,000/- for Capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 25-Loans and Advances by State Government.

(No Member rose to speak)

Mr. Speaker : Question is-

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 1,34,68,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 1- Vidhan Sabha.

The Motion was carried.

Mr. Speaker : Question is—

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 1,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 3- Home.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 1,69,95,58,000/- for revenue expenditure and Rs. 10,00,00,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 4-Revenue.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 7,58,54,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 5 Excise and Taxation.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 1,30,22,45,000/- for revenue expenditute be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 6-Finance..

The motion was Carried

Mr. Speaker : Question is—

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 2,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 9- Education.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 22,58,08,000/- for revenue expenditure and Rs.3,62,00,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 10-Medical & Public Health.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 14,44,02,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 11- Urban Development.

The motion was Carried

Mr. Speaker : Question is—

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 3,000/- for revenue expenditure and Rs.80,00,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 13-Social Welfare and Rehabilitation.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 1,19,64,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 14- Food and Supplies.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 32,15,16,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 15- Irrigation.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 4,10,00,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 16- Industries.

The Motion was carried

Mr. Speaker : Question is —

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 14,16,69,000/- for

revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 21-Community Development.

The Motion was carried

Mr. Speaker : Question is —

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 4,51,16,000/- for revenue expenditure and Rs.5,00,00,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 23-Transport.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 65,09,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 24- Tourism.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 4,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2003 in respect of Demand No. 25-Loans and Advances by State Government.

The Motion was Carried

सरकारी संकल्प

Mr. Speaker : Now, a Minister will move the official resolution.

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : मैं प्रस्ताव करता हूं—

कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अखिल भारतीय न्यायाधीश संगठन बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया व अन्य [रिट पटीशन (सिविल) क्रमांक 1022 ऑफ 1989] में प्रथम राष्ट्रीय न्यायाधिक वेतन आयोग (जो शेट्टी आयोग के नाम से भी जाना जाता है) की सिफारिशों को लागू करने बारे अपने निर्णय दिनांक 21 मार्च, 2002 में कई निर्देश पारित किए हैं। इन निर्देशों में अन्य सुविधाओं के अतिरिक्त परिशोधित उच्च वेतनमान और सुनिश्चित जीविका प्रगति वेतनमान दिया जाना शामिल है।

2. सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय दिनांक 21-03-2002 अनुसार न्यायिक अधिकारियों के वेतनमानों के परिशोधन के प्रभाव बारे राज्यों के वित्त मंत्रियों की 07-09-2002 तथा 12-09-2002 को हुई बैठक में और नई दिल्ली में प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में दिनांक 18-10-2002 को मुख्य मन्त्रियों के सम्मेलन में विचार किया गया है। इन सम्मेलनों में क्रमश: हरियाणा के

वित्त मंत्री तथा मुख्य मन्त्री ने भाग लिया था । सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय दिनांक 21-03-2002 में उच्च वेतनमान सहित अन्य सभी निदेशों को लागू करने में हरियाणा राज्य पर लगभग 625 करोड़ रुपये का कुल अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ने का मोटा अनुमान है। इसमें अंतर्निहित वित्तीय विविक्षा बहुत ही अधिक है।

3. राज्य में साधनों के अभाव तथा अन्य पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, इस सदन द्वारा 31-10-2002 को यह प्रस्ताव पारित किया गया कि हरियाणा सरकार सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को लागू न करे तथा मामला भारत सरकार को उचित प्रशासनिक एवं कानूनी कार्यवाही प्रारम्भ करने के लिए भेजे। सदन द्वारा उक्त प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किए जाने के बाद अध्यक्ष, अखिल भारतीय न्यायाधीश संगठन से सरकार को एक प्रतिवेदन दिनांक 5 दिसम्बर, 2002 इस अनुरोध के साथ प्राप्त हुआ कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय दिनांक 21-3-2002 जिसमें बाद में 25-11-2002 को भी आदेश पारित हुए हैं, अनुसार न्यायिक अधिकारियों के वेतनमान परिशोधित किए जाएं। प्रतिवेदन में साथ ही यह मांग भी की गई है कि 1-7-1996 से 31-3-2003 तक परिशोधित वेतनमान में वेतन नियत किया जाए। सर्वोच्च न्यायालय के नवीनतम आदेश दिनांक 25-11-2002 से उत्पन्न होने वाली वित्तीय विविक्षा संदर्भ में मुख्यत: संगठन के प्रतिवेदन पर हरियाणा सरकार द्वारा विचार किया गया। उच्च वेतनमान सम्बन्धी निदेश को लागू करने में तकरीबन 37 लाख रुपये वार्षिक वित्तीय विविक्षा होने का अनुमान है और 1-7-1996 से बकायाजात के भुगतान पर तकरीबन 2.70 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी। इससे राजकीय कोष पर तकरीबन 3.07 करोड़ रुपये का वित्तीय भार पड़ेगा जबकि सर्वोच्च न्यायालय के सभी निर्देशों की अनुपालना पर 625 करोड़ रुपये खर्च होने का मोटा अनुमान है। राज्य सरकार द्वारा मामले पर पुनर्विचार किया गया है और यह महसूस किया गया है कि यद्यपि वित्तीय कठिनाई के कारण राजकीय कोष पर काफी दबाव है, फिर भी सरकार सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को लागू करने के लिए संगठन के प्रतिवेदन पर सकारात्मक दृष्टिकोण से विचार कर ले।

4. अत: यह सदन अपने दिनांक 31-10-2002 को पारित प्रस्ताव में संशोधित करते हुए यह पारित करता है कि राज्य सरकार सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए इस मामले में समुचित पग उठाए।"।

Mr. Speaker : Motion moved—

"That the Supreme Court of India in its Judgment dated the 21st March, 2002 in the matter of All India Judges Association Vs. Union of India and others [Writ Petition (Civil) No. 1022 of 1989] had passed a number of directions with regard to implementation of the recommendations of first National Judicial Pay Commission (Also known as Shetty Commission). These directions *interalia* included the grant of revised higher scale of pay and Assured Career Progression Scheme amongst many other facilities.

2. The Impact of the Supreme Court Judgment dated 21-03-2002 regarding revision of emoluments of judicial Officers was discussed in the meeting of Finance Ministers of States held on 07-09-2002

[Mr. Speaker]

and 12-09-2002 and in the Chief Minister's Conference on 18-10-2002 in New Delhi under the Chairmanship of Prime Minister of India. These conferences were attended by the State Finance Minister and the Chief Minister Haryana respectively. The total additional financial liability in case of Haryana State on account of implementation of all directions including higher pay scales as contained in the supreme court Judgment dated 21-03-2002 is broadly estimated to be Rs. 625 crores. The financial implications involved are of a very high order.

3. Keeping in view the resource crunch in the State and all other factors this House had adopted a resolution on 31-10-2002 to the effect that the State Government should not give effect to the Judgment of the Supreme Court and refer the matter to Government of India for initiating an appropriate administrative and legal action. After passing of the above mentioned unanimous Resolution by this House, a representation dated December 5, 2002 was received by Government from the Chairman of All India Judges' Association with a request to revise the pay-scales of Judicial Officers as per Judgment dated 21-03-2002 of the Supreme Court in which a subsequent order was also passed on 25-11-2002. The representation, *inter-alia*, sought the Fixation of revised pay-scales with effect from 01-07-1996 to 31-03-2003. The representation of the Association has been examined by the State Government particularly in the context of financial implications arising out of the latest order of the Supreme Court dated 25-11-2002. It has been worked out that the implementation of the directions regarding higher pay scales will have yearly financial implication of Rs. 37 lacs approximately and an amount of Rs. 2.70 crores will be required towards the payment of arrears with effect from 01-07-1996. This will burden the State exchequer approximately to the tune of Rs. 3.07 crores against the burden of Rs. 625 crores which is broadly estimated to be involved in the implementation of all directions of the Supreme Court. The State Government has reconsidered the issue an it is felt that though the State Exchequer is hard pressed because of financial crunch, the Government may consider the representaion of the Association favourably for implementation of the Judgment of the Supreme Court.

4. Therefore, this House in modification of its earlier resolution dated 31-10-2002 hereby resolves that the State Government may take appropriate steps in this matter keeping all factors in view."

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है। पिछले दिनों जब यह मामला आया था तो सरकार अपनी मर्जी से रैजोल्यूशन ले कर आई थी और यह कहा था कि ये सुविधाएं बहुत ज्यादा हैं और पैसा स्टेट एक्सचैकर से देना पड़ेगा यह न दिया जाए। अध्यक्ष

महोदय, हरियाणा सरकार ने जो जजिज हैं उनको सुविधाएं देने के लिए राजी हो रही है हम भी इसके लिए सहमत हैं, यह अच्छी बात है। सरकार को हमारा सुझाव यह है कि क्योंकि जो न्यायिक प्रक्रिया है वह आपने कर ली और उनकी रैजिडैन्स वगैरह की जो जरूरत है वह बिना सरकार की मदद के पूरी होनी चाहिए और उनके ऊपर किसी प्रकार का दबाव नहीं होना चाहिए ताकि जजिज की कार्यप्रणाली पर सरकार का कोई अनड्यू फेवर या डिसफेवर नहीं हो इसलिए आपके माध्यम से चौधरी सम्पत सिंह जी जो वित्तमन्त्री भी हैं वे एक दफा जजिज ऐसोसियेशन के प्रतिनिधियों को अपने दफ्तर में बुलाएं या उनके साथ समय निश्चित करके उनसे बात करें। उनकी बहुत सी मांगे जैनुअन हैं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, क्योंकि यह जजिज का मामला है और हरियाणा में जो न्यायिक अधिकारी हैं उनका अपनी अदालतों का चलाने का जो रोल है वह बहुत ही महत्त्वपूर्ण होता है। यह बहुत अच्छा कदम है और सरकार को उनको सुविधाएं देने में कोई संकोच नहीं करना चाहिए। आज ये 3.07 करोड़ रुपये के लिए मान रहे हैं ज्यादा से ज्यादा यह हो सकता है कि उनकी कुछ और अच्छी बातों को मान लिया जाए और एक दो करोड़ रुपये और खर्च हो जाएंगे इसलिए उनकी अन्य सुविधाओं को भी इसमें शामिल कर लिए जाए तो कोई बुरी बात नहीं है।

कैप्टन अजय सिंह यादव (रिवाड़ी): अध्यक्ष महोदय, इसमें मेरा भी एक सुझाव है। वैसे तो सरकार ने जो रैजोल्यूशन पेश किया है मैंने उसका तो समर्थन करना ही करना है लेकिन साथ ही साथ शैट्टी कमीशन की रिपोर्ट में कुछ और भी बातें हैं। नम्बर ऑफ पोस्ट बहुत ही कम है जिसके कारण अदालतों में बहुत ज्यादा केसिज पैंडिंग हो गये हैं इसलिए उसके बारे मे भी सरकार पूर्ण रूप से विचार करे। अध्यक्ष महोदय, इसमें मेरा दूसरा सुझाव यह है कि कई पोस्टें एबोलिश कर दी गई हैं यहां तक कि क्लर्कस तक की पोस्टें भी एबोलिश कर दी गई हैं। मेरा सुझाव है कि शैट्टी कमीशन की जो और रिकमैंडेशन्ज हैं उनको भी मान लिया जाए इसमें अभी केवल एरियर की बात कर रहे हैं, पे की बात कर रहे हैं इसके अलावा जो नम्बर ऑफ पोस्ट्स इन्क्रीज करने की बात है उसके बारे में भी सरकार को विचार करना चाहिए। क्योंकि बहुत ज्यादा केसिज कोर्ट्स में पैंडिंग पड़े हैं उनके निपटाने के बारे में सरकार कोई कदम उठाए, यह मेरा सुझाव है।

बैठक का समय बढाना

श्री अध्यक्ष : यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय पांच मिनट के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, हाउस का समय पांच मिनट बढ़ाया जाता है।

सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ)

वित्त मन्त्री (प्रो० सम्पत सिंह) : अध्यक्ष महोदय, श्री कर्ण सिंह दलाल और कैप्टन अजय

सिंह यादव जी ने जो बातें कही हैं उन बातों को नजर में रखते हुए अगर शैट्टी कमीशन की सारी की सारी रिपोर्ट को लागू करते हैं तो सरकार को 625 करोड़ रुपये खर्च करने पड़ेंगे। हिन्दुस्तान की कोई भी स्टेट इस पोजीशन में नहीं है कि इतना भारी खर्च वहन कर सके इसलिए हिन्दुस्तान की किसी भी स्टेट ने इसे लागू नहीं किया है तथा सभी असैम्बलीज ने इस बारे में रैजोल्यूशन पेश किया। ईवन एफ.एम. की कान्फ्रैंस में भी और प्राईम मिनिस्टर महोदय की कान्फ्रैंस में भी सभी मुख्य मन्त्रियों ने इस बात को उठाया था क्योंकि जजिज की अखिल भारतीय ऐसोसिएशन ने पे स्केल के लिए कहा है क्योंकि हम यह कर नहीं सकते थे इसलिए अब गवर्नमैंट को इस रैजोल्यूशन की मार्फत इसका राईट दे रहे हैं। पिछली दफा एक रैजोल्यूशन हुआ था जिसमें जजिज को सुविधाएं देने की बात को रद्द किया था। उसमें एक पार्ट जो सरकार को अपनी तरफ से अधिकार देने का है और उसी पार्ट पर पुन: विचार के लिए यह रैजोल्यूशन लेकर आए हैं ताकि सरकार उनका पे-रिविज़न कर सके सिर्फ इसी संशोधन की बात को लेकर यह रैजोल्यूशन लाए हैं। आपने जैसे पहले इस रैजोल्यूशन को पास किया था उसी तरह से इसको भी पास कर दें।

Mr. Speaker : Question is—

"That the Supreme Court of India in its Judgment dated the 21st March, 2002 in the matter of All India Judges Association Vs. Union of India and others [Writ Petition (Civil) No. 1022 of 1989] had passed a number of directions with regard to implementation of the recommendations of first National Judicial Pay Commission (Also known as Shetty Commission). These directions *interalia* included the grant of revised higher scale of pay and Assured Career Progression Scheme amongst many other facilities.

2. The Impact of the Supreme Court Judgment dated 21-03-2002 regarding revision of emoluments of Judicial Officers was discussed in the meeting of Finance Ministers of States held on 07-09-2002 and 12-09-2002 and in the Chief Minister's Conference on 18-10-2002 in New Delhi under the Chairmanship of Prime Minister of India. These conferences were attended by the Sate Finance Minister and the Chief Minister of Haryana respectively. The total additional financial liability in case of Haryana State on account of implementation of all directions including higher pay scales as contained in the supreme court Judgment dated 21-03-2002 is broadly estimated to be Rs. 625 corers. The financial implications involved are of a very high order.

3. Keeping in view the resource crunch in the State and all other factors, this House had adopted a resolution on 31-10-2002 to the effect that the State Government should not give effect to the Judgment of the Supreme Court and refer the matter to Government of India for initiating an appropriate administrative and legal action. After passing

of the above mentioned unanimous Resolution by this House, a representation dated December 5, 2002 was received by Government from the Chairman of All India Judges' Association with a request to revise the pay-scales of Judicial Officers as per Judgment dated 21-03-2002 of the Supreme Court in which a subsequent order was also passed on 25-11-2002. The representation, *inter-alia*, sought the Fixation of revised pay-scales with effect from 01-07-1996 to 31-03-2003. The representation of the Association has been examined by the State Government particularly in the context of financial implications arising out of the latest order of the Supreme court dated 25-11-2002. It has been worked out that the implementation of the directions regarding higher pay scales will have yearly financial implication of Rs. 37 lacs approximately and an amount of Rs. 2.70 crores will be required towards the payment of arrears with effect from 01-07-1996. This will burden the State exchequer approximately to the tune of Rs. 3.07 crores against the burden of Rs. 625 crores which is broadly estimated to be involved in the implementation of all directions of the Supreme Court. The State Government has reconsidered the issue and it is felt that though the State Exchequer is hard pressed because of financial crunch, the Government may consider the representaion of the Association favourably for implementation of the Judgment of the Supreme Court.

4. Therefore, this House in modification of its earlier resolution dated 31-10-2002 hereby resolves that the State Government may take appropriate steps in this matter keeping all factors in view."

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the House stands adjourned till 2.00 P.M. today the 10th March, 2003.

*13. 31hrs. (The Sabha then * adjourned till 2.00 p.m. on Monday, the 10th March, 2003.)

37309–H.V.S. H.G.P., Chd.